@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 8 नवंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 363 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

शरद और अजित पवार को सुप्रीम कोर्ट ने दी नसीहत

नई दिल्ली, 7 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में जारी विधानसभा चुनाव की सगर्मियों के बीच शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार के राजनीतिक दलों- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ह्रष्टक्क) को नसीहत दी है। अदालत ने दोनों पक्षों से कहा कि चुनावी माहौल के बीच अदालतों में अपना समय बर्बाद न करें। अदालत ने दोनों दलों से कहा कि जमीन पर जाएं और मतदाताओं को अपनी नीतियों से प्रभावित कर उनके वोट मांगें। उच्चतम न्यायालय ने अजित पवार की अगुवाई वाली राकांपा को 36 घंटे के भीतर अखबारों में यह 'डिस्क्लेमर' जारी करने का

भी निर्देश दिया। अदालत ने साफ किया कि एनसीपी को 'घड़ी' चुनाव चिह्न आवंटित करने का मामला अदालत में विचाराधीन है, यह सूचना स्पष्ट रूप से प्रकाशित करानी होगी। महाराष्ट्र में इस बार सियासी मुकाबला बेहद दिलचस्प होने के आसार हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि लगभग 25 महीने पहले जून, 2022 में महाविकास अघाड़ी (रूङ्क) सरकार गिरी थी। इसके बाद भाजपा समर्थित सरकार बनी। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ह्रष्टक्क) के दो-फाड़ होने के बाद राज्य में पहली बार विधानसभा चुनाव होंगे। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा में फिलहाल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ह्रष्ठ) की सरकार के पास 202 विधायकों का समर्थन है। 102 विधायकों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। अजीत पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ह्रष्टक्क) के 40 विधायक हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 38 विधायक हैं। 14 निर्दलीय विधायकों ने भी एनडीए सरकार को समर्थन दिया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार को पांच अन्य छोटे दलों का समर्थन भी हासिल है। इसके अलावा विपक्षी खेमे (महाविकास अघाड़ी- रूङ्क) में कुल 71 विधायक हैं। विपक्ष में कांग्रेस 37 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है।

छठ महापर्व: सीएम आतिशी-केजरीवाल ने निभाई रस्में

सिम्मी कौर बब्बर

दिल्ली, 7 नवंबर। दिल्ली समेत गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम तक छठ महापर्व मनाया जा रहा है। गुरुग्राम में सूर्योपासना के महापर्व छठ का पहला अर्घ्य बृहस्सिवार की शाम संपन्न हुआ। गुरुग्राम में 35 बड़े छठ घाट बनाए गए हैं। इसके अलावा व्रतियों ने स्वीमिंग पुल और घर छतों पर भी अर्घ्य दिया। इसके अलावा गाजियाबाद में छठ महापर्व पर आकाश से पूर्वांचलियों पर पुष्पों की वर्षा हुई। दिल्ली के कई घाटों और कृत्रिम जलाश्य में समेत नोएडा की सोसायटी में छठ पर्व मनाया जा रहा है शीतला माता मंदिर परिसर में पुराना ब्रह्म सरोवर तालाब मंदिर निर्माण के कारण बंद है। मंदिर की पार्किंग में पाटलीपुत्र सांस्कृतिक चेतना समिति ने प्रशासन और छठ पूजा के समाजसेवियों की अगुआई में छठ घाट बनाया गया है। यहां हजारों की संख्या में व्रती और उनके परिवार के लोग जुटे हुए हैं। गुरुग्राम के शीतला माता मंदिर पार्किंग स्थल पर बनाए गए छठ घाट पर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देने व्रती पहुंचीं। गुरुग्राम में मुख्य शहर के दूर बसी सोसाइटियों में लोगों ने स्वीमिंग पुल को छठ घाट बना लिया। विपुल लावण्या सोसाइटी, सेक्टर 102 स्थित सनसिटी एवेन्यू, सेक्टर 79 स्थित मैपस्को माउंटविले, सेक्टर 82 स्थित मैप्सको कासाबेला, सेक्टर 109 स्थित वुडशायर, सेक्टर 46 स्थित पावर ग्रिड, सेक्टर 83 स्थित वाटिका आदि सोसाइटियों में स्वीमिंग पुल पर छठ पूजा आयोजित की गई है। जहां अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया। दिल्ली के आईटीओ स्थित यमुना घाट पर छठ पूजा करने के लिए श्रद्धालु पहुंचे। आज डूबते सूर्य को सायंकालीन अर्घ्य दिया। छठ पर्व की शुरुआत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के दिन नहाय खाय से होती है। पंचमी को खरना, षष्ठी को डूबते सूर्य को अर्घ्य और उगते सूर्य सप्तमी को अर्घ्य देकर व्रत समाप्त होता है। इस चार दिवसीय त्योहार में सूर्य और छठी मैया की पूजा की जाती है। छठ पूजा के पावन अवसर पर हर वर्ष गाजियाबाद के लोकप्रिय नेता, माननीय पूर्व सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार जनरल वीके सिंह जी के द्वारा छठ पूजा में शामिल पूर्वांचली भक्तों का उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से उन पर पुष्प वर्षा कई वर्षों से की जाती रही है। इसी क्रम में इस वर्ष भी माननीय जनरल वी.के. सिंह की सुपुत्री और गाजियाबाद की जनता के दिलों

में दीदी के नाम से घर करने वाली मृणालिनी सिंह के द्वारा गाजियाबाद में अनेकों छठ घाटों पर हेलीकॉप्टर से जाकर आकाश से छठ पूजा करते हजारों पूर्वांचली भक्तों पर पुष्पों की वर्षा की गई। इस दृश्य को देख कर भक्तों के हृदय प्रफुल्लित हो उठे और भक्तों की भीड़ ने श्रीमती मृणालिनी सिंह (दीदी) का अभिनंदन कर प्रेम प्रकट किया। छठ पूजा महोत्सव 05 नवंबर, 2024 को शुरू हुआ और 08 नवंबर को समाप्त होगा। यह त्योहार विशेष रूप से बिहार में बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह व्रत संतान के सुखी जीवन की कामना के लिए किया जाता है। छठ पर्व की शुरुआत षष्ठी तिथि से दो दिन पहले यानी की चतुर्थी तिथि से होती है। छठ पर्व में मुख्यत: सूर्य देव को अर्घ्य देने का सबसे ज्यादा महत्व माना गया है। तो चलिए जानते हैं छठ पूजा की तिथियां अर्घ्य का समय और पारण समय क्या है। छठ महापर्व के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य में शैकरों की संख्या में पूजा व्रती एवं हजारों परिवार गण पहुंचें। संकल्प सिद्धि स्थल, नगर निगम छठ घाट, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद के गंगाजल और गुलाब जल से प्रच्छालित पवित्र तालाब में संकल्प सिद्धि फाउंडेशन के सौजन्य से राजनगर एक्सटेंशन के व्रतीगण लगा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बवाल, 370 के मुद्दे पर विधायकों में भिड़ंत

नरेश मल्होत्रा

जम्मू, 7 नवंबर। जम्मू कश्मीर विधानसभा में आज काफी हंगामा हो रहा है। अनुच्छेद 370 को लेकर सदन में हाथापाई होने लगी। हंगामे के बाद स्पीकर ने विधानसभा की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी। जिसके बाद स्पीकर ने कहा कि जो वेल में आए उनको बाहर निकालो। मार्शलों ने कुछ भाजपा विधायकों को विधासभा से बाहर निकाला। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बारामूला से लोकसभा सांसद इंजीनियर राशिद के भाई और लेंगेट से विधायक खुर्शीद अहमद शेख द्वारा अनुच्छेद 370 पर बैनर दिखाए। विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने इस पर आपत्ति जताई। बैनर को देखकर भाजपा के विधायक भड़क गए और उन्होंने उनके हाथ से उस पोस्टर को छीन लिया। भाजपा विधायकों ने शेख खुर्शीद के हाथ से पोस्टर लेकर उसे फाड़ दिया। इस दौरान हाथापाई होने लगी और जमकर हंगामा हुआ। जम्मू कश्मीर विधानसभा में हंगामा और हाथापाई के बाद सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। सदन स्थगित होने के बाद भी भाजपा सदस्यों ने अपना विरोध जारी रखा। भाजपा ने सुरक्षा पर आवाज उठाई कि ऐसी चीजों को कैसे अनुमति दी जाती है। मार्शलों ने सदन में हंगामा कर रहे कुछ विपक्षी विधायकों को सदन से बाहर निकाला। विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने कहा कि इन्होंने स्पेशल स्टेटस के तहत अपने अपने महल बनाए और कब्रिस्तान खड़े किए। इस पर नेकां के नेता भड़क पड़े। सदन में भाजपा ने नारेबाजी शुरू की। उधर नेकां के नेताओं ने भी सदन में नारेबाजी की। इंजीनियर राशिद के भाई और अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक खुर्शीद अहमद शेख (जिन्होंने आज जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 पर एक बैनर प्रदर्शित किया) ने कहा, यह पूरी तरह से कानूनी है। हम अनुच्छेद 370 पर एक प्रस्ताव लाना चाहते थे, लेकिन हमें मौका नहीं दिया गया। तो, हमारे पास और क्या विकल्प था? बैनर में अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए के बारे में बात की गई थी, जिसकी हम निंदा करते हैं। लेकिन यह भाजपा को पसंद नहीं आया। भले ही वे हम पर हमला करना जारी रखें, हम अपनी आवाज उठाते रहेंगे। भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और अलगाववादियों के एजेंडे को दोबारा जिंदा करने की कोशिश और साजिश की है। जम्मू-कश्मीर की विधानसभा का अनुच्छेद 370 से कोई लेना-देना नहीं है। जिस तरह चोरी छिपे कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार ने अनुच्छेद 370 के प्रस्ताव को विधानसभा में लाया है वह गैरकानूनी, असंवैधानिक है। यह देश के साथ गद्दारी है। भाजपा इस एजेंडे को कभी लागू नहीं

होने देगी। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने कहा, हम वो लोग हैं जो भारत माता को मजबूत करना चाहते हैं। हमने लोगों के हित, उद्योगों, पर्यटन, शिक्षा आदि के बारे में बात की है। लोग देख रहे हैं कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, फारुख अब्दुल्ला और सुरिंदर कुमार चौधरी जो कह रहे हैं वह उनके हित में है। भाजपा नेता कविंदर गुप्ता ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा सत्र में हंगामे पर कहा, नेशनल कॉन्फ्रेंस और कश्मीर की पार्टियां जम्मू-कश्मीर का माहौल खराब करना चाहती हैं। स्पीकर जिस तरह नेशनल कॉन्फ्रेंस के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं उससे माहौल खराब हुआ। आज जिस तरह इन्होंने भाजपा विधायकों को मार्शल द्वारा निकालकर गुंडागर्दी का परिचय दिया वह असहनीय है। सरकार ही चाहती है कि वहां माहौल बिगड़े। न तो कोई स्पेशल स्टेटस मिलेगा न कुछ मिलेगा, यह इतिहास बन चुका है। बता दें कि इससे पहले बुधवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने बुधवार को राज्य को विशेष दर्जा बहाल करने के प्रस्ताव को पारित कर दिया। उप मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी की ओर से पेश किए गए प्रस्ताव के पारित होते ही सदन में हंगामा हो गया। भाजपा के विधायक सदन के वेल में उतर गए। प्रस्ताव का विरोध करते हुए उन्होंने इसकी प्रतियां फाड़ कर हवा में उड़ा दीं।

शाहरुख खान को मिली जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली, 7 नवंबर। सलमान खान के बाद, भारतीय अभिनेता शाहरुख खान को फैजान खान नामक एक व्यक्ति द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई है। महाराष्ट्र के बांद्रा पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। रायपुर के आरोपी ने अभिनेता से भारी फिरौती की मांग की है। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख

खान को जान से मारने की धमकी मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें एक कॉल पर धमकी मिली है। मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी फैजान नाम के शख्स ने धमकी भरा कॉल किया है। सूत्रों ने बताया कि मुंबई पुलिस की एक टीम जांच के लिए रायपुर गई है। बई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अभिनेता शाहरुख खान को कथित तौर पर धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। धारा 308(4), 351(3)(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है। हालांकि मुंबई पुलिस की ओर से उन रिपोर्टों की कोई पुष्टि नहीं की गई है कि कॉल छत्तीसगढ़ के रायपुर से की गई थी, रायपुर पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि मुंबई पुलिस शाहरुख खान को धमकी देने के लिए फैयाज खान नाम के व्यक्ति को नोटिस दे रही है। मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अभिनेता शाहरुख खान को कथित तौर पर धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। बीएनएस की धारा 308(4), 351(3)(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। शाहरुख हमेशा से ही अंडरवर्ल्ड की हिट लिस्ट में रहे हैं।

वही संविधान जिसे प्रधानमंत्री बदलना चाहते हैं: जयराम रमेश

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 7 नवंबर। कांग्रेस ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेंद्र फडणवीस की उस टिप्पणी पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने पार्टी नेता राहुल गांधी द्वारा दिखाई गई संविधान की लाल कवर वाली प्रति पर सवाल उठाया था। विपक्षी पार्टी ने आरोप लगाया कि फडणवीस उसी संविधान पर आपत्ति जता रहे हैं, जिसकी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने 1949 में यह कहकर आलोचना की थी कि यह मनुस्मति से प्रेरित नहीं है। फडणवीस ने बुधवार को सवाल किया था कि राहुल गांधी भारत के संविधान की लाल प्रति दिखाकर क्या संदेश देना चाहते हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता पर अराजकता करने वाले दलों का गठबंधन बनाने का भी आरोप लगाया था। राजनीति में लाल रंग को अक्सर मार्क्सवादी या साम्यवादी विचारधारा से

जोड़ा जाता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने फडणवीस पर निशाना साधते हुए कहा, देवेंद्र फडणवीस निराश हो रहे हैं। वह राहुल गांधी पर आरोप लगा रहे हैं कि वह लाल किताब दिखाकर अर्बन नक्सल से समर्थन मांग रहे हैं। रमेश ने कहा कि फडणवीस जिस किताब पर आपत्ति जता रहे हैं, दरअसअल वह भारतीय संविधान है, जिसके प्रमुख वास्तुकार डॉ. भीमराव अंबेडकर थे। यह वही भारतीय संविधान है, जिस पर आरएसएस ने 1949 में यह कहते हुए हमला किया था कि यह मनुस्मृति से प्रेरित नहीं है। यह वही भारतीय संविधान है जिसे गैर-जैविक प्रधानमंत्री बदलना चाहते हैं। रमेश ने कहा, जहां तक लाल किताब का सवाल है, फडणवीस को पता होना चाहिए कि इस लाल कवर वाली किताब में एक प्रस्तावना भी है, जिसे के. के. वेणुगोपाल ने लिखा है, जो 2017-2022 तक भारत के अटॉर्नी जनरल रह चुके हैं। कांग्रेस नेता ने फडणवीस को यह भी याद दिलाया कि यह वहीं संविधान की प्रति है जिसे गैर जैविक पीएम और स्वघोषित चाणक्य भी प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा, जहां तक अर्बन नक्सल का सवाल है, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 9 फरवरी 2022 और 11 मार्च 2020 को संसद को बताया था कि सरकार इस शब्द का उपयोग नहीं करती है।फडणवीस को पहले सोचना चाहिए और फिर बोलना चाहिए। कांग्रेस नेता ने मोदी और शाह की तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें वे वही संविधान की प्रति हासिल कर रहे हैं, जो राहुल गांधी के पास थी। राहुल गांधी ने बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस- राकांपा (शरदचंद्र पवार)-शिवसेना (यूबीटी) गठबंधन के लिए प्रचार किया। राज्य में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। राहुल गांधी नागपुर में संविधान सम्मान सम्मेलन में एक लाल कवर वाली संविधान की प्रति लेकर गए थे।

कर्नाटक के सिद्धारमैया को फिर तलब कर सकती है लोकायुक्त पुलिस

बंगलूरू, 7 नवंबर। कर्नाटक में मुडा जमीन आवंटन केस में जांच का सामना कर रहे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के कानूनी सलाहकार ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो लोकायुक्त पुलिस सीएम को फिर से तलब कर सकती है। सीएम कानूनी सलाहकार एएस पोन्नन्ना ने कहा कि सीएम जांच में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पूछे गए सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं। अगर जांच अधिकारी को जांच के दौरान कोई जानकारी मिलती है और वे सीएम के बयान दर्ज करना चाहते हैं, तो उनको बुला सकते हैं। उन्होंने कहा कि सीआरपीसी की धारा 41 ए के तहत जांच अधिकारी ने सीएम को नोटिस दिया है। अगर दोबारा जरूरत पड़ी तो वह सीएम को बुलाएंगे। यह सामान्य प्रक्रिया है। जांच के दौरान जांच अधिकारी आरोपी और गवाहों को जितनी बार चाहें बुला सकते हैं। लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को मुडा जमीन आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से पूछताछ की थी। सिद्धारमैया एक समन के जवाब में लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हुए और लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक (एसपी) टीजे उदेश के नेतृत्व वाली टीम के सवालों के जवाब दिए। इसके बाद सीएम ने कहा था कि मैंने लोकायुक्त द्वारा पूछे गए सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं। लोकायुक्त पुलिस की प्राथमिकी में आरोपी संख्या एक के रूप में नामित मुख्यमंत्री पर एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी पार्वती बीएम को 14 जगहों का आवंटन किए जाने में अनियमितताओं का आरोप है। 25 अक्तूबर को उनकी पत्नी से पूछताछ की गई थी, जिन्हें आरोपी संख्या दो बनाया गया है।

कनाडा, बांग्लादेशी हिंदू, चाबहार और अफगानिस्तान से जुड़े अहम सवालों पर दिए जवाब

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 7 नवंबर। एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री मुल्ला मोहम्मद याकूब से मुलाकात की और उनके देश में व्यापार के लिए ईरान में चाबहार बंदरगाह के इस्तेमाल का प्रस्ताव दिया, और काबुल को मानवीय सहायता प्रदान करने पर भी चर्चा की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान-अफगानिस्तान-ईरान प्रभाग के संयुक्त सचिव जे पी सिंह ने किया। नई दिल्ली में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि मोहम्मद याकूब के अलावा, प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के प्रमुखों से भी मुलाकात की। रणधीर जायसवाल ने एक सवाल के जवाब में कहा, उन्होंने भारत की मानवीय सहायता पर चर्चा की, साथ ही इस बात पर भी चर्चा की कि अफगानिस्तान में व्यापार समुदाय की तरफ से चाबहार बंदरगाह का उपयोग लेनदेन और आयात-निर्यात और अन्य किसी भी चीज के लिए कैसे किया जा सकता है, जो वे करना चाहेंगे। भारत 2021 से अफगानिस्तान पर शासन कर रहे तालिबान शासन को मान्यता नहीं देता है। भारत समय-समय पर अफगान लोगों को

गेहूं, दवाइयां और चिकित्सा आपूर्ति सहित मानवीय सहायता प्रदान करता रहा है। रणधीर जायसवाल ने कहा, मैं यहां यह भी याद दिलाना चाहता हूं कि अफगानिस्तान को मानवीय सहायता प्रदान करना हमारे सहायता कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और अब तक पिछले कुछ महीनों और कुछ वर्षों में हमने मानवीय सहायता के कई शिपमेंट भेजे हैं। अफगानिस्तान के लोगों के साथ हमारे लंबे समय से संबंध हैं और ये संबंध देश के प्रति हमारे दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करते रहेंगे। इस साल की शुरुआत में, भारत ने ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह को विकसित करने और संचालित करने के लिए 10 साल का अनुबंध किया था, जिसे उसकी सहायता से बनाया गया था। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट के बाद बांग्लादेश के चटगांव में तनाव की खबरों के बीच, भारत ने गुरुवार को ढाका से चरमपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने और देश के हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। दिल्ली में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने चटगांव में हिंदू समुदाय के सदस्यों पर कथित हमले की निंदा की।उन्होंने कहा कि तनाव सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट का नतीजा था। उन्होंने आगे कहा, भारत बांग्लादेश सरकार से ऐसे चरमपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने और बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील करता है।

महाराष्ट्र में आपसी तालमेल की कमी से जूझ रही महायुति

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 7 नवंबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदान में केवल 15 दिन का समय ही शेष बचा है, लेकिन इस अंतिम समय में महायुति गठबंधन में आपसी तालमेल की कमी से गठबंधन के नेता परेशान हैं। अजित पवार कैंप से इस तरह की खबरें सामने आ रही हैं कि चुनाव बाद चाचा-भतीजे के बीच की दूरी कम हो सकती है, वहीं, एकनाथ शिंदे ने भी भाजपा टीम से पूरा सहयोग न मिलने की बात कही है। महाराष्ट्र में किसी भी कीमत पर सरकार में वापसी का लक्ष्य लेकर उतरी भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इस मामले में दखल देकर मामला सुलटाने का प्रयास कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, महायुति गठबंधन में दरार उसी समय से आनी शुरू हो गई थी जब से भाजपा की ओर से यह संकेत दे दिए गए थे कि चुनाव बाद मुख्यमंत्री उसके दल से हो सकता है। इसके लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की ओर से एकनाथ शिंदे और अजित पवार को भी संकेत दे दिया गया है। इसके बाद से ही सहयोगी दलों के बीच खींचतान शुरू हो गई थी। भाजपा के विरोध के बाद भी नवाब मलिक को चुनाव मैदान में उतारना भी भाजपाई खेमे में चिंता का विषय बना हुआ है। इसे अजित पवार की ओर से भाजपा को दिए गए

एक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। यानी यदि चुनाव के बाद समीकरण अजित पवार के अनुसार नहीं हुए तो उनके दरवाजे सभी विकल्पों के लिए खुले रह सकते हैं। स्वयं नवाब मलिक ने इसी तरह की बात कहकर इस पर मुहर लगा दी है। उन्होंने तो यहां तक कह दिया है कि चुनाव के बाद चाचा-भतीजे के बीच दूरी कम हो सकती है। चर्चा है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भाजपा शीर्ष नेतृत्व से इस बात की शिकायत की है कि चुनाव में उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को प्रचार में भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। इससे चुनाव के समीकरण प्रभावित हो सकते हैं। यदि इसके कारण आपसी तालमेल गड़बड़ाई तो शिवसेना के कार्यकर्ता भी भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार के दौरान सहयोग देने में कमी कर सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो महायुति का समीकरण गड़बड़ हो सकता है। यही कारण है कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इस खाई को पाटने में जुट गया है। कथित तौर पर पार्टी के एक केंद्रीय नेता और महाराष्ट्र के एक शीर्ष भाजपा नेता को इस आपसी तालमेल को ठीक करने के लिए कहा गया है। वे सहयोगी दलों के शीर्ष नेताओं से मिलकर बातचीत कर सकते हैं। पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को भी संदेश देकर सभी सहयोगी दलों के नेताओं-प्रत्याशियों को बेहतर सहयोग करने के लिए कह सकती है। महाराष्ट्र भाजपा के एक नेता ने अमर उजाला को बताया कि 2019 के विधानसभा चुनाव का अनुभव यही बताता है कि यदि महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनानी है तो इसके लिए आवश्यक था कि भाजपा अधिक से अधिक सीटों पर लड़े और जीत हासिल करे। पिछले चुनाव में जब उद्धव ठाकरे के साथ पार्टी ने चुनाव लड़ा था, तब भी भाजपा की जीत का स्ट्राइक रेट बेहतर था। सहयोगी दलों को भी इस समीकरण से अवगत कराया गया और यही कारण है कि काफी खींचतान के बाद भी भाजपा को 148 सीटों पर चुनाव लड़ने की सहमति मिल गई। नेता के अनुसार, सभी दल यह समझते हैं कि सरकार बनाने के लिए आपसी तालमेल आवश्यक है, लेकिन कई बार बड़ा परिवार होने पर थोड़ी बहुत खींचतान आपस में देखने को मिल जाती है, लेकिन इसे मनभेद के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। नेता के अनुसार, पार्टी अभी भी महाराष्ट्र सरकार की योजनाओं और केंद्र सरकार की लाभार्थी योजना के दम पर जीत हासिल करने में सफल रहेगी। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने चुनाव में प्रचार करना शुरू कर दिया है। भाजपा नेताओं के साथ-साथ महायुति के नेताओं को भी उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ जैसे स्टार प्रचारकों के प्रचार के बाद महाराष्ट्र की चुनावी स्थिति बदलेगी और पार्टी एक बार फिर जीत हासिल करने में कामयाब रहेगी।

पराजय के बाद कमला हैरिस ने समर्थकों से कहा-जनादेश का सम्मान करना चाहिए

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ऐतिहासिक वापसी के बाद प्रमुख और निकटतम प्रतिद्वंद्वी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अपने समर्थकों के बीच बेहद भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा कि हम सबको जनादेश का सम्मान करना चाहिए। पराजय के बाद वॉशिंगटन डीसी स्थित हावर्ड यूनिवर्सिटी में अपने पहले भाषण में हैरिस ने समर्थकों से डोनाल्ड ट्रंप की जीत को स्वीकार करने का आग्रह किया। इस दौरान वो थोड़ा भावुक हुईं। उन्होंने कहा कि अपने आदर्शों के लिए कभी हार मत मानो। इस दौरान हैरिस ने कहा कि यकीनन चुनाव का परिणाम वह नहीं, जिसकी उम्मीद थी। अब सत्ता का हस्तांतरण खुशी के साथ शांतिपूर्ण होना चाहिए। हैरिस ने समर्थकों से कहा कि इस हार से किसी को भी निराश होने की जरूरत नहीं। कमला हैरिस अपने कैंपेन सॉन्ग के साथ मंच पर पहुंचीं। फिर अपने रनिंग मेट मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज, कैंपेन स्टाफ, समर्थकों, पोल वर्कर्स और चुनाव अधिकारियों का आभार जताया। उनके भाषण के दौरान कई समर्थक आंसू पोंछते नजर आए। हैरिस ने कहा कि उन्हें मालूम है कि आपमें से कई लोग अभी भी भावनाओं में बह रहे हैं। वह स्वाभाविक है, लेकिन हम सभी को चुनाव नतीजों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेशक वह चुनाव हार गई हैं। बावजूद इसके वह चुनाव अभियान के दौरान उठाए गए अपने मुद्दों के लिए लड़ाई जारी रखेंगी।

इजराइल में रक्षामंत्री गैलेंट की बर्खास्तगी पर नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के रक्षामंत्री योव गैलेंट को बर्खास्त करने के फैसले से लोगों में भारी नाराजगी है। नागरिक सड़कों पर उतर आए और रातभर प्रदर्शन किया। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, नेतन्याहू ने आश्चर्यजनक रूप से रक्षामंत्री योव गैलेंट को बर्खास्त करने की घोषणा की। नेतन्याहू ने गैलेंट के स्थान पर विदेशमंत्री काट्ज को नियुक्त किया है। उन्होंने शीर्ष स्तर पर यह फेरबदल ऐसे समय पर की जब इजराइल की सेना गाजा में हमास और लेबनान में हिज्बुल्लाह खिलाफ लड़ रही है। बताया गया है कि गैलेंट गाजा में संघर्ष विराम समझौते पर जोर दे रहे थे, जिससे बंधकों की रिहाई सुनिश्चित हो सके। गैलेंट की बर्खास्तगी ने इजराइल में असंतोष को जन्म दे दिया है। प्रदर्शनकारियों ने तेल अवीव राजमार्ग पर यातायात अवरुद्ध कर दिया।

प्रधानमंत्री ओली अस्वस्थ, सभी सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली पिछले दो दिनों से अस्वस्थ्य हैं जिस कारण उनके सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है। चिकित्सकों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। प्रधानमंत्री के निजी सचिव राजेश बज्राचार्य ने बताया कि प्रधानमंत्री ओली सोमवार शाम से बीमार हैं जिसके कारण उनके सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों को रद्द किया गया है। तेज बुखार आने के बाद से वे निजी चिकित्सक की निगरानी में प्रधानमंत्री निवास में आराम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ओली की निजी चिकित्सक डॉ दिव्या सिंह शाह ने बताया कि इंफेक्शन के कारण उन्हें बुखार आया है। ओली किडनी रिप्लेसमेंट पर चल रहे हैं।प्रधानमंत्री ओली के निजी सचिव बज्राचार्य के मुताबिक एक हफ्ते तक के लिए प्रधानमंत्री के सभी निजी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है। प्रधानमंत्री निवास में सिर्फ अत्यावश्यक मुलाकात ही किया जा रहा है। ओली की बीमारी की वजह से पिछले सोमवार को होने वाले साप्ताहिक कैबिनेट मीटिंग को भी स्थगित कर दिया गया था। प्रधानमंत्री पिछले तीन दिनों से अपने सिंह दरबार स्थित दफ्तर भी नहीं जा रहे हैं।

'एक सितारे का जन्म' : ट्रंप ने बांधे मस्क की तारीफों के पुल

वाशिंगटन । रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप, ने एलन मस्क की तारीफ करते हुए कहा कि अमेरिका को उनके रूप में एक 'नया सितारा' मिला है। उन्होंने इस दौरान अरबपति बिजनेसमैन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच कन्वेंशन सेंटर में समर्थकों के बीच अपनी विक्ट्री स्पीच में उन्होंने एक्स के मालिक को 'सुपर जीनियस' कहा। बता दें ट्रंप ने जीत की आधिकारिक घोषणा से पहले ही अपनी विक्ट्री स्पीच दी। ट्रंप ने कहा कि मस्क की स्टारलिंक सैटेलाइट सर्विस ने पिछले महीने दक्षिण-पूर्वी अमेरिका में आए तूफान हेलेन के दौरान 'बहुत से लोगों की जान' बचाने में मदद की। ट्रंप ने अपने समर्थकों से कहा, 'मैंने एलन से कहा कि उन्हें उत्तरी कैरोलिना में इसकी बहुत, बहुत सख्त जरूरत है, क्या आप इसे उपलब्ध करा सकते हैं? उन्होंने इसे वहां इतनी तेजी से उपलब्ध कराया; जो अविश्वसनीय था। इसने बहुत से लोगों की जान बचाई।' मस्क को 'विशेष व्यक्ति' कहते हुए ट्रंप ने कहाः 'हमें अपने प्रतिभाशाली लोगों की रक्षा करनी होगी, हमारे पास वे बहुत से नहीं हैं।'

भारत ने कनाडा में आयोजित होने वाले वाणिज्य दूतावास शिविरों को किया रद्द

सुरक्षा न मिलने की वजह से लिया फैसला

एजेंसी

टोरंटो । टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने भारतीय पेंशनभोगियों को जीवन प्रमाण पत्र जारी करने के लिए आयोजित होने वाले कई वाणिज्य दूतावास शिविरों को रद्द कर दिया है। खालिस्तानी चरमपंथियों की तरफ से हाल में की गई हिंसा के बीच सुरक्षा एजेंसियों द्वारा न्यूनतम सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थता जताने के बाद यह फैसला लिया गया। महावाणिज्य दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया, सुरक्षा एजेंसियों ने सामुदायिक शिविर आयोजकों को न्यूनतम सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थता व्यक्त की जिसके मद्देनजर, वाणिज्य दूतावास ने कुछ निर्धारित शिविरों को रद्द करने का निर्णय लिया है। कनाडा के ब्रैम्पटन में रविवार को एक हिन्दू मंदिर में लोगों पर भारत विरोधी तत्वों ने हमला किया। यह हमला तब हुआ, जब कनाडा स्थित भारतीय उच्चायोग के अधिकारी मंदिर में गए थे।

भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारी हिंदू सभा मंदिर में लगाए गए वाणिज्य दूतावास कैंप में शामिल हुए थे।भारत ने हिंसक झड़पों को लेकर कनाडा में अपने नागरिकों की सुरक्षा के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने हिंदू सभा मंदिर में हुई हिंसा की निंदा की, और कनाडा सरकार से पूजा स्थलों को हमलों से बचाने और जिम्मेदार लोगों पर मुकदमा चलाने की अपील की।

भारत ने कहा कि वह ब्रैंपटन में एक हिंदू मंदिर में गई हिंसा के बाद कनाडा में अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर %गहरी चिंता% में है। हालांकि विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारतीयों और कनाडाई नागरिकों को सेवाएं प्रदान करने के लिए वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों तक लोगों की पहुंच को नहीं रोका जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा, हम कल ब्रैम्पटन, ओंटारियो में हिंदू सभा मंदिर में चरमपंथियों और अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा की निंदा करते हैं।÷ उन्होंने जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व वाली कनाडाई सरकार से अपील की कि सभी पूजा स्थलों की ऐसे हमलों से सुरक्षा की जानी चाहिए।

इससे पहले ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने ब्रैम्पटन में वाणिज्य दूतावास शिविर के बाहर भारत विरोधी तत्वों द्वारा की गई हिंसक गतिविधियों की निंदा की। बयान में कहा गया, यह देखना बेहद निराशाजनक है कि हमारे वाणिज्य दूतावासों की तरफ से स्थानीय सह-आयोजकों के पूर्ण सहयोग से आयोजित किए जा रहे नियमित वाणिज्य दूतावास कार्य में इस तरह की गड़बड़ी की अनुमति दी जा रही है। बयान के मुताबिक, ÷हम भारतीय नागरिकों सहित आवेदकों की सुरक्षा के लिए भी बहुत चिंतित हैं, जिनकी मांग पर इस तरह के आयोजन आयोजित किए जाते हैं।

इजरायली सेना का दावा, वेस्ट बैंक पर मारा गया एक फिलिस्तीनी

एजेंसी

यरूशलम । इजरायली सेना ने दावा किया है कि कथित तौर पर कार से टक्कर मारने और चाकू से हमला करने का प्रयास करने वाले फिलिस्तीनी शख्स को वेस्ट बैंक (इजरायली कब्जे वाले) में गोली मार दी गई। जिससे उसकी मौत हो गई। समाचार एजेंसी के अनुसार सेना ने बताया कि संदिग्ध ने रामल्लाह शहर के उत्तर में शिलोह जंक्शन पर नागरिकों पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। बयान में कहा गया, 'इसके बाद वह वाहन से बाहर निकला और चाकू से हमला करने का प्रयास करने लगा।' इस दौरान एक हथियारबंद नागरिक राहगीर ने संदिग्ध को गोली मार दी, जिसके बाद सेना ने घटनास्थल पर उसकी मौत की पुष्टि की। सेना ने कहा, सैनिक पूरे क्षेत्र में तैनात हैं। इजरायल की मैगन डेविड एडोम आपातकालीन सेवा ने बताया कि 26 वर्षीय महिला और 15 वर्षीय लड़के को हल्की चोटें आईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। क्षेत्र में बढ़ती हिंसा के बीच यह हमला हुआ, जिसमें गाजा पट्टी में चल रहा इजरायली सैन्य अभियान, पश्चिमी तट पर तेज छापे और लेबनान में इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच झड़पें शामिल हैं।

पति डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर मेलानिया ने कहा, 'अमेरिकियों ने हमें सौंपी अहम जिम्मेदारी'

एजेंसी

वाशिंगटन । अपने पति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद मेलानिया ट्रंप ने गुरुवार को देश के भविष्य को लेकर आशा व्यक्त की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने पोस्ट किया कि अमेरिकियों ने उन्हें (उन्हें और उनके पति को) एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

मेलानिया ट्रंप ने पोस्ट में लिखा, ÷अधिकांश अमेरिकियों ने हमें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। हम अपने गणतंत्र के दिल 'स्वतंत्रता' की रक्षा करेंगे। एकता के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'मैं उम्मीद करती हूं कि हमारे देश के नागरिक एक-दूसरे के प्रति प्रतिबद्धता के साथ फिर से जुड़ेंगे और व्यक्तिगत स्वतंत्रता, आर्थिक समृद्धि, सुरक्षा के लिए विचारधारा से ऊपर उठेंगे। बता दें डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपित चुनाव को जीत कर इतिहास रच दिया। वह पराजित होने के बाद चुने जाने वाले अमेरिकी इतिहास के दूसरे राष्ट्रपति बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सिर्फ ग्रोवर क्लीवलैंड के नाम था जो 1892 में दूसरी बार चुनाव जीते थे। 78 साल की उम्र में, वह व्हाइट हाउस में कदम रखने वाले सबसे

उम्रदराज राष्ट्रपति होंगे। डोनाल्ड ट्रंप की यह दूसरी जीत इस लिहाज से भी खास है कि इस बार रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट में बहुमत हासिल कर लिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को आधिकारिक घोषणा से पहले ही फ्लोरिडा में समर्थकों को संबोधित करते हुए अपनी जीत का एलान किया। उन्होंने जीत को अमेरिका का %स्वर्ण युग% बताया। रिपब्लिकन नेता ने कहा, ÷यह अमेरिकी लोगों के लिए एक शानदार जीत है, जो हमें अमेरिका को फिर से महान बनाने का अवसर देगी। चुनाव के तमाम सर्वेक्षणों में हैरिस और ट्रंप के बीच कांटे की मुकाबले की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन मतगणना शुरू होने के बाद ट्रंप को शायद ही कोई परेशानी का समाना करना पड़ा। उन्होंने शुरुआत से ही हैरिस पर बढ़त बना ली, जो लगातार कायम रही। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) गुरुवार सुबह 11.45 तक (भारतीय समयानुसार) डोनाल्ड ट्रंप 295 इलेक्टोरल वोट जीत चुके थे जो कि बहुमत (270) से कहीं ज्यादा है। वहीं डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस सिर्फ 226 सीट ही जीत सकी।

जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव जीतने पर दी बधाई

एजेंसी

न्यूयॉर्क । राष्ट्रपति जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव जीतने पर बधाई दी है। साथ ही आश्वासन दिया कि सत्ता का हस्तांतरण सहज ढंग से होगा। व्हाइट हाउस ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक सुचारू परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और देश को एक साथ लाने के लिए काम करने के महत्व पर जोर दिया। ट्रंप के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने इस कॉल को स्वीकार किया और कहा, राष्ट्रपति ट्रंप इस बैठक की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो शीघ्र ही होगी, और उन्होंने इस कॉल की बहुत सराहना की। बता दें कि 2020 में जो बाइडन के निर्वाचित होने पर ट्रंप शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल नहीं हुए थे। ट्रंप ने अपने अभियान के दौरान जो बाइडन पर क्रूर हमला किया था, उन्हें स्लीपी जो उपनाम दिया था और उन्हें कमजोर आदमी कहा था। बाइडन ने भी उन्हें नहीं बख्शा था और दोषी अपराधी असफल और मूर्ख कहा था। लेकिन डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं द्वारा राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर किए जाने के बाद ट्रंप ने बाइडन के प्रति सहानुभूति भी दिखाई। निक्की हेली जो उनके मंत्रिमंडल में रह चुकी हैं ने एक्स पोस्ट में कहा, पूरे अभियान के दौरान

उन्होंने अमेरिकी लोगों को यह बता दिया कि वे कहां खड़े हैं और लोगों ने उन्हें दूसरी बार मौका दिया है। उन्होंने कहा, ÷अब समय आ गया है कि अमेरिकी लोग एकजुट हों और अपने देश के लिए प्रार्थना करें और शांतिपूर्ण परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू करें। कई नेताओं ने ट्रंप को बधाई दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बधाई संदेश भी शेयर किया गया है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने ट्रंप को बधाई देते हुए लिखा, ÷हम आपके और आपके प्रशासन के साथ मिलकर इनोवेशन को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका और दुनिया प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगी और नए अवसर पैदा होंगे। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने कहा, हम अमेरिकी इनोवेशन के स्वर्णिम युग में हैं और सभी को लाभ पहुंचाने के लिए उनके प्रशासन के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने पोस्ट किया, हम आपके और आपके प्रशासन के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए तत्पर हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका सरलता, इनोवेशन और रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ता रहे।

ओली की प्रस्तावित चीन यात्रा का विरोध ठंडा करने के लिए दो लोगों की समिति बनी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की दिसंबर में प्रस्तावित चीन यात्रा का सत्तारूढ़ घटक दल ने विरोध किया है। इसके मद्देनजर एजेंडा तय करने के लिए दो लोगों की समिति बनाई गई है। ओली की चीन यात्रा के दौरान बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव समझौते पर दस्तखत होने हैं। प्रधानमंत्री निवास पर आज हुई नेपाली कांग्रेस और नेकपा एमाले के शीर्ष नेताओं की बैठक में इस मसले पर बात हुई। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि ओली के चीन दौरे

का एजेंडा तय करने के लिए दोनों दलों के दो नेताओं की समिति बनाकर फैसला उस पर छोड़ दिया जाए। बैठक में प्रमुख रूप से ओली और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा मौजूद रहे। समिति में शामिल विदेशमंत्री आरजू देउवा चीन भ्रमण की संपूर्ण तैयारी का जायजा खुद लेंगी। वह बातचीत का एजेंडा तय करेंगी। समझौते पर दस्तखत किए जाएं या नहीं, इस पर भी समिति को फैसला लेना है। चीन के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर दो से पांच दिसंबर तक ओली की बीजिंग यात्रा हो रही है। वहां उनकी चीन के राष्ट्रपति से भी मुलाकात होनी है। चीन लगातार बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर के लिए नेपाल पर दबाव बना रहा है। नेपाल महंगी ब्याज दर पर ऋण लेने से इनकार कर रहा है। नेपाल ने पोखरा में बनाए गए अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल के निर्माण के लिए लिए गए 26 बिलियन डॉलर के ऋण को माफ करने का प्रस्ताव भी रखा है। चीन ब्याज दर में कुछ कटौती करने के संकेत दे रहा है, लेकिन वह ऋण माफ करने के पक्ष में नहीं है।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में फैल रही जंगल की आग , हजारों पलायन को मजबूर

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य का दक्षिणी हिस्सा इन दिनों भीषण जंगल की आग की चपेट में है और भयंकर हवाओं के कारण खतरनाक रूप से अनियंत्रित होकर तेजी से फैल रही जंगल की आग के कारण हजारों निवासी पलायन को मजबूर हो गये हैं। यहां पहाड़ के जंगलों में आग लॉस एंजिल्स से 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में वेंचुरा काउंटी के मूरपार्क में बुधवार सुबह लगी और दोपहर तक 10,400 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैल गई।

ट्रंप और भारत – पीएम मोदी के दोस्त का दूसरी पारी में महान साझेदारी का वादा

एजेंसी

न्यूयॉर्क। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीत कर इतिहास रच दिया। उनकी जीत को भारत में काफी उम्मीदों के साथ देखा जा रहा है। ट्रंप पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि अपने प्रथम कार्यकाल में भारत के साथ बने घनिष्ठ संबंधों वह जारी रखेंगे। उन्होंने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 'महान साझेदारी' को मजबूत करने का वादा किया है।

पिछले सप्ताह दिवाली की शुभकामनाओं में ट्रम्प ने कहा था, मेरे प्रशासन के तहत, हम भारत और मेरे अच्छे मित्र प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी महान साझेदारी को मजबूत करेंगे। हालांकि ट्रंप का भारत से परिचय चुनाव मैदान में उतरने से पहले 2015 में ही हो गया था। भारत में उनकी रुचि थी। वह पुणे और मुंबई में परियोजनाओं में शामिल थे। इससे उन्हें भारत के बारे में यथार्थवादी जानकारी मिली, जो अन्य अमेरिकी राजनेताओं को सरकारी,

राजनयिक और कार्यकर्ता स्रोतों से मिलने वाली जानकारी से अलग थी। भारत की व्यावसायिक यात्रा के दौरान उन्होंने कहा, ÷पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के बारे में धारणा बदल गई है। उम्मीदें वापस आ रही हैं। उन्होंने पीएम मोदी को एकता लाने वाला, लोगों को एक साथ लाने वाला कहा। राष्ट्रपति के रूप में, ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक रिश्ता बनाया। उन्होंने बार-बार पीएम मोदी को अपना दोस्त बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोपहर को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में जीत के लिए डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी और उन्हें दोस्त कहकर पुकारा। पीएम मोदी ने कहा, मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप को ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। आपके पिछले कार्यकाल की सफलताओं की तरह ही, मैं भारत-अमेरिका की व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने के लिए हमारे सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं. आइए मिलकर अपने लोगों के कल्याण, वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए काम करें। ट्रंप ने भारत के महत्व को बहुत जल्द समझ लिया। जनवरी 2017 में 45वें अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के छह महीने के भीतर व्हाइट हाउस में उन्होंने पीएम मोदी की मेजबानी की थी। 2020 के चुनाव से पहले, दोनों नेताओं ने ह्यूस्टन रैली, हाउडी मोदी प्रोगाम और अहमदाबाद क्रिकेट स्टेडियम में नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम में अपनी दोस्ती का परिचय दिया।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने ट्रंप को दी बधाई, कहा रचनात्मक तरीके से करेंगे काम

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने विश्व संगठन के मुखर आलोचक डोनाल्ड ट्रंप को फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित किए जाने पर बधाई दी है। साथ ही कहा है कि संयुक्त राष्ट्र उनके प्रशासन के साथ रचनात्मक रूप से काम करने के लिए तैयार है।उन्होंने अपने संदेश में कहा, मैं अपने पूरे भरोसे के साथ कहता हूं कि संयुक्त राज्य अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के बीच सहयोग अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का एक आवश्यक स्तंभ है। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र आगामी अमेरिकी प्रशासन संग रचनात्मक रूप से काम करने के लिए तैयार है ताकि हम दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों का मिलकर समाधान निकाल सकें। उन्होंने आगे कहा, मैं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के लोगों की सराहना करता

हूं। बहुपक्षवाद और जलवायु परिवर्तन दोनों को लेकर ट्रंप की सोच यूएन से मेल नहीं खाती। यही कारण है कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और यूनेस्को के तत्वावधान में हुए पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया। गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने महासचिव और ट्रंप के बीच मतभेदों की बातों को दरकिनार करते हुए कहा कि उनके बीच बहुत अच्छे संबंध हैं।दुजारिक ने कहा, यह तथ्य कि कई मुद्दों पर उनकी राय अलग-अलग थी, स्पष्ट है। मुझे लगता है कि महासचिव ने अपनी राय व्यक्त कर दी है। अमेरिकी प्रशासन (ट्रंप के नेतृत्व में) की अपनी नीतियां थीं। इसने महासचिव को संयुक्त राज्य सरकार के साथ बातचीत करने से नहीं रोका,

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हिजबुल्लाह ने इजरायल पर 120 रॉकेट दागे, जिससे कई लोग घायल हुए : सूत्र

एजेंसी

यरुशलम। इजरायली सूत्रों के अनुसार, हिजबुल्लाह ने उत्तरी और मध्य इजरायल में लगभग 120 रॉकेट दागे, जिससे कई लोग घायल हुए और नुकसान हुआ। इजरायली सेना ने कहा कि लेबनान से 15 मिनट के भीतर लगभग 50 रॉकेट दागे गए, जिन्होंने उत्तरी इजरायल के ऊपरी गलील में कई स्थानों पर हमला किया, उनमें से कुछ को रोक दिया गया। इस बीच, इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी समाचार ने बताया कि इनमें से कुछ रॉकेट अवीविम में गिरे, जो ऊपरी गलील में एक सैन्य चौकी से सटा हुआ समुदाय है, जिसे हिजबुल्लाह ने बार-बार निशाना बनाया है। कान टीवी ने कहा कि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जबकि स्थानीय अधिकारियों ने पुष्टि की कि लगभग 10 घर प्रभावित हुए और कई जगहों पर आग लग गई। एक अलग हमले में, लेबनान से मध्य इजरायल की ओर एक प्रक्षेपास्त्र दागा गया, जिससे गुश दान क्षेत्र में सायरन बजने लगे, जहां बेन गुरियन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और तेल अवीव के उपनगर राआनाना के पास एक खाली पार्किंग स्थल पर हुआ था। सेना ने कहा कि बाद में दो विस्फोटक ड्रोन ने लेबनान से इज़राइल में प्रवेश करने का प्रयास किया, लेकिन इज़राइली हवाई क्षेत्र से एक प्रक्षेप्य को रोक दिया गया। यह मध्य इज़राइल पर हिज़्बुल्लाह का दूसरा हमला था, इससे पहले सुबह रॉकेट हमला हुआ था, जो बेन गुरियन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के मद्देनजर, इज़राइली सेना की उत्तरी कमान ने स्थिति आकलन के आधार पर ऊपरी गैलिली के छह समुदायों के निवासियों के लिए प्रतिबंधों को अपडेट किया। निवासियों को आंदोलन को सीमित करने, भीड़भाड़ से बचने, समुदायों के द्वार सुरक्षित करने और संरक्षित क्षेत्रों के पास रहने की आवश्यकता थी। उत्तरी कमान ने का उल्लंघन करने से पहले ही उन्हें रोक दिया गया। हाल के हमलों के अलर्ट का पालन करें। आधिकारिक इज़राइली आंकड़ों के अनुसार, बुधवार सुबह से लेबनान से इज़राइल की ओर कम से कम 120 रॉकेट दागे गए हैं। ये हमले इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच चल रहे सीमा पार संघर्ष के बीच हुए हैं, जो एक साल पहले शुरू हुआ था और सितंबर के अंत से तेजी से बढ़ गया है कहा, कृपया इस क्षण से अगली सूचना तक होम फ्रंट कमांड के

जेडी वेंस होंगे अमेरिका के अगले उपराष्ट्रपति

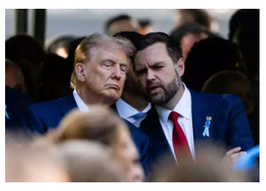

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में शानदार प्रदर्शन करने वाले रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक जेडी वेंस को अमेरिका का अगला उपराष्ट्रपति चुना गया। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, वेंस कभी ट्रंप के मुखर आलोचक रहे हैं। 40 वर्षीय जेडी वेंस ओहियो से सीनेटर हैं। वह अमेरिका के 50वें उपराष्ट्रपति होंगे। उनकी किताब हिलबिली एलीगी बेस्ट सेलर रही है। वेंस के सिलिकॉन वैली के उद्योगपतियों से भी गहरे संबंध हैं। उनमें आइकोनोक्लास्टिक तकनीक के अग्रणी और अरबपति निवेशक पीटर थिएल भी हैं।

विस चुनाव की तैयारियों को लेकर 11 नवंबर से आआपा का 'जिला पदाधिकारी सम्मेलन'

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) अपने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारियों में सक्रिय करने के लिए 11 नवंबर से 'जिला पदाधिकारी सम्मेलन' कार्यक्रम शुरू करेगी। सम्मेलन को आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल संबोधित करेंगे। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रेस कान्फ्रेंस कर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी लगातार सक्रिय है। दिल्ली सरकार के विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाया जा रहा है। इसी सिलसिले में पिछले दिनों सभी विधानसभा क्षेत्रों में 'आपका विधायक, आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत विकास कार्यों का लेखा-जोखा जनता के सामने रखा गया। उन्होंने बताया कि पार्टी बूथस्तर के लगभग एक लाख पदाधिकारियों को शपथ दिलाएगी जो 20 नवंबर के बाद विधानसभा चुनाव तैयारियों की जिम्मेदारी संभालेंगे।

विधायक विजेन्द्र गुप्ता ने किया चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय के निर्माणाधीन आईसीयू ब्लॉक का निरीक्षण

नई दिल्ली। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता विजेंद्र गुप्ता ने आज दिल्ली के गीता कॉलोनी स्थित चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय के निर्माणाधीन आईसीयू ब्लॉक का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी(आआपा) के तथाकथित 'हेल्थ मॉडल' की समीक्षा की । चिकित्सालय के निर्माणाधीन आईसीयू ब्लॉक का निरीक्षण करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि इस आईसीयू ब्लॉक का निर्माण सितंबर 2021 में शुरू होकर छह महीने में पूरा किया जाना था, परंतु आज तक इसका 50त्न भी निर्माण पूरा नहीं हुआ है। जुलाई 2023 से इस अस्पताल का कार्य ठप पड़ा है । उन्होंने बताया कि इस देरी की वजह से निर्माण लागत दो गुना हो गई है और बजट में धनराशि का प्रावधान नहीं किया गया है । गुप्ता ने कहा कि यह अस्पताल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। यह आम आदमी पार्टी(आआपा) सरकार की स्वास्थ्य सेवा के प्रति लापरवाही और जनता के प्रति गैर-जिम्मेदार रवैये को दर्शाता है। दिल्ली की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के वादे केवल कागजों पर ही सीमित रह गए हैं।

कालिंदी कुंज में ग्रोसरी शॉप पर गोली चलाने के मामले में तीसरा आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की दक्षिणी रेंज की टीम ने हत्या के प्रयास और शस्त्र अधिनियम के मामले में अजीत सिंह उर्फ अजीता नामक तीसरे आरोपित को गिरफ्तार किया है। यह मदनपुर खादर दिल्ली का रहने वाला है, जिसकी पुलिस को सात महीने से तलाश थी। इसके खिलाफ कालिंदी कुंज थाने में मामला दर्ज है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी संजय कुमार सेन ने बताया कि 19 अप्रैल को मालवीय नगर में एक ग्रॉसरी शॉप पर फायरिंग हुई थी, जिसमें दुकान मालिक के पैर में गोली लगी थी। उस मामले में पुलिस को अजीत सिंह की तलाश थी। क्राइम ब्रांच के एसीपी नरेश सोलंकी की देखरेख में इंस्पेक्टर विजयपाल दहिया की टीम को इस वांछित के बारे में सूचना मिली। उसी के आधार पर पुलिस टीम ने ट्रैप लगाया और उसे धर दबोचा। पुलिस पूछताछ में अजीत ने बताया कि वह धन उगाही और फायरिंग के मामले में शामिल था। उसके साथी दीपक और सोनू नशे के आदी थे और वारदात के दिन गांजा खरीदने के लिए पैसे की जरूरत थी। इसीलिए वे रुपये की मांग करने के लिए उपरोक्त ग्रॉसरी शॉप पर गए थे। जब दुकान के मालिक ने रुपये देने से मना किया तो इन्होंने गोली चला दी थी। उस मामले में दीपक और सोनू पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। अजीत सिंह की कालिंदी कुंज इलाके की पुलिस को तलाश थी।

मुर्मु विमानवाहक पोत विक्रांत पर सवार होकर देखेंगी नौसेना की ताकत

नयी दिल्ली। तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर सवार होंगी और समुद्र में नौसेना के विभिन्न 'अभियानों ' को देखेंगी। नौसेना प्रवक्ता ने बुधवार को यहां बताया कि नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी आईएनएस हंसा (गोवा में नौसेना वायु स्टेशन) पर राष्ट्रपति की अगवानी करेंगे और 150 जवानों का औपचारिक सलामी गारद पेश करेंगे। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति गोवा के तट पर स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर सवार होंगी।

एलजी ने आरएमएल अस्पताल चौराहे पर पांच हाथी परिवार की मूर्तियों का अनावरण किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने आज यहां राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल के गोल चक्कर पर पांच हाथी परिवार की मूर्तियों का अनावरण किया । नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा ये मूर्ति कलाकृति यहां स्थापित की गई है और इस चौराहे का पुनर्विकास और सौंदर्यीकरण किया गया है । इस अवसर पर नई दिल्ली की सांसद, बांसुरी स्वराज, एनडीएमसी अध्यक्ष अश्विनी कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे । पांच हाथी परिवार की मूर्तियों का अनावरण करने के बाद उपराज्यपाल ने सावधानीपूर्वक योजना के माध्यम से शहर के सौंदर्य परिदृश्य को समृद्ध करने के लिए एनडीएमसी की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी ने सोच-समझकर 20 स्थानों पर लगभग 35 मूर्तियां लगाई हैं, जिनमें उत्कृष्ट कृतियों जैसे बुद्ध, संगमरमर के शेर, पोलो घोड़ा, घोड़ा परिवार, रथ और कई अन्य कलाकृतियाँ प्रमुख स्थानों पर स्थापित हैं, जहां हर दिन पर्यटकों

सहित बड़ी संख्या में लोग आते या वहां से गुजरते हैं। पिछले ढाई वर्षों में शहर के सौंदर्य को बढ़ाने के लिए दिल्ली शहर भर में सैकड़ों मूर्तियां और कलाकृतियाँ स्थापित की गई हैं। सक्सेना ने कहा कि आरएमएल अस्पताल चौराहे पर स्थापित हाथी परिवार शहर को सुंदर बनाने के प्रयासों में एक और योगदान है। उन्होंने कहा कि इस कार्य से यहां से गुजरने वाले लोगों को न केवल देखने में सुखद अनुभव होगा बल्कि स्वच्छ एवं हरे-भरे वातावरण का भी अहसास होगा। यहां लगाए गए फव्वारे न केवल धूल के कणों और वायु प्रदूषण को कम करेंगे बल्कि आसपास के तापमान को भी कम करेंगे। उन्होंने कहा कि चौराहे पर लगे फव्वारों के साथ रंगीन रोशनी इन चौराहों और सड़क के किनारे की मूर्तियों को रात में और भी खूबसूरत बना देगी। एनडीएमसी ने राम मनोहर लोहिया अस्पताल के सामने स्थित 58 मीटर व्यास वाले आरएमएल गोल चक्कर का पुनर्विकास किया है। इस परिदृश्य योजना में इस स्थान को हरे-भरे, स्वागतयोग्य परिदृश्य और बलुआ पत्थर से बने सुनियोजित मार्गों में बदलने की कल्पना को साकार किया गया है। यहां गोल चक्कर के कार्यक्षमता और सौंदर्य दृश्य को बढ़ाने के लिए एनडीएमसी ने वॉकवे के चारों ओर निचली दीवारों का निर्माण किया, जो सुविधाजनक बैठने की जगह के रूप में दोगुनी हो गई है। एनडीएमसी ने क्षेत्र को इस प्रकार बुद्धिमानी से रोशन करने का प्रावधान किया है कि प्रकाश की व्यवस्था में दृश्यता सुनिश्चित करते हुए चमक प्रदान करने को प्राथमिकता हो ।पुनर्विकसित आरएमएल चौराहे के केंद्र में एनडीएमसी ने केंद्र स्तर पर एक राजसी सफेद पत्थर हाथी परिवार स्थापित किया है, जो चारों ओर फव्वारे वाले जल चैनलों से घिरा हुआ है।

प्रदूषण से राहत नहीं, कई इलाकों में वायु गुणवत्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में सुबह वायु गुणवत्ता ''बहुत खराब'' रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 367 दर्ज किया गया जबकि नौ केंद्रों- आनंद विहार, अशोक विहार, बवाना, जहांगीरपुरी, मुंडका, रोहिणी, सोनिया विहार, विवेक विहार, वाजीपुर में वायु गुणवत्ता ''गंभीर'' श्रेणी में दर्ज की गई। एक्यूआई 0-50 को 'अच्छा', 51-100 को 'संतोषजनक', 101-200 को 'मध्यम', 201-300 को 'खराब', 301-400 को 'बहुत खराब' और 401-500 के बीच को 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली में आसमान साफ रहने की संभावना है और दिन में धुंध छाई रहेगी वहीं रात के हल्का कोहरा रहने के आसार हैं। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 3.7 डिग्री अधिक है। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 94 प्रतिशत रहा।

मीराबाग इलाके में आउटलेट पर दिनदहाड़े फायरिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। बाहरी जिले के मीरा बाग इलाके में दिनदहाड़े फायरिंग की घटना हुई है। गोली चलाने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दुकानदार के बयान पर केस दर्ज किया। फिलहाल पश्चिम विहार वेस्ट थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक मीरा बाग स्थित राज मंदिर नामक आउटलेट पर बुधवार दोपहर अज्ञात लोगों ने गोलियां चलाई। करीब 8-9 राउंड फायरिंग की गई। वारदात को अंजाम देकर आरोपित फरार हो गए। घटना में किसी को गोली नहीं लगी है। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावा जिले की अन्य यूनिट मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में पता चला है कि शिकायतकर्ता अपनी दुकान पर थे,

तभी बाइक पर तीन लड़के आए। दो लोगों ने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था। उन्होंने दुकान पर आकर हवा में कई राउंड फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। फिलहाल, पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर आरोपितों की पहचान करने में जुटी हुई है।

दिल्ली में औद्योगिक प्रदूषण पर रोकथाम के लिए पर्यावरण मंत्री ने दिए आवश्यक निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शहर में औद्योगिक प्रदूषण को लेकर बुधवार को दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक की। इस बैठक में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), पर्यावरण विभाग, दिल्ली राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड (डीएसआईआईडीसी) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारी मौजूद रहे । इस दौरान पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली में औद्योगिक इकाइयों के लगातार निरीक्षण के लिए डीपीसीसी और डीएसआईआईडीसी की 58 टीमों का गठन किया गया है। औद्योगिक अपशिष्ट की डंपिंग की निगरानी के लिए पूरी दिल्ली में तीन विभागों की 191 पेट्रोलिंग टीमें तैनात की गयी हैं। गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली की 1901 पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों को पीएनजी में परिवर्तित कर दिया गया है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सर्दियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 25 सितम्बर को सरकार द्वारा 21 फोकस प्वाइंट पर आधारित विंटर एक्शन प्लान की घोषणा की गई थी। दिल्ली में वायु प्रदूषण में और सुधार लाने के लिए विंटर एक्शन प्लान के तहत औद्योगिक प्रदूषण पर निगरानी और उसके अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य शुरू हो गया है। तीन टीमें दिल्ली में सभी औद्योगिक इकाइयों पर निगरानी रखने और उनके द्वारा प्रदूषण को रोकने के लिए त्वरित कदम उठाने का कार्य करेंगी, जिसकी रिपोर्ट समय - समय पर पर्यावरण विभाग को प्रेषित की जाएंगी। डीपीसीसी की इस टीम को औद्योगिक इकाइयों द्वारा पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई करने का भी आदेश दिया गया है । गोपाल राय ने डीपीसीसी और अन्य सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए कि वो औद्योगिक क्षेत्रों से औद्योगिक कचरे का नियमित उठान और उचित वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित करें। साथ ही औद्योगिक इकाई केवल अनुमोदित ईंधन से संचालित हों।

फर्जी सीबीआई छापेमारी करने का आरोप निकला फर्जी

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के रूप नगर इलाके में एक महिला ने पुलिस को कॉल करके स्पेशल 26 फिल्म की तरह फर्जी सीबीआई बताकर छापेमारी करने और घर से कीमती माल उड़ाने का आरोप लगाकर सनसनी फैला दी। मामला संज्ञान में आते ही पुलिस ने छानबीन शुरू की, तो आरोप जांच में फर्जी निकला। मामले की पुष्टि डीसीपी उत्तरी राजा बांठिया ने करते हुए बताया कि मंगलवार पांच नवंबर की रात को रूप नगर इलाके में एक महिला ने पीसीआर को फोन पर सूचना दी। उसने बताया की सीबीआई के लोग बनकर उसके घर आए और घर की तलाशी के दौरान कीमती सामान ले गए।जांच करने पर पुलिस को पता चला की स्पेशल 26 फिल्म की तरह नकली सीबीआई की टीम नहीं थी। बल्कि सीबीआई की असली छापामारी थी। सीबीआई, दिल्ली के इंस्पेक्टर तरुण गौर के नेतृत्व में टीम ने नॉर्थ दिल्ली कमला नगर, जवाहर नगर के यूबी-8 में बांहिंग ऑफ अनरेगुलेटेड डिपॉजिट स्कीम एक्ट 2019 के मामले में छापा मारा था।

चिटफंड और ज्यादा निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों पर नकेल कसेगी दिल्ली सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने धोखाधड़ी वाली वित्तीय योजनाओं पर रोक लगाने के लिए नए नियम बनाए हैं। ये नियम लोगों को उन फर्जी योजनाओं से बचाने के लिए हैं, जिनमें झूठे वादे और ज्यादा रिटर्न निवेश के नाम पर लोगों के पैसे हड़पे जाते हैं। अब सरकार के पास ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई करने के अधिकार होंगे, जिसमें जांच और संपत्तियों की जब्ती भी शामिल है।

इस विषय में मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि लंबे समय से लोग ऐसे झूठे वादों में फंसते रहे हैं, जो उन्हें बड़ा मुनाफा देने का दावा करते हैं लेकिन अंत में उनका नुकसान होता है। इन नए नियमों के जरिये दिल्ली सरकार ऐसे धोखेबाजों पर कड़ी नज़र रखेगी। नए नियमों में सरकार ने स्वयं सहायता समूहों के लिए एक सीमा तय की है, ताकि उनके काम में कोई रुकावट न आए। अब किसी भी सदस्य द्वारा हर महीने 50,000 रुपये तक का योगदान और साल में पांच लाख रुपये तक का योगदान नियमों से बाहर रहेगा। इस तरह छोटे और वास्तविक समूहों की गतिविधियां चलती रहेंगी और बड़े जमा पर सरकार निगरानी रखेगी। इस सीमा से उनके काम पर कोई असर नहीं

पड़ेगा और साथ ही ये भी ध्यान रखा जाएगा कि इनका बेजा तरीके से इस्तेमाल न हो। इन नियमों के साथ अब सरकार को धोखाधड़ी के मामलों में जांच और संपत्तियों की जब्ती के लिए विशेष एजेंसियों को नियुक्त करने का अधिकार भी मिलेगा। इससे सरकार धोखाधड़ी का जल्दी पता लगा सकेगी और पीड़ितों के पैसे वापस दिला सकेगी। पहले सरकार के पास ऐसे मामलों में संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार नहीं था, जिससे कार्रवाई करना मुश्किल होता था। इससे पीड़ितों को न्याय मिलेगा और धोखाधड़ी का जड़ से सफाया होगा। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि अब एजेंसियां सरकार के साथ मिलकर धोखाधड़ी करने वालों को पहचानने, जांच और सजा दिलाने में मदद करेंगी। दिल्ली सरकार का ये कदम वित्तीय लेनदेन को साफ-सुथरा रखने और नागरिकों के विश्वास को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली मेयर शैली ओबेराय आज दिल्ली में सफाई व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्लीवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली मेयर शैली ओबेराय दिल्ली में सफाई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शाहदरा नॉर्थ ज़ोन के गोरखपार्क जनता कॉलोनी रोड 65, बाबारपुर रोड़ ड्रेन 52, सुभाष मोहल्ला ढलावघर में सफ़ाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उपायुक्त कर्नल विनोद अत्री, पार्षद प्रियंका सक्सेना और निगम के अधिकारी भी उपस्थित रहे ।

दिल्ली की मेयर शैली ओबेराय ने सफाई व्यवस्था एवं कचरा संवेदनशील बिंदु (जीवीपी) के ऐसे स्थान जहां कूड़ा जमा होता है, उनको चिन्हित करके एक्शन ले रही है । वह सभी जगहों से कूड़े के ढ़ेर को हटवा कर के दिल्ली को स्वच्छ वातावरण देना चाहती है ।इस दौरान शैली ने कहा कि जीवीपी को सुंदर बनाने के लिए एक ऊर्ध्वाधर उद्यान बनाने के निर्देश दिया, ताकि इसकी सुंदरता में निखार आए । उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र को सुंदर बनाने और अवैध डंपिंग को रोकने के लिए दैनिक निगरानी करने के निर्देश दिया । उन्होंने कहा कि दिल्ली में सफाई व्यवस्था बेहतर करने के लिए दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम हर सम्भव प्रयास कर रही है ।

दिल्ली में अब तेजी से शिफ्ट की जा सकेंगी बिजली की हाई-टेंशन लाइनें

नई दिल्ली। दिल्ली में अब बिजली की हाईटेंशन लाइनें तेजी से शिफ्ट हो सकेंगी। मुख्यमंत्री आतिशी के निर्देश पर हाई-टेंशन लाइन शिफ्टिंग की नीतियों को आसान किया जाएगा। इस बाबत दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) नए दिशा निर्देश जारी करेगा, जिसका उद्देश्य लाइन शिफ्टिंग के लिए बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) को भुगतान में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करना है। नीति के अंतर्गत उन योजनाओं के लिए फंड आवंटन का प्रावधान है, जिनमें 11 केवी, 33केवी एवं 66केवी हाईटेंशन (एचटी) तथा 400 वोल्ट लो टेंशन (एलटी) लाइनें शामिल हैं, जो लोगों की सुरक्षा के लिए शिफ्ट की जानी हैं। इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों, किसान, सार्वजनिक भवनों एवं अनधिकृत कॉलोनियों के लिए सरकार द्वारा शिफ्टिंग की पूरी लागत का वहन किया जाता है। वर्तमान में बिजली कंपनियां शत प्रतिशत अग्रिम भुगतान के बाद ही हाईटेंशन लाइनें शिफ्ट करती थीं। उसमें काफी समय लगता था लेकिन अब 30 प्रतिशत अग्रिम भुगतान के साथ हाई टेंशन लाइनें शिफ्ट हो सकेंगी। इस बाबत डीईआरसी द्वारा जल्द दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे।

दिल्ली सरकार का यह कदम दिल्लीवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, जिससे बिजली लाइनों के शिफ्टिंग की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। इससे बुराड़ी, किराड़ी और बवाना विधानसभा में बिजली की 9 हाई-टेंशन लाइनें जल्द शिफ्ट हो सकेंगी। साथ ही दिल्ली के अन्य इलाकों में जहाँ हाई-टेंशन लाइनें शिफ्ट करने की आवश्यकता है, उसमें भी तेजी आएगी।

किराड़ी विधानसभा में शिफ्ट होने वाली हाई टेंशन लाइनें

-निठारी चौक से पीएसएम स्कूल, प्रताप विहार-3, विशाल मेगा मार्ट से नाग मंदिर, किराड़ी राशन ऑफिस से दुर्गा चौक, गैस बर्तन भंडार किराड़ी और निठारी से मुबारकपुर चौक।

बुराड़ी विधानसभा में शिफ्ट होने वाली हाई टेंशन लाइनें शनि मंदिर कॉलोनी, कुशक-2, नांगलीपूना एक्सटेंशन और कुशक-1। बवाना विधानसभा में शिफ्ट होने वाली हाई टेंशन लाइनें -आरा कॉलोनी, कुतुबगढ़।

NAME CHANGE
I Ram Singh S/o Bhoj Raj Garg R/o H No. B-1/197, Near Geeta Bhavan, Yamuna Vihar North East Delhi, Delhi - 110053 have changed my name to Ram Singh Garg for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Shoneeka Gupta D/O Vijay Gupta R/ E-540, flat no. 402, 3rd floor, Greater Kailash Part-2 Delhi110048 have changed my name to Shoneeka ghai for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Soban Singh S/O Bhagat Singh Rawat R/O Plot No -21, Block - G, Gali No -21, Jain Road , Bhagwati Garden Extn. Uttam Nagar, West Delhi, Delhi -110059, declare that name of mine has been wrongly written as Sobhan Singh Rawat in my minor daughter namely Arushi Rawat in her 10th class educational documents and written name of mine Sobhan Singh in her birth certificate No. MCDOLR07195508.The actual name of mine is Soban Singh

NAME CHANGE
I Dinesh Bindal S/O Dharampal Bindal R/o Ward no 8 Adarsh Colony near Chaudhary Dhaba, Hodal, Palwal, Haryana-121106 have changed my name to Dinesh Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD AFZAL S/O MOHD AJMAL residing at A-17/136-C, DDA FLAT, INDER LOK, DELHI - 110035 have changed my name to MOHD AFZAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, FARMEEN BANO W/O ZAHID ALI KHAN residing at KHASRA NO-278/176 2ND FLOOR GALI NO-8 RAM GHAT WAZIRABAD DELHI-110084 have changed my name to PARVEEN for all future purposes

NAME CHANGE
I, NETRA PAL SINGH S/O BHARAT SINGH residing at H NO-286-B, SHALIMAR GARDEN, EXTN-I, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 have changed my name to NETRAPAL SINGH YADAV for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHAKILA BEGUM / SHAKEELA BEGUM / SHAKEELA / SHAKEELA BANO W/O HABIB KHANresiding at PLOT NO-510, PHASE-1, SHAHZADA BAGH, INDER LOK, DELHI - 110035 have changed my name to SHAKILA BANO for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SADIA KHAN D/O HABIB KHAN residing at PLOT NO-510, PHASE-1, SHAHZADA BAGH, INDER LOK, DELHI - 110035 have changed my name to SADIYA KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Jyoti Sharma W/o Surender Singh R/o IG-09-0402, Emaar Imperial Gardens, Sector-102, Gurgaon, Haryana-122505, Have Changed My Name To Jyoti Chaudhary For All Future Purpose

NAME CHANGE
I hitherto known as Sarita alias Sarita Chourasia D/O Jagat Naryan W/O Ram Tirath, R/O H-95, KRISHAN VIHAR, J-56, Sultanpuri C Block, North West Delhi, Delhi 110086, have changed my name and shall hereafter be known as SARITA.

NAME CHANGE
I, MOHD ZAKIREEN S/O MOHAMMAD SUHALEEN residing at 313/88, SECOND FLOOR, GALI NO-5, TULSI NAGAR, INDER LOK, DELHI - 110035 have changed my name to MOHD ZAKREEN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMED NASIM S/O MOHAMMAD ISMAIL residing at C-19, GROUND FLOOR, MIR DARD ROAD, BEHIND EANJIT SINGH HOTEL, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name to MOHD NASIM for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
This is informed to all in General Public that my client namely client SUSHILA W/O LT. SHRI GOVERDHAN R/O H. NO. 10219/21 BHAGAT SINGH NAGAR, NEW ROHTAK ROAD, KAROL BAGH, CENTRAL DELLHI, DELHI-110045 have disowned to her son namely RAKESH S/o- SHRI GOVERDHAN AND HIS WIFE SMT. REKHA AND HIS CHILDREN from her movable and immovable properties due to his misconduct and disrespectful behavior towards my client. My client have also severed all relations from him, he is out of control of my client. If any person deals with him will do so at his own risk, costs and consequences. My client shall not be held responsible for his acts in any manner whatsoever.
SHIVAM MISHRA ADVOCATE
Ch.No 150, Civil Wing, Tis Hazari Courts, Delhi 110054

NAME CHANGE
I, NO-15167224N Rank-HAV Name-MUKESH K R/o VPO-KUTHANUR, TEH-ALATHUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678721 have changed my Minor son's name from NIHAL KRISHNA M to ANANTH KRISHNA M for all future purposes vide affidavit dated 07/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SUNEEL KUMAR YADAV S/O VIJAY PAL YADAV Permanent Resident ATAULI, BADLAPUR, JAUNPUR, UTTAR PRADESH-222125, Presently Residing at H NO-541, POLL NO-19, VILLAGE BAGDOLA, DWARKA SECTOR-08, NEW DELHI-110077, declare that name of my mother has been wrongly written as MEERA YADAV in my Service Records. The actual name of my mother is BABANA DEVI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is to the public at large that my client Shri Satish Kumar Gupta S/o Shri Nathu Lal R/o RZB-53B, Pocket-2, Dwarka Puri, Vijay Enclave, Palam Village South West Delhi-110045, have debarred and disowned his son Mr. Nitesh and his wife Mrs. Manisha Kumari (daughter-in-law) from his movable and immovable properties and other assets, with immediate effect due to their disrespectful behavior and out of control and severed all his relations with them. If anybody deals in any manner with the above named persons, he shall do at his/her own risks and consequences. My client shall not be held liable or responsible for the same in any manner and have no concern/ relations with the above named persons in her/his life time in Future.
PRADEEP TYAGI Advocate
Seat No 59, Hall No 2 Sector 10 Dwarka Court, New Delhi 110075

NAME CHANGE
I MD AZHAR IMAM MD IMAMUDDIN S/O MD IMAMUDDIN R/O Near Baikatpur masjid, village Baikatpur,Post-Jalalpur,P.S-Mushahri,Muzaffarpur Bihar-843119 Have changed my name to MD AZHAR IMAM for All future purposes.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-2485365K, Rank-EX-HAV Name-TILAK RAJ R/o VILL-PANTEHAR, PO-GARLA DAI, TEHSIL-PALAMPUR, DISTT-KANGRA, HIMACHAL PRADESH-176085 in my service record my mother's (KUNDLA DEVI) date of birth wrongly mentioned as 01/07/1944 instead of her correct date of birth as 15/04/1947 vide affidavit dated 07/11/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Correction
I, No. 10316532A, RANK NK, RANJEET SINGH, S/O SH. RAMAVTAR SINGH YADAV R/O S-174, OPP. MOTHER DAIRY, PANDAV NAGAR, EAST DELHI, DELHI- 110092 declare That my mother's name has been wrongly mentioned in my service record as Virma Devi instead of her Correct Name BIRMA DEVI YADAV. That Virma Devi and BIRMA DEVI YADAV both names are one and the same person

Name Correction
I, No. 10316532A, RANK NK, RANJEET SINGH, S/O SH. RAMAVTAR SINGH YADAV R/O S-174, OPP. MOTHER DAIRY, PANDAV NAGAR, EAST DELHI, DELHI- 110092 declare That my father's name has been wrongly mentioned in my service record as RAMATAR SINGH instead of his Correct Name RAMAVTAR SINGH YADAV. That RAMATAR SINGH and RAMAVTAR SINGH YADAV both names are one and the same person

NAME CHANGE
I, KAHIRUN NISA W/O MOHAMMAD FAROOQ residing at A-16/122-A, DDA FLATS, INDER LOK, DELHI - 110035 have changed my name to KHERUN NISA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT SALE DEED DATED 10.03.2006, EXECUTED BY MR. C. M. S. YADAV AS GENERAL ATTORNEY OF MRS. KEVLA DEVI IN FAVOUR OF MR. DEVKANT YADAV IN RESPECT OF SAID PLOT I.E., PROPERTY NO. RZ-F-761/5, AREA MEASURING 150 SQ. YDS., OUT OF KHASRA NO. 46/21 SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE PALAM, DELHI STATE DELHI, COLONY KNOWN AS RAJ NAGAR-II, GALI NO. 4, PALAM COLONY NEW DELHI, VIDE DOCUMENT NO. 3327, IN BOOK NO. 1, VOLUME NO. 2694, PAGE NO. 124 TO 129 ON 10.03.2006, DULY REGISTERED IN SUB REGISTRAR IX DELHI, HAS BEEN LOST BY THE OWNER MR. BRIJESH KUMAR YADAV. MR. LOKESH IS GOING TO PURCHASE THE "ABOVE SAID PROPERTY", FROM PRESENT OWNER / SELLER MR. BRIJESH KUMAR YADAV, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH HINDUJA HOUSING FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEED IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITHIN THE 7 DAYS FROM THE DATE OF THIS PUBLICATION WITH THE UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADV.
B-19-20, STREET NO. 06, NEW MODERN SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521.

विद्यार्थियों को तनाव मुक्त रखना भी शिक्षक का दायित्व : डॉ. कार्तिका शर्मा

एजेंसी

झज्जर। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में शिक्षण के साथ करुणाः तनाव प्रबंधन और छात्रों का समर्थन पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। हुए इस कार्यक्रम में उपस्थित भावी अध्यापिकाओं और शिक्षकों को संबोधित करते हुए मनोवैज्ञानिक डॉक्टर कार्तिका ने कहा कि अध्यापकों ने केवल शिक्षक बोल के मार्गदर्शन और समर्थक भी होना चाहिए।मुख्य वक्ता डॉ. कार्तिका शर्मा कहां हो भाई व्याख्यान छात्राओं और शिक्षिकाओं ने तंमयता से सुना। उन्होंने महाविद्यालय की भावी अध्यापिकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षण एक ऐसा पेशा है जिसमें हम न केवल ज्ञान का हस्तांतरण करते हैं बल्कि हम छात्रों के जीवन को भी प्रभावित करते हैं। आज के समय में, छात्रों को कई तरह के तनाव का सामना करना पड़ता है, जैसे कि पाठ्यक्रम का दबाव, प्रतिस्पर्धा, और व्यक्तिगत समस्याएं। ऐसे में शिक्षकों की भूमिका न केवल शिक्षक के रूप में होती है, बल्कि एक मार्गदर्शक और समर्थक के रूप में भी होती है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि शिक्षण का अर्थ है कि हम छात्रों के प्रति सहानुभूति और समझ का भाव रखें। हमें छात्रों की भावनाओं को समझने की कोशिश करनी चाहिए और उन्हें समर्थन प्रदान करना चाहिए। यह शिक्षक और छात्र के बीच एक सकारात्मक संबंध बनाने में मदद करता है।

रोजाना अपडेट की जाए महिला एवं बाल विकास की विभाग की वेबसाइट

चंडीगढ़। हरियाणा की महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री श्रुति चौधरी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि विभाग की वेबसाइट हर समय अपडेट हों। इसे इस तरह से डिजाइन करवाया जाए कि आम आदमी योजनाओं को समझ सके। मंत्री श्रुति चौधरी चंडीगढ़ में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर रही थीं। उन्होंने कहा कि वेबसाइट में योजनाओं के लिंक इस तरह से अपडेट हों कि लोग वेबसाइट को खोलें तो लिंक पर जाकर बिना किसी परेशानी के योजनाओं को समझ कर उसका लाभ उठा सकें। वेबसाइट अपडेट में किसी तरह की लापरवाही सहन नहीं होगी। वह स्वयं हर रोज वेबसाइट खोलकर देखेंगी। उन्होंने महिलाओं को स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम की रिपोर्ट ली और इस दिशा में ओर अधिक गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए। महिलाओं को मोटे अनाज से उत्पाद बनाने की ट्रेनिंग देकर रोजगार दिलवाने के निर्देश भी जारी किए। चौधरी ने प्रदेश में महिला एवं बाल कल्याण के लिए अधिकारी विटामिन-डी के वितरण, महिलाओं में स्किल डेवलपमेंट व पोषण पर फोकस करते हुए जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की दिशा में सक्रियता से काम करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण व पराली न जलाने बारे जागरूकता अभियान में आंगनबाड़ी वर्कर्स अहम भूमिका निभा सकती हैं। इसीलिए विभाग इस बारे में विशेष अभियान चलाए।

आम जन की सुनवाई व समस्याओं का निपटारा रहेगी प्राथमिकता: अनीश यादव

हिसार। वर्ष 2014 बैच के आईएएस अधिकारी अनीश यादव ने जिले के उपायुक्त का पदभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार संभालने के अवसर पर जिले के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। कार्यभार संभालने उपरांत बुधवार को उपायुक्त अनीष यादव ने कहा कि आम जनमानस की सुनवाई और उनकी समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता में शामिल रहेगा। साथ ही उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को भी निर्देश दिए कि लोगों की समस्याओं की सुनवाई और उनके निपटारे में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। इस मौके पर हिसार एसडीएम हरबीर सिंह, बरवाला एसडीएम डॉ. वेद प्रकाश बैनीवाल, नगराधीश हरिराम व अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। उपायुक्त ने अधिकारियों-कर्मचारियों से मुलाकात करते हुए निर्देश दिए कि वे अपनी ड्यूटी का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी व कर्मठता के साथ करें। इससे पूर्व वे सिरसा व करनाल में उपायुक्त तथा हिसार में अतिरिक्त उपायुक्त के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। हाल ही में जारी आदेशों में हरियाणा सरकार द्वारा अनीश यादव को जिला उपायुक्त हिसार, एचएसवीपी एडमिनिस्ट्रेटर, अर्बन एस्टेट एडिशनल डायरेक्टर, हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक का पदभार सौंपा गया है। उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि लोगों को बेहतरीन मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाना उनकी प्राथमिकता रहेगा।

जिला कारागार में प्राधिकरण सचिव ने लगाई लोक अदालत

जींद। जिला कारागार में लोक अदालत में 14 मामले निपटान के लिए रखे गए। जिसमें से एक मामले का मौके पर ही निपटारा किया गया। प्राधिकरण सचिव ने स्थानीय जेल का औचक निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों से मुलाकात भी की। उन्होंने बताया कि जिन बंदियों को 15 दिनों के दौरान सजा हुई है, उनको अपील के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा हाई कोर्ट लिगल सर्विसिज अथॉरिटी द्वारा मुफ्त वकील प्रदान किया जा सकता है। कैदियों व हवालातियों को उनके केसों में आ रही अड़चनों को भी सुना व समस्याओं के समाधान संबंधित जानकारी भी दी। सीजेएम ने जेल में बंद कैदियों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को अपने केस की पैरवी के लिए वकील की जरूरत है तो वह मुफ्त कानूनी सेवाएं ले सकता है।

वंचित दो लाख प्रार्थियों को जल्द मिलेंगे प्लाट : नायब सैनी

चुनाव में जीत के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को दे रहे हैं धन्यवाद

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार जल्द ही मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवासीय भूमि से वंचित दो लाख पात्र प्रार्थियों को एक सौ-एक सौ वर्गगज के प्लॉट की सौगात देगी। इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के अधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके हैं। इस योजना में राज्य के पांच लाख लोगों ने प्लॉट के लिए आवेदन किया था। इन सभी योग्य लाभार्थियों को अलग-अलग चरणों में प्लॉट दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री सैनी भाजपा की सरकार बनने के बाद धन्यवाद देने के लिए सभाओं की श्रृंखला के तहत जिला कुरुक्षेत्र के लाडवा विधानसभा क्षेत्र में गांव उमरी, मथाना, दबखेडा, वडैचपुर और छल्लौंदी में बोल रहे थे।

सभी गांवों में मुख्यमंत्री के आगमन पर ग्रामीणों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। अनेक स्थानों पर मुख्यमंत्री को सम्मानसूचक पगड़ी पहनाकर तथा फूल मालाओं से उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायत उमरी, मथाना, दबखेडा, वडैचपुर और छल्लौंदी के ग्रामीणों की सभी मांगों को पूरा किया और गांव मथाना, दबखेडा, वडैचपुर और छल्लौंदी को 21-21 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को 2100 रुपये की राशि देने के अपने चुनावी वायदे को पूरा करने की दिशा में काम करते हुए अधिकारियों को व्यवस्था बनाने के आदेश दिए गए हैं और शीघ्र ही प्रदेश की महिलाओं को यह सौगात दी जाएगी। इस धन्यवादी दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने गांव दबखेडा में बड़े सामुदायिक केन्द्र की सौगात देने के साथ-साथ पिछड़ा वर्ग चौपाल के नवीनीकरण की भी मंजूरी दी। मुख्यमंत्री ने ग्रामवासियों को हाथ जोड़कर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लाडवा विधानसभा के साथ-साथ प्रदेश में तेज गति के साथ विकास कार्य किए जाएंगे और प्रदेश में सभी सड़कों के नवीनीकरण और मरम्मत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी के लिए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेवारी तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के नागरिकों ने तीसरी बार सरकार बनाकर जो विश्वास और जिम्मेवारी हमें सौंपी है, उस विश्वास को बरकरार रखा जाएगा और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार तीन गुणा ताकत से प्रदेश का विकास करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने समाज के अंतिम व्यक्ति को आयुष्मान, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान करने सहित किसानों की फसलों को एमएसपी पर खरीदना, किसानों को समय पर मुआवजा देना और रोड इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने का काम किया है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार बनते ही मरीजों को फ्री डायलिसिस की सुविधा दी है।

श्री श्याम आराधना परिवार का छठा भव्य श्री श्याम जन्मोत्सव

हिसार। श्री श्याम आराधना परिवार हिसार की ओर से छठा भव्य श्री श्याम जन्मोत्सव विशाल जागरण एवं भंडारे के साथ प्राचीन शीतला माता मंदिर सैनियान मोहल्ला में मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता प्रवीण पोपली ने विशेष रूप से उपस्थित होकर ज्योत प्रज्जवलित की व बाबा का आशीर्वाद लिया। जन्मोत्सव कार्यक्रम में महाराज श्री विनय शर्मा बीड़ बबरान धाम एवं पंडित दिनेश उपाध्याय लालसोट धाम का पावन सानिध्य रहा। ज्योत प्रचंड पंडित यशपाल गोसाई द्वारा की गई व ज्योत सेवा पंडित राजेश शास्त्री द्वारा दी गई। सैनियान मोहल्ला में बुधवार हो हुए इस आयोजन में प्रवीण पोपली ने कहा कि श्री खाटू श्याम हारे के सहारे हैं जो कोई भी श्रद्धा एवं समर्पण भाव से उनके सामने मनोकामना रखता है वे उसे जरूर पूरी करते हैं। खाटू श्याम की महिमा निराली है वे अपने भक्तों पर पूरी कृपा बरसाते हैं और उन्हें कभी अभाव में नहीं रहने देते।

रोहतक में परचून की दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

रोहतक। शहर की तेज कॉलोनी में परचून की एक दुकान में रात आग लग गई। जिसमें लाखों रुपए का सामान चलकर खाक हो गया। आग लगने की सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया।

तेज कॉलोनी के अंकित ने बताया कि रात को वह दुकान बंद कर घर चले गए थे, लेकिन आज सुबह लगभग करीब चार बजे के आसपास होने आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद में मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम को फोन कर आग की जानकारी दी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। बुधवार तड़के करीब चार बजे तेज कालोनी निवासी अंकित की परचून की दुकान में आग लग गई। आसपास लोगों ने अंकित को इसकी सूचना दी और दमकल विभाग को भी सूचना दी। इसी बीच दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और कर्मचारियों ने करीब आधा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसी दौरान पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। दुकान मालिक ने बताया कि करीब छह लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। दुकान मालिक ने जिला प्रशासन से मद्द की गुहार लगाई है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

केएमपी की मरम्मत ठेका कंपनी से करवाने के निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ । हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा है कि कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता में कमी है, इसे डीएलपी पीरियड में ठेकेदार से ठीक करवाया जाए। उद्योग मंत्री चंडीगढ़ में एचएसआईडीसी, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्लोबल सिटी की डीपीआर जल्द से जल्द तैयार करवाई जाए। इसी प्रकार जो भी लंबित परियोजनाएं हैं, उसे भी तत्परता के साथ पूरा किया जाए। राव नरबीर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्योगों को शुरू करने से लेकर सभी प्रकार की अनुमति लेने तक की प्रक्रिया को और सरल बनाया जाए, ताकि प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा उद्योग लगे जिससे रोजगार को भी बढ़ावा मिले। उन्होंने संपदा में निवेशकों की बजाय निर्माता उद्यमी आए। जल्द उत्पादन शुरू हो इस पर काम करना चाहिए, क्योंकि

औद्योगिक रूप से पिछड़े ब्लॉक सी और डी में नए औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने पर जोर दिया। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि औद्योगिक टाउनशिप और एचएसआईडीसी की औद्योगिक कई बार निवेशक निवेश करके औद्योगिक प्लॉट को खाली छोड़ देता है और समय पर विकास नहीं हो पता। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भी विकास कार्य चल रहे हों, वहां संबंधित अधिकारी समय-समय पर दौरा कर गुणवत्ता की जांच जरूर करें। इसके अलावा जहां भी औद्योगिक टाउनशिप स्थापित है, वहां भी दौरा कर समस्याओं का जल्द समाधान करें। उन्होंने कहा कि एचएसआईडीसी अपने इंजीनियरिंग विंग को और मजबूत करें। स्वयं की लैब बनाकर अपने स्तर पर गुणवत्ता की जांच करें।

सदस्यता अभियान को संगठन के महापर्व के रूप में मनाएं कार्यकर्ता : फणीन्द्रनाथ

एजेंसी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान के निमित पार्टी कार्यालय गुरुकमल में ओबीसी मोर्चा और महिला मोर्चा की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, जिला अध्यक्ष कमल यादव, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, जिला महामंत्री रामबीर भाटी, हरविंद्र कोहली, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा सोनिया यादव, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष कृष्ण गुर्जर उपस्थित रहे। जिला मीडिया प्रभारी पवन यादव के मुताबिक कार्यशाला में सदस्यता अभियान की कार्य योजनाओं पर चर्चा हुई।

कार्यशाला में संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को सदस्यता अभियान को संगठन के महापर्व के रूप में मनाना है। भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर संपर्क करें। पार्टी की विचारधारा और डबल इंजन की केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियां और उनके द्वारा किए जा रहे जनहित के कार्यों की जानकारी भी जनता को दें। श्री शर्मा ने कहा कि पार्टी ने हर बूथ पर 200 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य

रखा है, इसलिए कार्यकर्ता अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ें।कार्यशाला में जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कहा कि डिजिटल सदस्यता के जरिए से भी लोगों को पार्टी से जोडना है। गुरुग्राम जिला में 5 लाख नए सदस्यों को पार्टी से जोडने का लक्ष्य तय किया गया है। मीडिया प्रभारी पवन यादव ने बताया कि कार्यशाला में जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि सदस्यता अभियान में अधिक से अधिक लोगों को जोडने का प्रयास करें। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करने में जुट जाएं। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीढ़ की हड्डी बताया और अभियान को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक सदस्य जोडने की अपील की।

शहरों में एक और गांवों में दो घंटे में खराब ट्रांसफार्मर बदलने के निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शहरी क्षेत्रों में एक घंटे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में दो घंटे के भीतर खराब ट्रांसफार्मर बदले जाएं। मंत्री अनिल विज चंडीगढ़ में विभागीय अधिकारियों की बैठक के बाद पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। मंत्री विज ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह ट्रांसफार्मरों की खराबी के चलते लोगों को बिजली संकट की तरफ न धकेलें।

प्रदेश में सभी ट्रांसफार्मर का लोड पता करने के लिए कहा गया है। जहां कनेक्शन का लोड अधिक हैं तो वहां नए व अधिक क्षमता वाले ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आज की बैठक में पीएम सूर्यघर योजना को लेकर भी समीक्षा की गई है। इस योजना के तहत अब तक एक लाख आवेदन आए हैं। जिन्हें 31 मार्च तक निपटा दिया जाएगा। इसके अलावा सोलर

सिस्टम को अपग्रेड करने तथा उपलब्धता को लेकर रिपोर्ट मांगी गई है।

विज ने कहा कि शॉट सर्किट से घर में लगी आग तथा ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों की मौत के मामले में मुआवजा पॉलिसी में संशोधन के लिए भी बिजली कंपनियों को लाइन लॉस 10 प्रतिशत से कम करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग में कर्मचारियों की ऑनलाइन ट्रांसफर को लेकर अभी नियमों का पालन नहीं हो रहा है। इसके लिए भी आला अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं।

गुरुग्राम में काम करने के लिए मिली बेहतरीन टीम: निशांत यादव

एजेंसी

गुरुग्राम। आमजन की समस्याओं का निराकरण के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों को सदैव तत्पर रहना चाहिए। उपायुक्त कार्यालय पर लोगों का भरोसा होता है। यह विश्वास हमें कायम रखना है। यह बात उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने लघु सचिवालय के सभागार में उपायुक्त कार्यालय के कर्मचारियों की ओर से सम्मान समरोह में कही। राजधानी चंडीगढ़ में उपायुक्त के तौर पर स्थानांतरित हुए डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा कि गुरुग्राम में उनके कार्यकाल की सफलता का श्रेय उनकी पूरी टीम को जाता है। उन्हें यहां साथ काम करने के लिए एक बेहतर टीम मिली, जिसके सहारे उन्होंने प्रत्येक कार्य का सरलता से निपटान किया, चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों ना हो। उन्होंने कहा कि उपायुक्त एक पद है, जिस पर आम जनता का असीम भरोसा कायम है।उपायुक्त के साथ जिला प्रशासन की पूरी टीम काम कर रही होती है। इसलिए किसी भी कार्य की सफलता अकेले एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरी टीम की होती है। सामना प्रशासकीय टीम के साथ मिलकर किया गया। वे इस टीम में शामिल हर एक कर्मचारी व अधिकारी की खुले दिल से सराहना

उनको खुशी इस बात की है कि गुरुग्राम जिला में उनको काम करने के लिए एक सकारात्मक माहौल मिला। इस जिला की यादों और कार्य अनुभव को वे हमेशा अपने साथ सहेज कर रखेंगे। उपायुक्त ने कहा कि करीब पौने तीन साल के कार्यकाल में उनके समक्ष कुछ बड़ी चुनौतियां सामने आई, जिनका करते हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी संतुलित व्यवहार रखें और खासतौर से अपने परिवार व सेहत की ओर भी ध्यान दें। एसडीएम रविंद्र कुमार ने इस अवसर पर कहा कि उपायुक्त निशांत कुमार यादव एक सौम्य एवं कुशल प्रशासनिक अधिकारी हैं।

बाल सरंक्षण आयोग की टीम ने शेल्टर होम व दिव्यांग सेवा समिति का किया निरीक्षण

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य मीना शर्मा व मांगे राम ने शेल्टर हॉम तथा दिव्यांग सेवा समिति गोहाना का निरीक्षण करते हुए शेल्टर हॉम में बच्चों और दिव्यांग सेवा समिति में दिव्यागों को मिलने वाली पेयजल, खाने-पीने आदि मूलभूत सुविधाओं की जांच की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं बच्चों के लिए कार्य कर रही है। यहां पर बेसहारा बच्चों को सुरक्षित माहौल प्रदान करने के साथ-साथ अच्छी शिक्षा ग्रहण करने की सुविधा दी जाती है ताकि ये यहां रहने वाले बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन में सफल हो सके। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने में अहम योगदान प्रदान कर रही है। स्कूल में पढने वाले बच्चों से कुछ प्रश्न पूछे, जिनका बच्चों ने सकारात्मक उत्तर दिया। दिव्यांग सेवा समिति का उद्देश्य दिव्यांग जनों की आवाज को सरकार तक पहुंचाना।

यह संस्था दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर, शिक्षा ग्रहण करने के अवसर तथा उनकी स्वास्थ्य देखभाल के लिए कार्य करती है। आयोग के सदस्यों ने संस्था के सभी सदस्यों को अलग-अलग तरीके से उनके कार्यों के बारे में सुझाव दिए कि वे किस प्रकार बच्चों और दिव्यांगों की देखभाल के लिए और अच्छा कार्य कर सकते हैं।

हरियाणा की पारंपरिक कला को जीवित रखने का माध्यम है हरियाणवी उत्सव : कृष्ण बेदी

एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में दो दिवसीय हरियाणा उत्सव का समापन हुआ। समापन कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री कृष्ण बेदी, दिल्ली विश्वविद्यालयसीपीडीएच निदेशक प्रो. गीता सिंह, सीआरएसयू वीसी डा. रणपाल सिंह रहे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि हरियाणवी उत्सव हरियाणा की पारंपरिक कला, संगीत, नृत्य और खानपान को जीवित रखने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। यह लोकगीत, लोकनृत्य, और पारंपरिक त्योहारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाता है ताकि वे अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ सकें। इस प्रकार के आयोजनों में लोग विभिन्न जाति, धर्म और पृष्ठभूमि से आते हैं। जिससे आपस में भाईचारा और समरसता को बढ़ावा मिलता है। एक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में यह समाज में एकजुटता का संदेश देता है। उत्सवों में स्थानीय कलाकारों और कारीगरों को अपना हुनर दिखाने का मौका मिलता है। जिससे वे न केवल अपनी कला को प्रदर्शित करते हैं बल्कि आर्थिक रूप से भी सशक्त होते

हैं। निदेशक प्रो. गीता सिंह ने कहा कि हरियाणा उत्सव हरियाणा राज्य की सांस्कृतिक धरोहर, परंपराओं और विकास को मनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह उत्सव न केवल राज्य के लोगों को एकजुट करता है बल्कि राज्य की विविधताओं, ऐतिहासिक धरोहर, कला, संगीत और नृत्य को भी प्रदर्शित करता है।सीआरएसयू वीसी डा. रणपाल सिंह ने कहा कि हरियाणा उत्सव एक ऐसा आयोजन है, जो इस राज्य की संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली को पूरे देश और दुनिया के सामने लाने का काम करता है। इस उत्सव में लोककला, खाद्य संस्कृति, हस्तशिल्प और खेलों को प्रमुख रूप से प्रदर्शित किया जाता है। यह आयोजन हरियाणा के लोगों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ता है और युवाओं में इसे बनाए रखने के लिए जागरूकता फैलाता है। कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने संदेश दिया कि चलचित्रों के अत्यधिक प्रचलन से हरियाणवी गीत व सांग व संस्कृति फीके पडने लगे हैं।

जनता के हितों के लिए कांग्रेस पार्टी की लड़ाई हमेशा जारी रहेगी : कुमारी सैलजा

एजेंसी

हिसार। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव व सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि जनता के हितों के लिए कांग्रेस की लड़ाई हमेशा जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि राज्यभर में व्याप्त भ्रष्टाचार, महंगाई व भाई-भतीजावाद के खिलाफ कांग्रेस हर मोर्चे पर जनता का साथ देने के लिए तत्पर है। कुमारी सैलजा हिसार स्थित अपने आवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान उनसे बातचीत कर रही थी। उन्होंने

कहा कि हरियाणा की विभिन्न मंडियों में अनाज के खरीद की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है और न ही किसानों की सुध लेने वाला कोई है। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा ने सत्ता तो हासिल कर ली है लेकिन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए कोई कार्य नहीं किए जा रहे। सांसद कुमारी सैलजा ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात करके उनका मनोबल बढ़ाया और पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री अतर सिंह सैनी, डॉ. अजय चौधरी, लाल बहादुर खोवाल प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट, हरपाल बूरा न्यायिक सदस्य टैक्स ट्रिब्यून, जयपाल लाली, जगन्नाथ पूर्व सदस्य एचपीएससी, मनोज राठी, अश्वनी शर्मा, शैलेश वर्मा, आनंद जाखड़, विजेंद्र कपूर जिला अध्यक्ष सेवा दल, हरि किशन, कुरड़ाराम नंबरदार, सुरेंद्र सैनी, जगदीश तायल, कुलवंत सैनी, कौशल्या सिंहमार, वीरेंद्र सेलवाल, अंकित चमारखेड़ा, सुरेश बाल्मीकि, अजय खेड़ी बरकी व अजय जौहर सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग व कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे।

रुपया 24 पैसे लुढ़ककर रिकॉर्ड निचले स्तर पर

एजेंसी

मुंबई। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने के दावे से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में आई जबरदस्त तेजी के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 24 पैसे का गोता लगाकर 84.34 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 84.10 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरूआती कारोबार में रुपया 13 पैसे की भारी गिरावट के साथ 84.23 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की लिवाली से 84.34 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक लुढ़क गया और इसी स्तर पर बंद हुआ। वहीं, बिकवाली होने से यह 84.16 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना पोर्टल 10 नवंबर तक पंजीकरण के लिए है खुला

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना पोर्टल युवाओं के लिए 10 नवंबर 2024 तक पंजीकरण के लिए खुला है। इच्छुक और योग्य अभ्?यर्थी इस योजना के लिए अपना आवेदन आधिकारिक वेबसाइट https://pminternship.mca.gov.in/login पर 10 नवंबर तक ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। वित्त मंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी है। इसके तहत 21-24 वर्ष की आयु के उम्मीदवार आवेदन के पात्र हैं। युवाओं के लिए यह पोर्टल 10 नवंबर तक पंजीकरण के लिए खुला हुआ है। योजना के तहत भारत की टॉप 500 कंपनियों में 12 महीने तक इंटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के मुताबिक लगभग 800 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस योजना की शुरुआत 2 दिसंबर से पायलट प्रोजेक्ट्स के तहत इंटर्नशिप के लिए होगी। इस योजना की घोषणा केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 में की थी। इस योजना को कॉर्पोरेट मंत्रालय के विकसित पोर्टल https://pminternship.mca.gov.in/login/डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.पीएमइंटर्नशि.एमसीए.जीओवी.आईएन के जरिए लागू किया गया है।

एप्पल को पछाड़ कर फिर से दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी एनवीडिया

नई दिल्ली। एनवीडिया एपल को पछाड़कर दूसरी बार दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। एनवीडिया ने बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के आधार पर एप्पल को पीछे छोड़ दिया है। कारोबर के दौरान मंगलवार को एनवीडिया का शेयर करीब 3 फीसदी की उछाल के साथ 3.43 ट्रिलियन डॉलर पर बंद हुआ, जो एप्पल के 3.38 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप से ज्यादा है। दूसरी ओर माइक्रोसॉफ्ट 3.1 लाख करोड़ डॉलर के मार्केट कैप के साथ तीसरे पायदान पर रही है। एनवीडिया के मुख्?य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेन्सन हुआंग के नेतृत्व में कंपनी ने पहली बार जून में एप्पल को पीछे छोड़ा था, लेकिन तब ये सिर्फ एक दिन के लिए था। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बनने के मामले में ग्राफिक्स चिप निर्माता एनवीडिया ने मार्केट वैल्यू के आधार पर एप्पल को पीछे छोड़ा है। एनवीडिया ने 28 जुलाई को समाप्त दूसरी तिमाही में 30 अरब डॉलर की आय दर्ज की, जो पिछली तिमाही से 15 फीसदी और पिछले साल से 122 फीसदी अधिक है। कंपनी के सीईओ जेन्सन हुआंग ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उनकी 'हॉपर' चिप्स की मांग बनी हुई है और आगामी 'ब्लैकवेल' चिप्स को लेकर भी काफी उत्साह है। डेटा सेंटर में एआई और तेज कंप्यूटिंग तकनीक के लिए बड़े स्तर पर अपग्रेड हो रहे हैं, जिसके चलते कंपनी की कमाई रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। गौरतलब है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में वर्ष 1991 में 3डी गेम खेलने के लिए चिप्स बनाने के लिए स्थापित एनवीडिया ने हाल के वर्षों में एक बहुत ही अलग कारण से अपनी पहचान बनाई है।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 17-22 जनवरी तक एनसीआर में ,गोयल ने किया ब्रोशर का अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत परिवहन उद्योग क्षेत्र की अपनी अब तक की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी वैश्वि प्रदर्शनी एवं सम्मेलन - 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025' का आयोजन 17-22 जनवरी 2025 को करने जा रहा है जो इस बार अपने विस्तार में जर्मनी के म्यूनिख आटो शो को फीका कर सकती है।

नयी दिल्ली के भारत मंडपम और यशो भूमि तथा ग्रेटर नोएडा प्रदर्शनी केंद्र- इन तीन प्रदर्शनी स्थलों पर दो लाख वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में आयोजित की जा रही इस प्रदर्शनी के ब्रोशर और लोगो का अनावरण यहां बुधवार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने किया। प्रदर्शनी में साथ साथ नौ प्रदर्शनी आयोजित की जाएंगी जिसमें

कुल पांच लाख दर्शाकों के आने की संभावना है। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह पदर्शनी अपने तरह की विश्व की नंबर एक प्रदर्शनी होने जा रही है। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के अलावा वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने भी भाग लिया। उद्योग मंडल सीआईआई और अन्य एसोसिएशनों द्वारा वाणिज्य मंत्रालय के सहयो से आयोजित इस प्रदर्शनी में इस बार भारत के द्विवार्षिक आटो एक्सपो को भी समाहित किया जा रहा है जिसमें वाहन विनिर्माता अपने नए नए माडल भी प्रस्तुत कर सकते हैं।

श्री गोयल ने कहा कि यह प्रदर्शनी अपनी शुरूआत के चंद वर्षों में मोबिलिटी क्षेत्र की दूनिया की दूसरी सबसे बड़ी पदर्शनी होने जा रही है और यह वाहन और सहायक उद्योगों में भारत की बढ़ती ताकत की नुमाइश है। श्री गोयल ने कहा कि भारत आज दुनिया में निवेशकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन गया है और इस प्रदर्शनी के प्रति दूनिया भर में आकर्षण इतना अधिक है कि इसके लिए तीन बड़े प्रदर्शनी केंद्र भी कम पड़ रहे हैं।

पेटीएम ने शुरू की यूपीआई स्टेटमेंट डाउनलोड सेवा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने एक नई यूपीआई स्टेटमेंट डाउनलोड सेवा शुरू की है, जो उपयोगकर्ताओं को अपने खर्च पर नजर रखने और टैक्स फाइलिंग को आसान बनाने में मदद करेगी।

कंपनी ने बुधवार को बयान जारी कर बताया कि यह सेवा साफ-सुथरे स्टेटमेंट्स उपलब्ध कराती है, जिससे बजट बनाना और खर्च का हिसाब रखना आसान हो जाता है। यह सुविधा पीडीएफ फॉर्मेट में उपलब्ध है और जल्द ही एक्सेल फॉर्मेट में भी लाई जाएगी। इसमें उपयोगकर्ता किसी भी तारीख या वित्तीय वर्ष का स्टेटमेंट डाउनलोड कर सकते हैं। मोबाइल से भुगतान के बढ़ते इस्तेमाल के साथ यह सेवा उपयोगकर्ताओं की पारदर्शिता और सरल वित्तीय प्रबंधन की जरूरतों को पूरा करती है। इस सुविधा से उपयोगकर्ता ट्रांजैक्शन की राशि, प्राप्तकर्ता का नाम, बैंक अकाउंट

डिटेल्स और समय जैसी जानकारी एक सरल फॉर्मेट में देख सकते हैं। यूपीआई स्टेटमेंट डाउनलोड सुविधा ÷बैलेंस एंड हिस्ट्री÷ सेक्शन में उपलब्ध है, जहां से उपयोगकर्ता अपनी मनचाही तारीख का स्टेटमेंट डाउनलोड कर सकते हैं।

एसबीआई का दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर सुस्त पड़कर 6.5 फीसदी रहेगी। हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया आरबीआई ने दूसरी तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी 7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

स्टेट बैंक के शोध विभाग ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा, घरेलू अर्थव्यवस्था पर कुछ दबाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की जीडीपी में लगभग 6.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज होगी, जो तीसरी और चौथी तिमाही के आंकड़ों के साथ मिलकर चालू वित्त वर्ष 2024-25 की समग्र जीडीपी वृद्धि को 7 फीसदी के करीब पहुंचा सकती है। एसबीआई में समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा कि कई उच्च आवृत्ति संकेतक संकेत देते हैं कि कुल मांग में वृद्धि जारी है।

देश की आर्थिक वृद्धि दर और इसके धीमे होने की आशंका को लेकर चिंताओं के बीच विश्लेषकों ने

कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 में आर्थिक वृद्धि दर 7 फीसदी के करीब पहुंच जाएगी। भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 में यह अनुमान से अधिक 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी है। इसको देखते हुए अधिकांश विशेषज्ञों को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में भी अर्थव्यवस्था में मजबूती जारी रहेगी। रिजर्व बैंक के अनुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी की वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहेगी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी 6.7 फीसदी रही थी।

निसान मोटर इंडिया ने अक्टूबर में 5570 कारें बेंची, नई निसान मैग्नाइट की मांग बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को नई निसान मैग्नाइट के लिए जबर्दस्त मांग देखने को मिली है। इस फेस्टिव सीजन में खरीद के दम पर कंपनी ने अक्टूबर में होलसेल मार्केट में कुल 5570 कारों की बिक्री की। कंपनी ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि पिछले महीने अक?टूबर में हुई कुल बिक्री के तहत निर्यात बाजार में 2449 कारें और घरेलू होलसेल में 3121 कारें बेची गई है। दरअसल, भारतीय बाजार को लेकर निसान की प्रतिबद्धता और ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनी ने हाल ही में नई निसान मैग्नाइट की लॉन्चिंग के साथ अपने प्रोडक्ट लाइन अप को विस्तार दिया है। ये लॉन्चिंग कंपनी की 'वन कार, वन वर्ल्ड' के सिद्धांत के अनुरूप है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 'मेड इन इंडिया' मैग्नाइट को लेकर बढ़ती मांग से निसान 45 से ज्यादा नए बाजारों में अपना निर्यात बढ़ाने में सक्षम हुई है। इसी के साथ कंपनी की मौजूदगी अब 65 से ज्यादा देशों में हो गई है। इनमें लेफ्ट-हैंड ड्राइविंग वाले बाजार भी शामिल हैं। इस उपलब्धि ने निसान के लिए एक महत्वपूर्ण एक्सपोर्ट हब के तौर पर भारत की

स्थिति को मजबूत किया है। इंटीरियर और एक्सटीरियर में बोल्ड एवं स्टाइलिश डिजाइन के साथ नई निसान मैग्नाइट में 20 से ज्यादा फर्स्ट एवं बेस्ट-इन-सेगमेंट फीचर्स और 55 से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स हैं। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि त्योहारी सीजन में नई निसान मैग्नाइट को लेकर दिखी शानदार प्रतिक्रिया के लिए हम अपने मूल्यवान ग्राहकों का धन्यवाद करना चाहते हैं। उन?होंने कहा कि यह देखना सच में प्रेरणादायक है कि कैसे अपने ग्राहकों से मजबूती से जुड़ते हुए मैग्नाइट ने बाजार में नया उत्साह भरा है। वत?स ने कहा कि हम गुणवत्ता, इनोवेशन और कार ऑनरशिप का सुगम अनुभव देने पर फोकस कर रहे हैं। इस त्योहारी सीजन ने ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में नए उत्साह का संचार किया है और हम आगामी महीनों में भी यह सकारात्मक दौर बने रहने को लेकर उत्साहित हैं।

लाभ पंचमी के मुहूर्त के बाद मार्केटिंग यार्ड में नीलामी शुरू, वाहनों की 8 किलोमीटर लंबी कतार लगी

एजेंसी

राजकोट। गुजरात का राजकोट मार्केटिंग यार्ड दिवाली के मिनी वैकेशन के बाद खुल गया। सुबह शुभ मुहूर्त में पूजा-पाठ के बाद नीलामी शुरू की गई। मूंगफली के 20 किलो का भाव 1250 रुपये बोला गया। हालांकि यह न्यूनतम समर्थन मूल्य से 106 रुपये कम था, इसलिए किसान अधिक खुश नहीं दिखे। दिवाली और गुजराती नववर्ष की छुट्टी के बाद लाभ पंचमी से गुजरात के कारोबार-व्यवसाय शुरू हो गए हैं। पहले दिन सोयाबीन, मूंगफली, कपास आदि की बम्पर आवक रही। सूत्रों के अनुसार मूंगफली की पहले दिन करीब 1 लाख बोरी आवक हुई है। वहीं कपास की 20 हजार बोरी और सोयाबीन की 50 हजार बोरी आवक हुई। यार्ड में किसी तरह की अव्यवस्था नहीं हो, इसके लिए यार्ड के चेयरमैन जयेश बोधरा समेत अन्य अधिकारी-पदाधिकारी मौके पर मौजूद रहे। चेयरमैन जयेश बोधरा ने बताया कि बुधवार को लाभ पंचमी से मुहूर्त किया गया है। इसमें सर्वाधिक मूंगफली की 1 लाख बोरी आवक हुई है। किसानों को 20 किलो मूंगफली की कीमत 1250 रुपये मिली है। यह भाव थोड़ा कम है। बारिश के कारण मूंगफली गिली हो गई थी, इसलिए इसकी कीमत कम मिली है। आगामी दिनों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी होगी। तब तक खुले बाजार में मूंगफली की कीमत समर्थन मूल्य से अधिक होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। राजकोट मार्केटिंग यार्ड के निदेशक अतुल कमाणी ने बताया कि लाभ पंचमी का मुहूर्त अच्छा हुआ है। बेमौसमी बारिश से किसानों को नुकसान हुआ है, वहीं कम कीमत मिलने से किसान निराश हुए हैं।

भारत ने एडीबी के साथ उत्तराखंड में बुनियादी ढांचे के लिए 200 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बुधवार को उत्तराखंड में जलापूर्ति, स्वच्छता, शहरी गतिशीलता और अन्य शहरी सेवाओं सहित बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए 200 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि 200 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर भारत सरकार की ओर से वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी और एडीबी की ओर से भारत निवासी मिशन की कंट्री डायरेक्टर मियो ओका ने हस्ताक्षर किए हैं। यह परियोजना राज्य के आर्थिक केंद्र हल्द्वानी में 16 किलोमीटर जलवायु-अनुकूल सड़कों का विकास करेगी। शहर को आपदाओं के खिलाफ तैयार करने के लिए, परियोजना बाढ़

प्रबंधन में सुधार और एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को लागू करने के लिए 36 किलोमीटर तूफानी पानी और सड़क के किनारे नालियों का निर्माण करेगी। इसके साथ ही अन्य चार शहरों में इस परियोजना का लक्ष्य स्मार्ट वाटर मीटर, 26 ट्यूबवेल, नए जलाशयों और 3.5 मिलियन लीटर प्रतिदिन जल उपचार संयंत्र के साथ 1,024 किलोमीटर जलवायु-अनुकूल पाइपलाइनों का निर्माण करके जलसेवा कवरेज को 100 फीसदी तक बढ़ाना है। इस अवसर पर जूही मुखर्जी ने कहा कि विकासनगर में सीवेज ट्रीटमेंट सुविधाओं से स्वच्छता कवरेज में सुधार होगा, जिससे लगभग 2,000 घरों को लाभ होगा। जल आपूर्ति प्रणालियों की निगरानी में महिलाओं की भूमिका को देखते हुए यह परियोजना जल आपूर्ति और स्वच्छता सेवाओं के संचालन और प्रबंधन में कमजोर परिवारों की महिलाओं सहित महिलाओं की क्षमता का निर्माण करेगी। यह परियोजना भारत सरकार के शहरी विकास एजेंडे के साथ-साथ उत्तराखंड सरकार की शहरी सेवाओं को बढ़ाने की पहलों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य शहरों में रहने की क्षमता और स्थिरता को बढ़ावा देना है। कंट्री डायरेक्टर मियो ओका ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य शहरी बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है, जो बाढ़ एवं भूस्खलन जैसे जलवायु और पर्यावरणीय जोखिमों के प्रति लचीला हो, जिससे उत्तराखंड की आबादी की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित हो सके। उन?होंने कहा कि यह परियोजना प्रबंधन, जलवायु और आपदा-प्रतिरोधी योजना, स्वयं के स्रोत से राजस्व सृजन और लैंगिक मुख्यधारा में लाने में राज्य एजेंसियों की क्षमता का निर्माण भी करेगा।

एसीएमई सोलर का आईपीओ खुला, निवेशक 8 नवंबर तक लगा सकेंगे बोली

नई दिल्ली। अक्षय ऊर्जा कंपनी एसीएमई सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 06 नवंबर को निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू के लिए निवेशक 8 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी के शेयर 13 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होंगे। एसीएमई सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 275-289 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 51 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 51 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 2,900 करोड़ रुपये जुटाने की है।

स्विगी लिमिटेड आईपीओ लाई : कंपनी ने एंकर निवेशकों से जुटाए 5085.02 करोड़

एजेंसी

जयपुर। स्विगी लिमिटेड (कंपनी), भारत का अग्रणी ऑन-डिमांड सुविधा प्लेटफ़ॉर्म ने बुधवार को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (ऑफ़र) खोलने का प्रस्ताव किया। बोली-ऑफ़र बंद होने की तिथि आठ नवंबर रखी गई है। एंकर निवेशक बोली तिथि बोली-ऑफ़र खुलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले यानी मंगलवार थी। स्विगी लिमिटेड के डायरेक्टर और इनोवेशन हैड नंदन रेडडी और चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर राहुल बोथरा ने बुधवार को पत्रकारों को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऑफर का प्राइस बैंड ? 371 प्रति इक्विटी शेयर से लेकर ? 390 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 38 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 38 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं। इस ऑफर में 4,499 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू (%ताजा इश्यू%) और विक्रय शेयरधारकों द्वारा 175,087,863 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (%बिक्री के लिए प्रस्ताव%) शामिल है। इस ऑफर में पात्र कर्मचारियों द्वारा सब्सक्रिप्शन के लिए एक रुपया फेस वैल्यू के 750,000 इक्विटी शेयरों का आरक्षण शामिल है। उन्होंने बताया कि रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। यह प्रस्ताव एससीआरआर के नियम 19(2)(बी) के साथ सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियमन 31 के अनुसार है। यह ऑफर सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियमन 6(2) के अनुपालन में बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें शुद्ध ऑफर का कम से कम 75 प्रतिशत योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी और ऐसा हिस्सा क्यूआईबी हिस्सा) को आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध होगा, बशर्ते कि हमारी कंपनी और विक्रय शेयरधारक, बीआरएलएम के परामर्श से, सेबी आईसीडीआर विनियमनों के अनुसार विवेकाधीन आधार पर एंकर निवेशकों को क्यूआईबी हिस्से का 60 प्रतिशत तक आवंटित कर सकते हैं (एंकर निवेशक हिस्सा), जिसमें से एक तिहाई घरेलू म्यूचुअल फंड के लिए आरक्षित होगा, जो कि सेबी आईसीडीआर विनियमनों के अनुसार, एंकर निवेशकों को इक्विटी शेयरों के आवंटन की कीमत (एंकर निवेशक आवंटन मूल्य) पर घरेलू म्यूचुअल फंड से वैध बोलियां प्राप्त होने के अधीन होगा। एंकर निवेशक हिस्से में कम सब्सक्रिप्शन या गैर-आवंटन की स्थिति में, शेष इक्विटी शेयरों को क्यूआईबी हिस्से (एंकर निवेशक हिस्से को छोड़कर) (नेट क्यूआईबी हिस्सा) में जोड़ा जाएगा। इसके अलावा, नेट क्यूआईबी हिस्से का पांच प्रतिशत हिस्सा केवल म्यूचुअल फंड्स को आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध होगा और नेट क्यूआईबी हिस्से का शेष हिस्सा म्यूचुअल फंड्स सहित सभी क्यूआईबी (एंकर निवेशकों को छोड़कर) को आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध होगा, बशर्ते कि ऑफर मूल्य पर या उससे ऊपर वैध बोलियां प्राप्त हों।

रियल एस्टेट दिग्गज डोनाल्ड ट्रंप की संपत्ति 6.7 बिलियन डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। डोनाल्ड ट्रंप की संपत्ति 6.7 बिलियन डॉलर के करीब पहुंच गई है। फोर्ब्स के मुताबिक साल 2023 में डोनाल्ड ट्रंप 2.5 बिलियन डॉलर के मालिक थे लेकिन उनके निवेशों के कारण उनकी संपत्ति में तेज उछाल आया है। फोर्ब्स के अनुसार 5 नवंबर, 2024 तक डोनाल्ड ट्रंप की संपत्ति 6.7 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। उनकी संपत्ति में आई इस वृद्धि की वजह मीडिया कंपनी, ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप, टीएमटीजी के स्टॉक का परिणाम है। ट्रंप की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ की टीएमटीजी पेरेंट कंपनी है, जिसके शेयरों में वृद्धि के कारण भी उनकी संपत्ति में उछाल दर्ज हो रहा है। उल्लेखनीय है कि 78 वर्षीय ट्रंप के पास वैसे तो कई आलीशान बंगले हैं लेकिन फ्लोरिडा स्थित मार-ए-लागो नामक बंगले को सबसे खास माना जाता है, जिसमें ट्रंप अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनकी संपत्तियों में गोल्फ क्लब, ट्रंप पार्क एवेन्यू और ट्रंप वर्ल्ड टावर आदि शामिल हैं। रिपब्लिकन पार्टी के उम?मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 2024 में बहुमत के जादुई आंकड़े 270 के मुकाबले 276 इलेक्टोरल वोट

के साथ लगभग जीत हासिल कर चुके हैं जबकि उनकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेट पार्टी के उम्मीदवार कमला हैरिस को 223 इलेक्टोरल वोट मिले हैं। हालांकि, अभी अंतिम नतीजा आना बाकी है। कुछ राज्यों में मतगणना पूरी नहीं हो सकी है।

आईएफसी ने बजाज फाइनेंस फंड में 40 करोड़ डॉलर का किया निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व बैंक समूह के सदस्य अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) ने आज कहा कि उसने बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल) के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत बीएफएल के एक अरब डॉलर का फंड जुटाने की प्रक्रिया में से 40 करोड़ डॉलर का निवेश किया जाएगा। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इस निधि का उद्देश्य जलवायु वित्त बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना, देश के जलवायु लक्ष्यों का समर्थन करना और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है। आईएफसी के 40 करोड़ डॉलर के ऋण से बीएफएल को दोपहिया, तिपहिया और चारपहिया सहित इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) खरीदने का विकल्प चुनने वाले ग्राहकों के लिए वित्त तक पहुंच का विस्तार करने और ईईसीजी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने में मदद मिलेगी। यह साझेदारी बीएफएल की महिलाओं के स्वामित्व वाले अधिक सूक्ष्म उद्यमों और महिला सूक्ष्म उधारकर्ताओं को वित्तपोषित करने और उनका समर्थन करने की क्षमता को भी बढ़ावा देगी।

बीएफएल के मुख्य वित्तीय अधिकारी और मुख्य परिचालन अधिकारी संदीप जैन ने कहा, ÷हमारे ईएसजी सिद्धांतों द्वारा संचालित जिम्मेदार कारोबारी तरीके, हमारे व्यवसाय करने के तरीके के लिए आधारभूत हैं। आईएफसी का 40 करोड़ डॉलर का वित्तपोषण हमारे वित्तपोषण स्रोतों में विविधता लाने के लिए उत्प्रेरक का काम करता है। इसके साथ, हमारे बकाया जलवायु ऋण वर्ष 2024 में 15 करोड़ डॉलर से वर्ष 2027 में चार गुना बढ़कर 60 करोड़ डॉलर हो जाएगा। यह हमें ईवी और ऊर्जा-कुशल उपभोक्ता वस्तुओं के अधिक उपयोग को सक्षम करने, अधिक महिला-स्वामित्व वाले सूक्ष्म उधारकर्ताओं का समर्थन करने और भारत के समावेशी और कम कार्बन भविष्य में बेहतर योगदान करने में मदद करता है। आईएफसी के दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय निदेशक इमाद एन. फखौरी ने कहा, भारत के लिए अपने शुद्ध-शून्य लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जलवायु वित्तपोषण में तेजी लाना महत्वपूर्ण है। बजाज फाइनेंस में आईएफसी के निवेश से बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे अन्य गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) और निवेशक ऊर्जा-कुशल समाधान, ई-मोबिलिटी और माइक्रोफाइनेंस के लिए अपने वित्तपोषण का विस्तार करने के लिए प्रेरित होंगे। बजाज फाइनेंस एक समान विचारधारा वाले भागीदार के साथ हम देश के लिए हरित विकास को गति देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। साथ ही महिलाओं को सशक्त बनाने और लैंगिक अंतर को कम करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा-उपभोग करने वाला देश है। जैसे-जैसे देश अपने ऊर्जा क्षेत्र का तेजी से विकास कर रहा है, लाखों परिवारों द्वारा नए उपकरण, एयर कंडीशनर और वाहन खरीदने की उम्मीद है। वर्ष 2050 तक एयर कंडीशनर की मांग नौ गुना बढ़ने की उम्मीद है, जिससे ग्रीनहाउस-गैस उत्सर्जन में काफी वृद्धि होगी।

संयुक्त बयान में कहा गया है कि भारत में घरेलू उपकरणों का बाजार वर्ष 2024 में 59.19 अरब डॉलर होने का अनुमान है और सालाना 7.35 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है।

इस पृष्ठभूमि में ईईसीजी भारत के कम कार्बन विकास पथ के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर जब घरों में कुल ऊर्जा खपत का 26 प्रतिशत और बिजली की खपत का 25 प्रतिशत हिस्सा है। ईईसीजी उपभोक्ताओं को बिजली बिलों में बचत करने में मदद करेगा और 2030 तक उत्सर्जन तीव्रता में 45 प्रतिशत की कटौती करने के भारत के लक्ष्य का समर्थन करेगा।

पेड़-पौधों से बनी यह चीज प्रोटीन का खजाना ! इसमें कूट-कूटकर भरे पोषक तत्व, हड्डियों को बना देगी फौलाद

टोफू एक पौष्टिक फूड है, जो प्रोटीन, कैल्शियम और आयरन जैसे पोषक तत्वों का भंडार होता है. टोफू खाने से हार्ट और स्किन हेल्थ बूस्ट होती है. कैल्शियम से भरपूर होने के कारण यह हड्डियों को भी मजबूत बना सकता है. इसके फायदे आपको हैरान कर देंगे.

टोफू सोयाबीन से बना प्रोडक्ट होता है, जो दिखने में पनीर की तरह लगता है. कई लोग इसे सोया पनीर भी कहते हैं. इसे सोया मिल्क से बनाया जाता है और इसमें प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और अन्य पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होती है. टोफू का स्वाद भी पनीर जैसा होता है और जो लोग पनीर नहीं खाते हैं, वे टोफू खाना पसंद करते हैं. टोफू को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि इसमें पोषक तत्वों की भरमार होती है. टोफू प्रोटीन का एक बेहतरीन सोर्स है और वीगन डाइट फॉलो करने वालों के लिए पनीर का बेहतरीन विकल्प है.

वेबएमडी की रिपोर्ट के मुताबिक टोफू प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स है और इसमें सभी जरूरी अमीनो एसिड होते हैं. प्रोटीन मसल्स की ग्रोथ, मसल्स रिपेयरिंग और ओवरऑल ग्रोथ के लिए बेहद जरूरी होता है. टोफू का सेवन करने से शरीर को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन मिलता है, जिससे मसल्स को मजबूती मिलती है. टोफू खाने से शरीर में एनर्जी लेवल अच्छा बना रहता है. टोफू में कोलेस्ट्रॉल नहीं होता और यह ओमेगा-3 फैटी एसिड्स और पॉलीअनसेचुरेटेड फैट्स से भरपूर होता है. इस वजह से यह हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है. यह बैड कोलेस्ट्रॉल कम करता है और हार्ट से जुड़ी बीमारियों का रिस्क कम करता है.

सर्दियों में ड्राई स्किन से बचाएंगे ये 5 फूड्स !

सर्दियों में ड्राई स्किन से बचाएंगे ये 5 फूड्स !आगे देखें...

टोफू में पोटैशियम और मैग्नीशियम की अच्छी मात्रा होती है, जिससे यह हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए भी लाभकारी माना जाता है. यह बीपी को कंट्रोल करता है और इससे होने वाले नुकसान से बचा सकता है. टोफू में कैल्शियम और आयरन की अच्छी मात्रा होती है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए जरूरी होते हैं. खासकर महिलाओं के लिए टोफू का सेवन ज्यादा फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि महिलाओं को हड्डियों की कमजोरी और ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा ज्यादा होता है. कैल्शियम से भरपूर टोफू हड्डियों को मजबूत रखने के लिए जरूरी है, जबकि आयरन खून की कमी दूर करता है.

टोफू वजन घटाने में भी सहायक हो सकता है, क्योंकि यह कम कैलोरी और हाई प्रोटीन फूड होता है. टोफू खाने से लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है और अधिक खाने की इच्छा कम होती है. इसमें फाइबर की भी अच्छी मात्रा होती है, जो पाचन को बेहतर बनाता है और मेटाबोलिज्म को बूस्ट करता है. टोफू को अपने आहार में शामिल करने से वजन नियंत्रित रखने में मदद मिल सकती है. टोफू में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन श्र की मात्रा भी होती है, जो स्किन को हेल्दी रखते हैं और और बालों को मजबूत बनाते हैं. विटामिन श्र त्वचा की एजिंग प्रोसेस को धीमा करता है.

भारत के लिए वैश्विक स्तर पर बदल रहे हैं राजनैतिक एवं रणनीतिक समीकरण

वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां, विशेष रूप से राजनैतिक, रणनीतिक एवं आर्थिक क्षेत्र में, तेजी से बदल रही हैं। नए नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। जी-7, जी-20 एवं नाटो के सामने ब्रिक्स अपने पांव पसारता नजर आ रहा है। अमेरिका के साथ साथ यूरोपीयन देश अपनी चमक खो रहे हैं। इन देशों को विकसित देश तो कहा ही जाता रहा हैं, साथ ही, वैश्विक स्तर पर कई संगठनों को खड़ा करने में इन देशों की महत्वपूर्ण भूमिका भी रही है और इन संगठनों की मदद से इन देशों का दबदबा भी पूरे विश्व में कायम रहता आया है। यूनाइटेड नेशनस, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, नाटो, फाइव आइज, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन, अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठन, जी-7 एवं जी-20 जैसे अन्य कई संगठनों के माध्यम पूरे विश्व में ही लगभग प्रत्येक क्षेत्र को यह विकसित देश प्रभावित एवं नियंत्रित करते रहे हैं। परंतु, आज दक्षिणी अफ्रीकी उपमहाद्वीप के देशों, मध्य एशिया में अरब देशों एवं भारतीय उपमहाद्वीप स्थित देशों ने उक्त संगठनों में सुधार कार्यक्रम लागू करने के लिए आवाज उठाना शुरू कर दिया है। उक्त वर्णित लगभग समस्त अंतरराष्ट्रीय संगठनों की स्थापना 1900-2000 शताब्दी में की गई थी। इतने लम्बे अंतराल के बाद भी विश्व के अन्य देशों को इन संगठनों में महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान नहीं की गई है। कुल मिलाकर, अमेरिका एवं यूरोपीयन देशों का दबदबा इन संगठनों की स्थापना के बाद से ही लगातार कायम रहा है।भारत सदैव से ही एक शांतिप्रिय देश रहा है और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना में विश्वास करता आया है। इन्हीं कारणों के चलते भारत के लगभग समस्त देशों से अच्छे सम्बंध रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस और यूक्रेन दोनों ही देश युद्ध को समाप्त करने में भारत की मदद चाहते हैं तो उधर इजराईल-हमास/लेबनान/ईरान युद्ध में ये समस्त देश भी युद्ध को समाप्त करने में भारत की मदद चाहते हैं। दूसरी ओर, ग्लोबल साउथ सहित कई अफ्रीकी देश भी आज भारत का नेतृत्व स्वीकार करने को तैयार हैं। इन परिस्थितियों के बीच वैश्विक स्तर पर यह मांग बहुत जोर पकड़ती जा रही है कि भारत को यूनाइटेड नेशन्स की सुरक्षा समिति में स्थाई सदस्यता प्रदान की जाए। परंतु रूस, अमेरिका, फ्रांस एवं अन्य वीटो प्राप्त देशों द्वारा भारत का समर्थन किए जाने के बावजूद यह कार्य सम्पन्न नहीं हो पा रहा है क्योंकि चीन नहीं चाहता कि भारत सुरक्षा समिति का स्थाई सदस्य बने और वीटो प्राप्त करने का अधिकारी बने।

उक्त संगठनों के इत्तर हाल ही में सम्पन्न हुई ब्रिक्स समूह देशों की बैठक में रूस, भारत एवं चीन की तिकड़ी बनती हुई दिखाई दे रही है। इस तिकड़ी द्वारा ब्रिक्स समूह की बैठक में लिए गए कुछ निर्णयों के चलते यदि भारत, रूस एवं चीन के बीच बदलते राजनीतिक एवं रणनीतिक सम्बंध इसी प्रकार आगे बढ़ते हैं तो इसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर रणनीतिक, आर्थिक एवं राजनैतिक क्षेत्र पर भी पड़ेगा और आगे आने वाले दिनों में भारत के आर्थिक परिदृश्य में भी व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे। आज विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिकी का भारत के साथ सबसे अधिक व्यापार होता है। दूसरे स्थान पर चीन है। विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद से भारत द्वारा किए जाने वाले तेल के आयात में, रूस से तेल के आयात में बहुत अधिक वृद्धि दर्ज हुई है इससे रूस के साथ भी भारत का विदेशी व्यापार तेजी से आगे बढ़ा है। इसके पूर्व तक भारत का विदेशी व्यापार यूरोपीयन देशों एवं अमेरिका के साथ ही अधिक मात्रा में होता आया है, परंतु हाल ही समय में इसमें कुछ परिवर्तन होता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि एक तो यूरोपीयन देशों की आर्थिक वृद्धि दर कम हो रही है और दूसरे भारत को अपने विदेशी व्यापार में वृद्धि करने हेतु अब नए बाजार की तलाश करना आवश्यक हो गया है। दक्षिणी अफ्रीकी देश, मध्य एशिया के अरब देश, भारतीय उपमहाद्वीप में स्थित देश एवं चीन आदि देशों के रूप में भारत के उत्पादों के लिए एक बड़ा बाजार खड़ा हो सकता है। इस प्रकार, चीन के साथ हुए हाल ही के समझौते से केवल दोनों देशों के बॉर्डर पर ही शांति स्थापित नहीं होगी बल्कि चीन सहित अन्य पड़ौसी देशों के साथ भी भारत के सम्बंध सुधर सकते हैं। अतः भारत, रूस एवं चीन की दोस्ती यदि इसी प्रकार मजबूत होना आगे भी जारी रहती है तो पश्चिमी देशों का दबदबा अब विश्व में कम हो सकता है।

भारत की नीतियों के चलते भारत के विचारों को विश्व के समस्त देश अब गम्भीरता से लेने लगे हैं। भारत वैसे भी विश्व मित्र की भूमिका का निर्वहन करना चाहता है। भारत के आज विश्व के समस्त प्रभावशाली देशों के साथ प्रगाढ़ सम्बंध है। हां, कुछ देशों जैसे चीन के साथ कुछ मुद्दे हैं, जिन्हें सुलझाना शेष हैं परंतु भारत की संघर्ष जैसी स्थिति किसी भी देश के साथ नहीं है। कुछ देशों के साथ हमारी प्रतिस्पर्धा जरूर है परंतु शत्रुता नहीं है। अभी हाल ही में जून 2024 माह में भारत के प्रधानमंत्री ने इटली में जी-7 देशों के सम्मेलन में भाग लिया था, जुलाई 2024 माह में प्रधानमंत्री रूस में थे एवं रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन के साथ यूक्रेन युद्ध को हल करने एवं अन्य विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा में व्यस्त रहे। अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री यूक्रेन में पहुंचे एवं यूक्रेन के रूस के साथ युद्ध को हल करने सम्बंधी प्रयासों को गति देने का प्रयास किया। सितम्बर 2024 में प्रधानमंत्री अमेरिका पहुंचें एवं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ मुलाकात की एवं क्वाड सम्मेलन में जापान, आस्ट्रेलिया, एवं अमेरिका सहित भाग लिया। भारत के प्रधानमंत्री अक्टोबर 2024 में पुनः रूस में ब्रिक्स देशों के सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे। अक्टोबर माह में ही जर्मन के चांन्सलर भारत में पधारे। देखिए, विश्व के मई महत्वपूर्ण मंचों पर आज भारत अपनी उपस्थिति मजबूत तरीके से दर्ज कराता हुआ दिखाई दे रहा है। जी-7, क्वाड एवं ब्रिक्स सभी सम्मेलनों में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका स्पष्टतः दिखाई दे रही है। आज विश्व के समस्त प्रभावशाली देश भारत के साथ अपने सम्बन्धों को प्रगाढ़ करना चाहते हैं क्योंकि भारत का आर्थिक विकास तेज गति से आगे बढ़ रहा है, तेज गति से हो रही इस आर्थिक प्रगति के कारण भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है और भारत पूरे विश्व में एक बहुत बड़े बाजार के रूप में विकसित हो रहा है तथा ये देश भारत में अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात को बढ़ाना चाहते हैं। दूसरे, भारत में कुशल एवं युवा नागरिकों की पर्याप्त उपलब्धता है जिसका उपयोग विश्व के अन्य देश भी करना चाहते हैं। तीसरे, भारत आज विश्व के शक्तिशाली देशों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है एवं सुरक्षा की दृष्टि से भी बहुत शक्तिशाली देश बन गया है, भारत ने बहुत अच्छे स्तर पर अपनी मिलिटरी क्षमता को विकसित किया है। चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते अपने लगभग समस्त पड़ौसी देशों के साथ सम्बंध अच्छे नहीं है, साथ ही कोविड महामारी के दौरान चीन का व्यवहार विश्व के अन्य देशों के साथ ठीक नहीं रहा है, सप्लाई चैन पर आधारित कम्पनियों में समस्या खड़ी हुई थी जिससे लगभग पूरे विश्व में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर विपरीत प्रभाव पड़ा था। अतः विशेष रूप से विकसित देशों ने चीन+1 की नीति का अनुसरण करना प्रारम्भ किया है जिसका सबसे अधिक लाभ भारत को होने जा रहा है और ये देश भारत में अपने निवेश को बढ़ा रहे हैं एवं भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना कर रहे हैं। उक्त कारणों के अतिरिक्त, भारत में स्थिर लोकतंत्र, स्थिर आर्थिक व्यवस्था, स्थिर सरकार एवं भारत के एक शांतिप्रिय देश होने के चलते भी अन्य देशों से निवेशक आज भारत की आकर्षित हो रहे हैं। इस प्रकार आज विश्व के लगभग समस्त शक्तिशाली देश भारत के साथ मजबूत सम्बंध स्थापित करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

.भारत ने भी पिछले वर्ष, अपनी अध्यक्षता में, जी-20 समूह में कुछ अफ्रीकी देशों को शामिल कर अफ्रीकी महाद्वीप के समस्त देशों को प्रभावित करने में सफलता प्राप्त की थी। इन देशों पर इसका बहुत अच्छा असर भी हुआ था। भारत आज विश्व के कई समूहों में अन्य देशों की बीच सेतु के रूप में उभर रहा है। जी-7 से लेकर ब्रिक्स देशों के समूहों में भारत उपस्थित है, रूस एवं यूक्रेन दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने में भारत प्रभावशाली भूमिका निभा सकने की स्थिति में हैं। इसी प्रकार, इजराईल एवं ईरान के बीच भी मध्यस्थता की भूमिका निभाने को भारत तैयार है। भारत को विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ अपने मजबूत होते रिश्तों को भारत के विदेश व्यापार में वृद्धि करने के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए।

संपादकीय

मदरसा शिक्षा पर बड़ा फैसला

मंगलवार 5 नवंबर को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए उत्तरप्रदेश मदरसा अधिनियम 2004 को मान्यता बरकरार रखी है। दरअसल इसी साल 22 मार्च को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मुलायम सिंह सरकार द्वारा बनाए गए इस अधिनियम को असंवैधानिक करार देते हुए धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ बताया था। उच्च न्यायालय के जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने उप्र की योगी आदित्यनाथ सरकार को एक योजना बनाने का निर्देश भी दिया था, ताकि वर्तमान में मदरसों में पढ़ रहे छात्रों को औपचारिक शिक्षा प्रणाली में समायोजित किया जा सके।गौरतलब है कि 2004 में बनाए गए मदरसा अधिनियम का मकसद मदरसा शिक्षा को व्यवस्थित करना था। इसमें मदरसा शिक्षा को अरबी, उर्दू, फारसी, इस्लामी अध्ययन, तिब्ब (पारंपरिक चिकित्सा), दर्शन और अन्य विषयों की शिक्षा के रूप में परिभाषित किया गया है। उत्तर प्रदेश में लगभग 25 हजार मदरसे हैं। जिनमें से साढ़े 16 हजार मदरसे उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड की ओर से मान्यता प्राप्त हैं। इनमें से 560 मदरसों को सरकार से आर्थिक मदद मिलती है। इसके अलावा, राज्य में साढ़े आठ हजार गैर-मान्यता प्राप्त मदरसे भी चल रहे हैं। मदरसा शिक्षा बोर्ड स्नातक और पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री देता है। इनको क्रमशः कामिल और फाजिल कहा जाता है। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मदरसे कामिल और फाजिल की डिग्री नहीं दे सकेंगे, क्योंकि यह यूजीसी के अंतर्गत आते हैं। मगर मदरसों के छात्र 12वीं तक की शिक्षा पहले की तरह ले सकेंगे।दरअसल यहां मसला इस बात का नहीं है कि बच्चों को कौन सी डिग्री मिल रही है और कौन सी नहीं। असल सवाल उस अधिकार का है, जो संविधान के दायरे में रहकर अल्पसंख्यक समुदाय को दिया गया था, लेकिन उसके हनन के खतरे खड़े हो गए थे। मार्च 2024 में अंशुमन सिंह राठौड़ की याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जब मदरसा अधिनियम के खिलाफ फैसला सुनाया था, तो इसे धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बताया था। इस फैसले के बाद उप्र सरकार ने मदरसों के खिलाफ तमाम फरमान जारी कर दिए थे। मदरसों की मनमानी जांच शुरू कर दी गई। हालांकि इन सभी मदरसों में आधुनिक शिक्षा दी जा रही थी लेकिन सरकार ने अपना आदेश जारी कर यह भी प्रचारित किया कि मदरसों में आधुनिक शिक्षा नहीं दी जा रही। जबकि मदरसों के छात्र धार्मिक तालीम के साथ-साथ इतिहास, भूगोल, गणित और विज्ञान आदि उर्दू या अरबी के जरिए पढ़ते हैं।इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ कई याचिकाएं दायर की गईं। इनमें अंजुम कादरी, मैनेजर्स एसोसिएशन मदरिस अरबिया (उप्र), ऑल इंडिया टीचर्स एसोसिएशन मदरिस अरबिया (नई दिल्ली), मैनेजर एसोसिएशन अरबिया मदरसा नए बाजार और टीचर्स एसोसिएशन मदसिर अरबिया कानपुर शामिल थे। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि इस फैसले में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए बनाए गए संविधान के अनुच्छेद 30 पर भी ध्यान नहीं दिया गया, जो धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को शैक्षिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन के अधिकार की गारंटी देता है। सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने भी उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ आदेश सुनाते हुए धर्मनिरपेक्षता को लेकर जो कुछ कहा, वह भविष्य के लिए भी मिसाल बन गया है। अदालत ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता की सकारात्मक अवधारणा के लिए राज्य को अल्पसंख्यक संस्थानों के साथ धर्मनिरपेक्ष संस्थानों के समान व्यवहार करने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता होती है, जबकि उन्हें अपने अल्पसंख्यक चरित्र को बनाए रखने की अनुमति होती है। सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता राज्य को सभी व्यक्तियों के साथ समान व्यवहार करने के लिए कुछ व्यक्तियों के साथ अलग व्यवहार करने की अनुमति देती है। सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा मौलिक समानता के सिद्धांत में संगति पाती है।इस व्याख्या के बाद संविधान प्रदत्त अधिकारों की जो मनमानी व्याख्या सत्तारुढ़ दल अपने छिपे एजेंडे को लागू करने के लिए करते हैं, उन पर शायद अंकुश लगे। दरअसल मदरसों को लेकर तमाम तरह की भ्रांतियां बीते कुछ बरसों में फैलाई गईं। इसी तरह मिशनरी स्कूलों को लेकर भी पूर्वाग्रह फैलाए गए और देश में कई जगहों पर इन स्कूलों में अराजक तत्वों द्वारा अशांति फैलाने की कोशिशें भी हुईं।

वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में रिकार्ड उछाल

भारत का सोना और चांदी का आयात मुख्य रूप से पांच देशों से होता है, जिसमें स्विट्जरलैंड सोने के आयात का प्राथमिक स्रोत है, जबकि इसके बाद दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, गिनी और बोलीविया हैं। 2023-24 में यूएई से भारत के सोने और चांदी के आयात में 210 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दिलचस्प बात यह है कि भारत शायद दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां निजी सोने की जमाखोरी का अधिकांश हिस्सा निम्न मध्यम आय वर्ग के पास है। चीन में, उच्च मध्यम आय वर्ग के पास देश की सोने की बचत का अधिकांश हिस्सा है।

यूरोप और एशिया में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों द्वारा पहले से कहीं ज़्यादा सोना खरीदने के कारण पिछले साल से सोने की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। आने वाले महीनों में सोने की कीमतों में उछाल का सिलसिला जारी रह सकता है, जब तक कि दुनिया में जल्द ही शांति और आर्थिक स्थिरता वापस नहीं आ जाती। हालांकि, निकट भविष्य में शांति और वित्तीय स्थिरता आने की संभावनाएं बहुत कम हैं क्योंकि ईरान ने इजरायल और हमास के उग्रवादियों के बीच युद्ध में दखल देते हुए इजरायल पर मिसाइलें फेंकी हैं और बाद में इजरायल ने भी चुनिंदा ईरानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर जवाबी मिसाइल हमलों के साथ जवाब दिया है।सालों पुराना हमास-इजरायल युद्ध के अब ईरान और पश्चिम एशिया के कुछ अन्य हिस्सों में फैलने का खतरा है। इसी तरह, दो साल पुराना रूस-यूक्रेन युद्ध एक बुरा मोड़ ले सकता है, क्योंकि उत्तर कोरिया रूस में सेना भेज रहा है, जिससे यूक्रेन पर दबाव बढ़ रहा है। पिछले हफ्ते, पेंटागन ने पुष्टि की कि लगभग 10,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों को प्रशिक्षण के लिए रूस भेजा गया है और माना जा रहा है कि वे %अगले कुछ हफ्तोंठ्ठा में यूक्रेन के खिलाफ़ लड़ाई में शामिल हो जायेंगे।कई क्षेत्रों में भू-राजनीतिक स्थिति गंभीर है। शायद यही कारण है कि अनेक देशों के केंद्रीय बैंक भारी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं। 2024 की पहली छमाही के दौरान, केंद्रीय बैंकों ने रिकॉर्ड 483 टन सोना खरीदा, जो 2023 में 460 टन के पिछले रिकॉर्ड से पाँच प्रतिशत अधिक था। 2024 की पहली छमाही में तुर्की सोने का सबसे बड़ा खरीदार था, जिसने 45 टन सोना खरीदा। भारतीय रिज़र्व बैंक 2024 में लगातार सोना खरीद रहा है, और सितंबर 2024 तक, इसने अपने घरेलू सोने के भंडार में 100 मीट्रिक टन से अधिक की वृद्धि की है।

पोलैंड का राष्ट्रीय बैंक भारत के साथ संयुक्त रूप से सबसे बड़ा स्वर्ण खरीदार बन गया है। चीन पिछले 18 महीनों से अपने स्वर्ण भंडार में लगातार वृद्धि कर रहा है। देश का केंद्रीय बैंक पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना अपनी परिसंपत्तियों में विविधता लाने, विदेशी मुद्राओं पर अपनी निर्भरता कम करने, मौद्रिक नीति में लचीलापन बढ़ाने, बढ़ती अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने के लिए अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि कर रहा है। उभरते बाजार के सभी बैंक सोना खरीद रहे हैं। केंद्रीय बैंक डॉलर से अलग अपनी आरक्षित परिसंपत्तियों में विविधता लाने और अपने भंडार को मजबूत करने के लिए सोना खरीद रहे हैं। यह प्रवृत्ति डी-डॉलरीकरण के व्यापक विषय का हिस्सा है। संयोग से, चांदी की कीमतें भी इसी के साथ बढ़ रही हैं।भारतीय अमीर मध्यम वर्ग द्वारा सोने की निरंतर घबराहट भरी खरीद के कारण, देश में पीली धातु की खुले बाजार की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

पिछले साल अक्टूबर के मध्य में, 22 कैरेट सोने की कीमतें 53,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 24 कैरेट सोने की कीमतें 58,530 रुपये प्रति 10 ग्राम थीं। कुछ ही महीनों में, इस साल 31 जनवरी को 24 कैरेट सोने की कीमत 63,970 रुपये प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट सोने की कीमत 58,650 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। चांदी की कीमत 76,500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। पिछले महीने के अंत में, दिल्ली में सोने की कीमत 81,343 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गयी। राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमत 103,200रुपये प्रति किलोग्राम थी। हालांकि नवंबर में कीमतें अस्थायी रूप से थोड़ी कम हो सकती हैं, लेकिन आने वाले शादी के मौसम में वे फिर से बढ़ने के लिए बाध्य हैं।

अमीर लोग मुद्रास्फीति के खिलाफ सुरक्षा के लिए लगातार अपनी अतिरिक्त रुपये की संपत्ति को सोने में दबा रहे हैं। नाममात्र जीडीपी में दुनिया में भारत की अनुमानित प्रति व्यक्ति आय रैंक 136वीं है, जो 2022 मं 2,089.73 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गयी है। देश ने दुनिया में सोने का पांचवां सबसे बड़ा आयातक होने का गौरव प्राप्त किया है, जो वैश्विक आयात का नौ प्रतिशत से अधिक है। 2023-24 में भारत का सोने का आयात साल-दर-साल 30 प्रतिशत बढ़ा है। अगस्त 2024 में, भारत ने रिकॉर्ड सोने के आयात की सूचना दी, जो कुल 10 अरब डॉलर था, जो पिछले महीने से तीन गुना वृद्धि थी। इस वर्ष के दौरान, भारत ने पहले चार महीनों में 2023 की तुलना में अधिक चांदी का आयात किया। फरवरी 2024 में, भारत का चांदी का आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, और वर्ष में 66 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद थी।

भारत का सोना और चांदी का आयात मुख्य रूप से पांच देशों से होता है, जिसमें स्विट्जरलैंड सोने के आयात का प्राथमिक स्रोत है, जबकि इसके बाद दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, गिनी और बोलीविया हैं। 2023-24 में यूएई से भारत के सोने और चांदी के आयात में 210 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दिलचस्प बात यह है कि भारत शायद दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां निजी सोने की जमाखोरी का अधिकांश हिस्सा निम्न मध्यम आय वर्ग के पास है। चीन में, उच्च मध्यम आय वर्ग के पास देश की सोने की बचत का अधिकांश हिस्सा है। लगभग हर जगह, उच्च आय वर्ग के पास निजी ोने की अधिकांश जमाखोरी होती है।

दुनिया के शीर्ष निजी सोना जमा करने वाले देशों में शामिल हैं- अमेरिका (8,133 टन), जर्मनी (3,352 टन), इटली (2,452 टन), फ्रांस (2,437 टन), चीन (2,264 टन), जापान (846 टन), भारत (841 टन) और नीदरलैंड (612 टन)।

सोना शायद एकमात्र ऐसी वस्तु है, जिसकी मांग कीमत के साथ बढ़ती है। चालू वर्ष की तीसरी तिमाही (क्क3) के परिणामों के अनुसार, कुल सोना मांग में साल दर साल रिकॉर्ड पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह मजबूती सोने की कीमत में परिलक्षित हुई, जो तिमाही के दौरान कई नये रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गयी। मांग का मूल्य साल दर साल 35 प्रतिशत बढ़कर पहली बार 100अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, सोने की छड़ और सिक्कों में निवेश (269 टन) में साल दर साल नौ प्रतिशत की गिरावट आयी, जो कि 2023 की अपेक्षाकृत मजबूत तीसरी तिमाही से कम है।

गिरावट का अधिकांश हिस्सा दो या तीन प्रमुख बाजारों तक सीमित था, जिसे भारत में एक बहुत मजबूत तिमाही द्वारा संतुलित किया गया। भारत में मजबूत वृद्धि के बावजूद सोने के आभूषणों की खपत (459 टन) में साल दर साल 12 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि उपभोक्ताओं ने कम मात्रा में खरीदारी की, लेकिन सोने के आभूषणों पर उनका खर्च बढ़ गया। मांग का मूल्य साल दर साल 13 प्रतिशत बढ़कर 36 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया। वैश्विक स्वर्ण मूल्यों को नियंत्रित करने वाले सामान्य कारक जैसे भू-राजनीतिक तनाव, मुद्रास्फीति संबंधी दबाव, केंद्रीय बैंक की खरीद, बांड प्रतिफल और अमेरिकी डॉलर की मजबूती या कमजोरी आदि भारत के विशाल निम्न मध्यम आय वर्ग को चिंतित नहीं करते हैं।

मास्टर स्तर पर रोजगार से सीधे-सीधे रिश्ता जोड़ने में जिन कोर्स ने अपनी पहचान बनाई है, उनमें एमआईबी भी एक है. एमआईबी का मतलब है मास्टर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस. करीब 15 साल पहले शुरू किया गया यह कोर्स दिल्ली विश्वविद्यालय में खासा लोकप्रिय हो रहा है.

विश्व बाजार में नेतृत्व का हुनर सिखाए

एमआईबी

मास्टर स्तर पर जिन छात्रों को रोजगार की जरूरत होती है वे इस कोर्स में दाखिले का दरवाजा खटखटाते हैं. यह कोर्स छात्रों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में कॉरपोरेट जगत से रिश्ते बनाने का हुनर सिखाता है. इसके जरिए छात्रों में न सिर्फ ग्लोबल बिजनेस की गति को पहचानने की क्षमता ही नहीं बल्कि उसकी समझ, विश्लेषण और कम्युनिकेशन स्किल भी पैदा किया जाता है. इसके लिए लेक्चर, ट्यूटोरियल, केस स्टडीज, सेमिनार, बिजनेस गेम्स और अन्य आधुनिक तरीकों का सहारा लिया जाता है. इसके बाद कैट के स्कोर के आधार पर छात्रों को दाखिले की प्रक्रिया में शामिल होने का मौका मिलेगा.

कोर्स प्रोफाइल

दो साल के इस कोर्स में चार सेमेस्टरों में छात्रों को बिजनेस मार्केटिंग स्किल, वैश्विक बिजनेस के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक पहलू के साथ ही अन्य बातों के बारे में बताया जाता है. विश्व बाजार में चल रही प्रतिस्पर्धा, उससे निपटने की रणनीति, मानव संसाधन के बेहतर उपयोग, उसके लिए नवीनतम ज्ञान और तकनीक के इस्तेमाल की जानकारी दी जाती है.

एक कुशल प्रबंधक के लिए क्या-क्या जरूरी हैं, बिजनेस लीडर बनने के लिए किन-किन गुणों पर विशेष ध्यान देना चाहिए, इसकी जानकारी दी जाती है. सिर्फ थ्योरी स्तर पर ही नहीं, इसके लिए उसे केस स्टडीज, सेमिनार, पेपर प्रजेन्टेशन और कार्यशाला का भी काम करना होता है. समूह के बीच काम करने और कंपनी के सामने बाजार की विभिन्न चुनौतियों से निपटने के तत्वों के बारे में भी बताया जाता है. निर्णय लेने की क्षमता की परख की जाती है. उसके लिए आवश्यक हुनर से भी लैस किया जाता है. यही नहीं, कोर्स के अंदर बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण मिले, इसके लिए छात्र-शिक्षक का अनुपात 13.1 रखा गया है. केस स्टडीज के तहत प्रतिभागी को एक मैनेजर के रूप में काम करना होता है. वह अपने आइडिया और समस्याएं तथा समकालीन मामलों को भी सामने रखता है.

क्या कहते हैं छात्र

एमआईबी के पूर्व छात्र रूपेश गांगुली इसे रोजगार के लिहाज से मैनेजमेंट प्रोग्राम सरीखा मानते हैं. गांगुली ने बताया कि रामजस कॉलेज से बीएससी करने के बाद जेएनयू एमएससी इनफॉग्रेटिक्स साइंस में दाखिला लिया. वहां से कोर्स करने के बाद रोजगार को ध्यान में रखते हुए इसकी तैयारी की और प्रवेश परीक्षा में सफल हुआ. यह कोर्स सभी विषय के छात्रों को अवसर दिलाने में कामयाब है. यह सभी वर्ग और पृष्ठभूमि के छात्रों को आगे आने और दाखिला पाने का मौका देता है. यह अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम वाले छात्रों के सपने को भी साकार करता है. इसकी फीस भी मैनेजमेंट प्रोग्राम से काफी कम है. फीस के लिए बैंक लोन भी मुहैया कराते हैं. प्लेसमेंट छात्रों के लिए अक्टूबर के मध्य में बड़ी-बड़ी कंपनियों के साथ एक प्लेसमेंट का कार्य भी आयोजित किया जाता है. इनमें विभिन्न निजी कंपनियां आती हैं. प्लेसमेंट के लिए अल्यूमनाई की विशेष भागीदारी होती है.

दंत चिकित्सा

कमाई का सदाबहार क्षेत्र

सुंदर और स्वस्थ दिखने की प्रतिस्पर्धा में लोग आज सुंदर चेहरे के साथ-साथ चमकदार दांत भी चाहते हैं. मेडिकल क्षेत्र में रुचि लेने वाले युवाओं के लिए आज यह बेहतरीन करियर विकल्प है.

हमारे देश में अधिकतर लोग दांतों की बीमारियों से त्रस्त हैं. लोगों को अपने दांतों और मसूढ़ों को स्वस्थ रखने के लिए जिस अनुपात में चिकित्सकों की जरूरत है, वे हैं नहीं! आज भी दंत चिकित्सक बड़े शहरों और नगरों में ही मुख्य तौर पर उपलब्ध हैं. ऐसे में, यदि डेंटिस्ट बनकर अपना करियर संवारा जाए तो यह बेहतर विकल्प हो सकता है.

योग्यता - डेंटिस्ट बनने के लिए फिजिक्स, केमेस्ट्री और बायोलॉजी विषय के साथ कम से कम 50 फीसद अंकों के साथ 12वीं उत्तीर्ण होना जरूरी है. इसके बाद केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित नीट यानी नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट पास करना होता है. टेस्ट में ऑब्जेक्टिव टाइप के 180 प्रश्न होते हैं. ये प्रश्न बायोलॉजी, जूलोजी, फिजिक्स और केमेस्ट्री से होते हैं.

इस परीक्षा में सफल होने के बाद ही उम्मीदवार को डेंटल कॉलेज में चार वर्षीय ऑल बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) में दाखिले का मौका मिलता है. यह कोर्स और प्रवेश परीक्षा डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त है. इसके अलावा, राज्य स्तर पर भी परीक्षाओं के माध्यम से बीडीएस में प्रवेश पाया जा सकता है. डिग्री हासिल करने के बाद पांचवें साल में एक साल की इंटर्नशिप होती है. यह कोर्स का अनिवार्य हिस्सा है.

स्पेशलाइजेशन - बीडीएस कोर्स करने के बाद स्पेशलाइजेशन और गहन चिकित्सा का ज्ञान हासिल करने के लिए एमडीएस में भी प्रवेश जरूरी है. मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी में भी दाखिला प्रवेश परीक्षा के जरिए मिलता है. एमडीएस में स्पेशलाइजेशन विभिन्न तरह के हैं. इनमें इंडोडांटिक्स, ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी, ओरल सर्जरी, ऑर्थोडोनटिक्स, पेडोडोंटिक्स, पेरिडोंटिक्स एवं प्रोस्थोडोंटिक्स जैसे क्षेत्र शामिल हैं. इनमें से किसी एक क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करनी होती है. दंत चिकित्सा में विशेषज्ञ बनने के लिए इससे जुड़े प्रैक्टिस प्रोग्राम और देश-दुनिया में हो रहे नए प्रयोग, अनुसंधान और इलाजों की भी जानकारी रखनी होती है. डिग्री हासिल करने के बाद कई तरह के सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी किया जा सकता है, जिससे दंत चिकित्सा के बारे में जानकारी अपडेट की जा सके.

फीस - सरकारी डेंटल कॉलेजों में बीडीएस कोर्स करने की फीस करीब एक लाख रुपये है लेकिन परेशानी की बात यह है कि देश में डेंटल कॉलेजों की संख्या काफी कम है. निजी कॉलेजों में चार साल की फीस 10 लाख रुपये से ऊपर है. एमडीएस कोर्स की फीस भी सरकारी में काफी कम है लेकिन निजी कॉलेजों में विभिन्न स्पेशलाइज्ड विभाग की अलग-अलग है. यह 25 लाख रुपये से ऊपर जाती है. गरीब वर्ग के जो छात्र मेरिट में आते हैं, उनके लिए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्कॉलरशिप की व्यवस्था है.

अवसर - वर्तमान में देश में डेंटल सर्जन की सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों में काफी मांग है. आज पूरे देश में निजी अस्पतालों का जाल बिछ चुका है. इनमें बेहतर पैकेज और सुविधा के साथ दंत चिकित्सकों को नियुक्त किया जा रहा है. इसी तरह, निजी नर्सिंग होम और सरकार के बड़े डिस्पेंसरी में भी दंत चिकित्सक नियुक्त किये जा रहे हैं. सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों के अलावा रेलवे और रक्षा क्षेत्रों द्वारा संचालित अस्पतालों में डेंटिस्ट की नियुक्तियां करती हैं. टूथ पेस्ट बनाने और मसूढ़ों की देखरेख करने वाली कंपनियां अपने यहां ऐसे लोगों को बतौर विशेषज्ञ नियुक्त कर रही हैं. इसके अलावा, स्वरोजगार के तौर पर निजी क्लीनिक भी खोल सकते हैं. दंत चिकित्सा में उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद अध्यापन कार्य से भी जुड़ सकते हैं. दंत चिकित्सा को लेकर यहां रिसर्च भी कर सकते हैं.

कॉलेज - मेडिकल कॉलेज मौलाना आजाद डेंटल कॉलेज, नई दिल्ली फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली ईएसआई सी डेंटल कॉलेज, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस, सकिंदराबाद गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज, अहमदाबाद डेंटल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय डॉ आर. अहमद डेंटल कॉलेज, कोलकाता

वेतनमान - दांतों के डॉक्टर का शुरुआती वेतनमान सरकारी अस्पताल में 50 हजार रुपये से ज्यादा है. जैसे-जैसे अनुभव में इजाफा होता जाता है, वेतन में बढ़ोतरी होती जाती है. सीनियर डॉक्टर के रूप में वेतनमान डेढ़ लाख से ऊपर है. इसी तरह, निजी कॉलेजों में कमाई क्लीनिक चलने पर है. यह लाख रुपये से दस लाख रुपये तक हो सकती है. इसमें खासी मेहनत और पहचान की जरूरत पड़ती है.

बनें सेना में कानूनविद

यदि आप लॉ जानते हैं तो सेना में भी करियर बनाया जा सकता है. भारतीय सेना में जज एडवोकेट जनरल (जेएजी) डिपार्टमेंट में भी काफी संख्या में भर्तियां होती हैं. यहां लॉ से ग्रेजुएट करने के बाद नौकरी मिलती है.

क्या है जेएजी

जज एडवोकेट जनरल डिपार्टमेंट को जेएजी नाम से जाना जाता है. इसमें योग्य आर्मी ऑफिसर लिये जाते हैं जो सेना के कानूनों के जानकार होते हैं और सेना को सभी तरह की कानूनी सहायता करते हैं.

योग्यता - भारतीय सेना हर साल लॉ ग्रेजुएट की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी करती है. सेना से संबंधित डिपार्टमेंट ऑफ लीगल एडवोकेट जनरल द्वारा शॉर्ट सर्विस कमीशन के लिए 21 से 27 वर्ष के बीच की उम्र वाले अभ्यर्थी ही पात्र हैं. इसमें विवाहित/अविवाहित दोनों तरह के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं और इन पदों पर पुरुष और महिला, दोनों की भर्ती होती है. अभ्यर्थी के पास एलएलबी में कम से कम 55 फीसद अंक होना चाहिए और यह ग्रेजुएशन के बाद तीन वर्षीय या बारहवीं के बाद पांच वर्षीय डिग्री हो. इसके अलावा, अभ्यर्थी बार काउंसिल ऑफ इंडिया से भी रजिस्टर्ड होने चाहिए. इसके अलावा हाइट, वेट, टैटू आदि पर भी ध्यान दिया जाता है.

ध्यान रखें

जो भी अभ्यर्थी इस फील्ड में आने की चाहत रखते हैं, वे खुद को फिजिकली फिट रखें. वे पंद्रह मिनट में 2.4 किलोमीटर दौड़ सकते हों. साथ ही उन्हें पुशअप, सिटअप्स, चिनअप्स और रस्सीकूद आदि आती हो.

चयन प्रक्रिया

इसमें चयन प्रक्रिया काफी लंबी होती है और यह पांच दिनों की होती है. इसके लिए कोई लिखित परीक्षा नहीं होती. पहले दिन साइकोलॉजिकल एप्टीटयूड टेस्ट होता है. इन पांच दिनों में अभ्यर्थी का मेरिट का प्रदर्शन, प्रैक्टिकल और प्रॉब्लम को हल करने की क्षमता, मेडिकल टेस्ट आदि प्रक्रियायें पूरी होती हैं. हर दिन की समाप्ति पर कुछ लोगों के समूह को अगले राउंड के लिए चुना जाता है और बाकी को चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है. इस प्रक्रिया में तीन चरण अपनाए जाते हैं- स्क्रीनिंग, रिकमेंडेशन और मेडिकल टेस्ट. अभ्यर्थी को कई टेस्ट से गुजरना पड़ता है. इसके बाद उनकी स्क्रीनिंग होती है और फिर अगले चरण के लिए शार्ट लिस्ट किया जाता है. इंटरव्यू की कई प्रक्रियाओं और फिजिकल टेस्ट भी आयोजित किया जाता है. इसमें सफल होने वाले अभ्यर्थी की मेडिकल जांच की जाती है और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होता है.

प्रशिक्षण - चयनित अभ्यर्थियों को चेन्नई स्थित ऑफीसर्स ट्रेनिंग एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त करना होता है, जो 49 हफ्तों का होता है. इसे सफलतापूर्वक करने के बाद अभ्यर्थियों को कमीशन मिलता है और उनकी नियुक्ति बतौर लेफ्टिनेंट होती है. प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थी न तो शादी कर सकते हैं और न ही अपने माता-पिता के साथ रह सकते हैं. प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को मद्रास विश्वविद्यालय की ओर से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डिफेंस मैनेजमेंट एंड स्ट्रेटजिक स्टडीज की डिग्री प्रदान की जाती है.

नियुक्ति - ऑफिसर्स के शॉर्ट सर्विस कमीशन में आने पर रेग्युलर आर्मी में नौकरी 14 वर्ष की होती है. पहले उन्हें दस साल तक नौकरी पर रखा जाता है. इसके पूरा होने पर चार साल और बढ़ाये जाते हैं.

आवेदन - योग्य अभ्यर्थी आर्मी द्वारा घोषित नोटिफिकेशन में दिए गए फार्मेट को सादे कागज पर लिख कर आवेदन कर सकता है. आवेदन डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ रिक्रूटिंग को दिल्ली स्थित आर्मी हेडक्वार्टर्स के पते पर भेजे जाने होते हैं.

पैरा-मैडीकल कोर्सेज में संवारें कॅरिअर

यदि आपकी बारहवीं परीक्षा की श्रेणी या अंक बहुत अच्छे नहीं हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। इसकी वजह यह है कि पैरा-मैडीकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए सी.पी.एम.टी. जैसी कठिन प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होती। डॉक्टर जब मरीज को देख लेता है उसके बाद (कुछ मामलों में डाक्टर से पहले भी) सारा काम पैरा-मैडीकल के लोग ही संभालते है।

मरीज के खून, पेशाब, बलगम, वीर्य, टिश्यू आदि की जांच करनी हो, उसका एक्स-रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एम.आर.आई., अल्ट्रा साऊंड, सी.टी. स्कैन, टी.एम.टी.,पी.एफ.टी., मैमोग्राफी आदि इंजैक्शन व दवा देनी हो तथा इसके अलावा भी अनेक ऐसे काम हैं जिसे पैरा-मैडीकल स्टाफ ही करता है। आप्रेशन करते समय एक डाक्टर को असिस्ट करने के लिए पैरा-मैडीकल स्टाफ होता है। मैडीकल फील्ड का लगभग सारा टैक्निकल स्टाफ पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही आता है। इसके तहत प्रमुख कोर्स व संबंधित कार्य इस प्रकार हैं- मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी , एक्स-रे टैक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी/रेडियोग्राफी, ऑप्टोमीट्री या ऑप्थाल्मिक टैक्नोलॉजी, प्रॉस्थैटिक एवं ऑर्थोटिक इंजीनियरिंग, फिजियोथैरिपी एंड ऑक्युपेशनल थैरेपी, डैंटिस्ट असिस्टैंट, स्पीच थैरेपी एंड ऑडियोलॉजी, क्लीनिकल चाइल्ड डिवैल्पमैंट, रिहैबिलिटेशन, मैडीकल ट्रांसक्रिप्शन, कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्स कोर्स (मेल/फीमेल/मल्टीपर्पज़) ऑप्रेशनल थैरेपिस्ट असिस्टैंट/ ऑप्रेशन थिएटर असिस्टैंट व टैक्नीशियन कोर्स, कॉर्डियोलॉजी टैक्नीशियन कोर्स, सी.टी. स्कैन टैक्नीशियन कोर्स।

इनके साथ ही फॉर्मेसी, नर्सिंग एवं मिडवाइफरी तथा साइकोलॉजी की गणना भी पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही की जाती है। उपरोक्त सभी कोर्सों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, बी.एससी., एम.एससी., बैचलर या मास्टर डिग्री विभिन्न मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रदान की जाती है।

जानकारी

सर्दियों में ड्राई होती है स्किन, ये टिप्स फॉलो कर पाएं जादुई निखार

सर्दियां आते ही आपको अपनी स्किन में काफी बदलाव नजर आएंगे जैसे कि स्किन में खिंचाव, सूखापन और ग्लो का चला जाना। सर्दियां आते ही स्किन ड्राई हो जाती है। सर्दियों में स्किन का सबसे ज्यादा ख्याल रखना पड़ता है। हम बदलते मौसम को तो नहीं रोक सकते, लेकिन अपनी लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव कर स्किन को सुंदर और हेल्थी जरूर बना सकते हैं।

ऐसे रखें त्वचा का ख्याल?

सबसे पहले बहुत गर्म पानी से न नहाकर गुनगुने पानी से नहाएं। गर्म पानी स्किन के नेचुरल ऑयल्स हटा देता है, जिसकी वजह से स्किन बहुत ड्राई हो जाती है। अगर आपकी स्किन ड्राई ही है तो चेहरे और शरीर पर साबुन का इस्तेमाल कम करें। साबुन आपकी स्किन को काफी नुकसान पहुंचाता है। फेस वॉश या बॉडी वाश का पीएच (पोटेंशियल ऑफ हाइड्रोजन) आपकी स्किन के पीएच के समान होता है, जिसके इस्तेमाल से ड्राइनेस काम होती है। फिर भी अगर आपको चेहरे पे काफी ड्राइनेस महसूस हो तो अपने चेहरे को साबुन या फेसवाश की जगह क्लींजिंग मिल्क से साफ करें, इसके बाद एक अल्कोहल फ्री टोनर और मॉश्चराइजर का भी इस्तेमाल करें।

अगर आपकी स्किन ड्राई है तो शरीर के लिए एक अच्छा बॉडी लोशन या बॉडी बटर का इस्तेमाल करें और चेहरे के लिए एक अच्छा मॉइस्चराइजर पास रखें। एक अच्छा मॉइस्चराइजर या बॉडी लोशन खरीदते समय याद रखें कि उसमें शीया बटर या कोकोआ बटर, अच्छे नेचुरल ऑयल्स जैसे बादाम, जैतून और ग्लिसरीन हों।

- यदि आपकी स्किन ऑयली है तो भी उसमें पानी की कमी होती है। इस समय आपके चेहरे को एक जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर की जरूरत होती है, जिसमें ऑयल न हो पर अच्छे मॉइस्चराइजिंग एजेंट्स जैसे अलोवेरा, ग्लिसरीन, हैलुरोनिक एसिड, कुकुम्बर और वाटरमेलन के गुण हों। आप जितना पानी पीएंगे, आपकी स्किन उतनी हाइड्रेटेड रहेगी। भले ही आपको सर्दियों में कम प्यास लगती हो, पर बदलते मौसम में आपको कम से कम आठ गिलास पानी पीना आवश्यक है। बाहरी चीजों की बजाय पौष्टिक खाना खाएं। फल और सब्जियों का अधिक से अधिक प्रयोग करें।
- कॉस्मेटोलॉजिस्ट अभिप्रिया मिश्रा कहती हैं कि जिस तरह हमारा सांस लेना जरूरी है, उसी तरह स्किन का सांस लेना भी जरूरी है। हमारी स्किन के ऊपर एक डेड स्किन की परत बन जाती है, जिसकी वजह से हमारी स्किन सांस नहीं ले पाती। डेड सेल्स की वजह से हमारी स्किन सूखी दिखती है और उसमें ग्लो नहीं आता। इन डेड सेल्स को समय-समय पर हटाना बहुत जरूरी होता है, इसे हम एक्सफोलिएशन कहते है।
- इसके लिए हफ्ते में दो बार फेस स्क्रब का इस्तेमाल करें। स्किन का हेल्दी होना बहुत जरूरी है, क्योंकि वो हमारे शरीर का एक कवच है। इसलिए सिर्फ सुंदर दिखने के लिए स्किन का ध्यान रखना जरूरी नहीं है। जितना स्वस्थ हमारा शरीर होगा उतनी ही स्वस्थ हमारी स्किन होगी।

बहुत ज्यादा मुलायम बिस्तर पर सोने से आपके शरीर को सही सपोर्ट नहीं मिलता, जिस कारण कई नसों पर दबाव बढ़ता है और शरीर का पोश्चर बिगड़ता है। ऐसे में जमीन पर सोते हैं, तो आपको इन समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। जानें इसके फायदे-

जमीन पर सोकर आप भी पा सकते हैं पीठ और कमर दर्द से छुटकारा

अगर आप अक्सर पीठ, कमर और कंधों के दर्द से परेशान रहते हैं, तो इसका कारण आपका बिस्तर हो सकता है। मुलायम और स्पंजी बिस्तर पर सोने से कई बार शरीर का पोश्चर बिगड़ जाता है, जिसके कारण शरीर के अंगों में दर्द शुरू हो जाता है। सोने की आदर्श स्थिति ऐसी मानी जाती है कि आपका बिस्तर सख्त और सीधा होना चाहिए। लंबे समय तक मुलायम बिस्तर पर सोने से आपको कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं और रीढ़ की हड्डी को नुकसान पहुंच सकता है।

पीठ और कमर दर्द को दूर करने और बॉडी का पोश्चर सही करने के लिए जमीन पर सोना आपके लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। हालांकि सर्दियों में जमीन ठंडी होती है, इसलिए अगर आप चाहें, तो बिना मोटा गद्दा बिछाए बेड पर भी सो सकते हैं। प्लास्टिक के पट्टों वाले फोल्डिंग बेड पर सोना भी आपके स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा नहीं माना जा सकता है, क्योंकि ये पट्टे बेहद लचीले होते हैं, जिससे आपके शरीर को सही पोश्चर नहीं मिल पाता है। जमीन पर सोना आपके लिए कई मायनों में फायदेमंद हो सकता है। यहां हम आपको बता रहे हैं 5 फायदे।

बॉडी का पोश्चर रहेगा सही

सख्त सतह पर सोना आपके लिए इसलिए फायदेमंद होता है क्योंकि इससे आपका बॉडी पोश्चर सही रहता है। हमारे शरीर का प्रत्येक अंग महत्वपूर्ण है और नाजुक है। ऐसे में जब आप आड़ा-टेढ़ा सोते हैं, तो कुछ खास अंगों पर शरीर का वजन बढ़ जाता है, जिससे ये अंग दब जाते हैं। रीढ़ की हड्डी वैसे तो काफी मजबूत होती है, मगर लंबे समय तक गलत पोश्चर में लेटने से इसका आकार बदल सकता है और आपको कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं।

पीठ और कमर दर्द से छुटकारा

पीठ और कमर में दर्द का कारण भी अक्सर गलत बॉडी पोश्चर होता है। नर्म-मुलायम बिस्तर आपके शरीर को आराम तो पहुंचाते हैं, मगर इन पर सोने के दौरान आपके शरीर को सही सपोर्ट नहीं मिलता है। आपके शरीर के सभी महत्वपूर्ण अंग आपके सीने से लेकर पेट के छोर तक मौजूद होते हैं, जिसके कारण शरीर के इस हिस्से का भार सबसे ज्यादा होता है। ऐसे में जब आप मुलायम बिस्तर पर सोते हैं, तब बिस्तर पर आपके शरीर का ऊपरी और निचला हिस्सा ऊपर रह जाता है, जबकि बीच का हिस्सा धंस जाता है। इसी पोजीशन में देर तक रहने से नसें और मांसपेशियों में तनाव उत्पन्न होता है और ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है। इसलिए दर्द होने लगता है। जबकि जमीन पर सोने के दौरान शरीर को सही सपोर्ट मिलता है, इसलिए ऐसी समस्याएं नहीं होती हैं।

सायटिका के दर्द से राहत

सायटिका एक प्रकार का दर्द होता है, जो सायटिका नसों में दबाव के कारण होता है। ये नस आपके कमर और हिप्स से होते हुए आपके पैरों में की तरफ जाती है। जमीन पर सोने से आपको सायटिका के दर्द से छुटकारा मिल सकता है। आमतौर पर सायटिका के मरीजों के लिए मुलायम बिस्तर पर सोना नुकसानदायक माना जाता है, क्योंकि ये दर्द को बढ़ा सकता है।

जमीन पर सोने से पहले जरूरी सावधानियां

- जमीन पर सोने से पहले उस पर कोई चादर, चटाई या दरी आदि जरूर बिछाएं।
- सर्दियों में आपको जमीन पर बिना मोटा मैट्रेस बिछाए नहीं सोना चाहिए, वरना आपको ठंड लग सकती है।
- यह जरूर तय कर लें कि आप जिस कमरे में सो रहे हैं उस कमरे में रेंगने और उठने वाला कोई जीव-जंतु न प्रवेश कर पाए।
- गंदी, धूल भरी जगह पर कभी भी जमीन में न सोएं।
- छोटे बच्चों, बूढ़े लोगों को जमीन पर न सुलाएं, क्योंकि उनमें मूवमेंट ज्यादा होता है, जिससे वो बिस्तर से बाहर जा सकते हैं।

जमीन पर बैठकर खाना खाने के फायदे

क्या आप जानते हैं कि जमीन पर बैठकर खाना खाने से सेहत को कई तरह के फायदे पहुंचते हैं। क्योंकि जमीन पर हम जिस तरह से एक पैर को दूसरे पर रखकर बैठते हैं, वो एक आसन की मुद्रा होती है। इस मुद्रा में बैठकर खाना खाने से भोजन का पूरा फायदा मिलता है और पाचन क्रिया भी बेहतर रहती है।

- जमीन पर बैठकर खाना खाने से शरीर मजबूत होता है। इस मुद्रा में बैठने से पीठ के निचले हिस्से की मांसपेशियों, पेल्विस और पेट के आस-पास की मांसपेशियों में खिंचाव होता है। जिससे असहजता और दर्द की शिकायत में आराम मिलता है।
- जमीन पर बैठकर खाने के दौरान आप पाचन की नेचुरल अवस्था में होते हैं। इससे पाचक रस बेहतर तरीके से अपना काम कर पाते हैं।
- परिवार के सभी सदस्य जब एक साथ जमीन पर बैठकर खाते हैं, तो उनके बीच का संबंध भी मजबूत बनता है। इस मुद्रा में बैठने से शरीर की कई तकलीफें दूर हो जाती हैं। आराम मिलने से खाने का स्वाद भी दोगुना हो जाता है।
- जमीन पर बैठकर खाना खाने से वजन संतुलित रखने में भी मदद मिलती है।
- जमीन पर बैठकर खाना खाते समय आप सिर्फ खाना ही नहीं खाते हैं बल्कि यह एक आसन की मुद्रा भी है। ये मुद्रा आपको शांत रहने में मदद करती है। इससे रीढ़ की हड्डी को भी आराम मिलता है।
- जमीन पर बैठकर खाने से हमारा बॉडी-पोश्चर भी बेहतर होता है। इससे व्यक्तित्व में भी निखार आता है।

सेहत

कॉफी के सामने फीका पड़ जाएगा ब्यूटी पार्लर का महंगा फेशियल

फॉलो करें ये टिप्स

सुंदर और बेदाग चेहरे की चाहत हर किसी को होती है। चेहरे पर निखार लाने के लिए लोग ब्यूटी पार्लर में हजारों रुपए उड़ा देते हैं। पर आपको शायद ही पता हो कि घर में कॉफी के इस्तेमाल से आप ब्यूटी पार्लर जैसा फेशियल पा सकती हैं। कॉफी एंटी एजिंग को भी कम करती है। आइए जानते हैं कॉफी से कैसे फेस पैक तैयार किया जाता है और ये किस तरह आपके चेहरे पर निखार लाती है।

कॉफी का फेशियल लाता है चमक

चेहरे पर चमक लाने के लिए वैसे तो मार्केट में एक से बढ़कर एक ब्यूटी प्रोडक्ट मिलते हैं, परंतु इनके साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। चेहरे पर कैसे भी दाग-धब्बे हों, कॉफी से बना ये फेशियल लगाकर आप चेहरे को बिल्कुल बेदाग और फ्रेश बना सकती हैं। चूंकि कॉफी चेहरे से डेड स्किन हटाने का काम करती है, जिससे त्वचा सॉफ्ट होती है और चेहरे की चमक भी बढ़ती है।

कॉफी फेशियल के लिए सामग्री

एक कटोरी में 1 चम्मच कॉफी पाउडर लें। अब उसमें थोड़ा सा चावल का आटा मिलाएं। चावल का आटा आप मार्केट से खरीद सकती हैं। आप चाहें तो चावल को पीसकर भी उसका आटा बना सकती हैं। अब इसमें 2 चम्मच कच्चा दूध, एक चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच शहद मिलाएं।

इन सारी सामग्रियां अच्छे से मिलाकर चेहरे और गर्दन पर स्क्रब करें। करीब 10 मिनट तक चेहरे के प्रेशर प्वॉइंट पर स्क्रब करते हुए मसाज करें। अब सादे पानी से चेहरे को धो लें। आप बची हुई सामग्री का इस्तेमाल फेस पैक की तरह भी कर सकती हैं।

बची हुई सामग्री को चेहरे पर फेस पैक की तरह लगाएं और सूखने के बाद पानी से धो लें। हफ्ते में 4 दिन ये पैक लगाने से आपका चेहरा बिल्कुल खिल उठेगा।

सर्दी के साथ लौट रहा जुकाम, ये आसान घरेलू नुस्खे रखेंगे आपका ख्याल

सर्दी का मौसम आ गया है और इसमें सबसे ज्यादा जुकाम के मामले सामने आते हैं। इसमें निरंतर छींकें आने से सिरदर्द और बदन दर्द बना रहता है। मानसून से सर्दी आने तक लोग इसके कई-कई बार शिकार होते हैं। क्या आप जानते हैं जुकाम की वजह बनने वाले कोल्ड वायरस 200 किस्म के होते हैं।

इस अवस्था में पहले 24 घंटे काफी निर्णायक होते हैं। क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के वायरलॉजिस्ट प्रोफेसर जॉन ऑक्सफोर्ड इसके शुरुआती स्टेज और इससे मुक्ति पाने के तरीकों के बारे में बताते हैं। प्रो. ऑक्सफोर्ड ने बताया कि जुकाम का कारण बनने वाले ये वायरस कभी भी और कहीं भी आपको घेर सकते हैं। एक बार सांस लेने पर 10,000 से भी ज्यादा वायरस निमंत्रण दे सकते हैं, लेकिन इनमें से करीब 100 ही ऐसे होते हैं, जो नाक और गले के एपीथेलियन सेल्स पर वार करते हैं। इनसे बचने के लिए आपको कई विशेष बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

कैसे पाएं राहत?

- विशेषज्ञों का दावा है कि शहद और नीबू का मिश्रण जुकाम में राहत देने में काफी मददगार है।
- कोई भी काम करने से पहले साबुन से अच्छी तरह हाथ धोएं। किसी भी पीड़ित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचें।
- साल 2000 में हुई एयूएस स्टडी के मुताबिक, इस कंडीशन में चिकन सूप सबसे अच्छा खाद्य पदार्थ माना जाता है। ये जुकाम में जल्द से जल्द राहत देने में कारगर है।
- इस दौरान ऐसी चीजों का सेवन करें, जो विटामिन सी युक्त हों। इसके साथ ही अगर आपके पार्टनर को जुकाम है तो उसके साथ बेड शेयर न करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2640

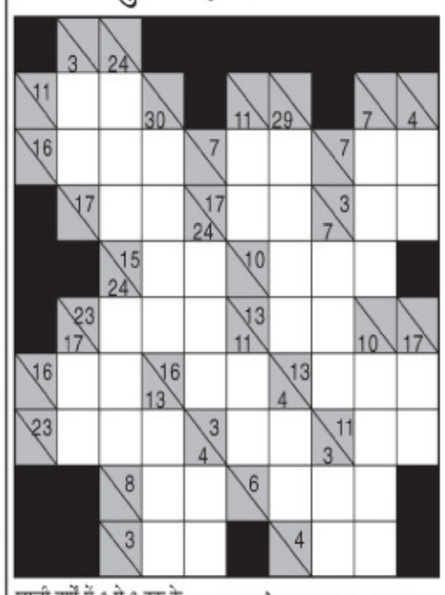

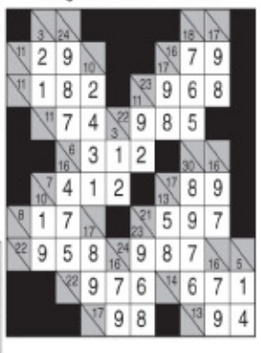

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 2639 का हल

हंसी के फूव्वारें

रामू के घर से चिट्ठी आयी.

राजी-खुशी के समाचार के बाद लिखा था कि उसकी घरवाली ने लड़के को जन्म दिया है. इसी खुशी में रामू ने सबको मिठाई बांटी. फिर अगले दिन जब वह सामान बांधने लगा तो उसके मित्र ने पूछा- ''रामू घर जा रहे हो ?''

''हां !''

फिर उदास होता हुआ बोला-''दो वर्ष हो गये घर की शक्ल देखे ! अब सोचा कि कुछ दिन के लिए हो ही आऊं.''

□ □ □

टेलीफोन रखकर डाक्टर ने झपटकर अपना थैला उठाया और हड़बड़ाकर बाहर जाने लगा. डाक्टर की जवान बेटी अन्दर आ रही थी. उसने पिता को हड़बड़ी में देखकर पूछा-''इतनी जल्दी आप कहां जा रहे हैं, पिताजी ?''

''एक टेलीफोन आया था !'' डाक्टर बोला -''इमरजेंसी कॉल है शायद ! एक आदमी कह रहा था-'मैं मरा जा रहा हूं, आप यहां फौरन आ जाएँ'.''

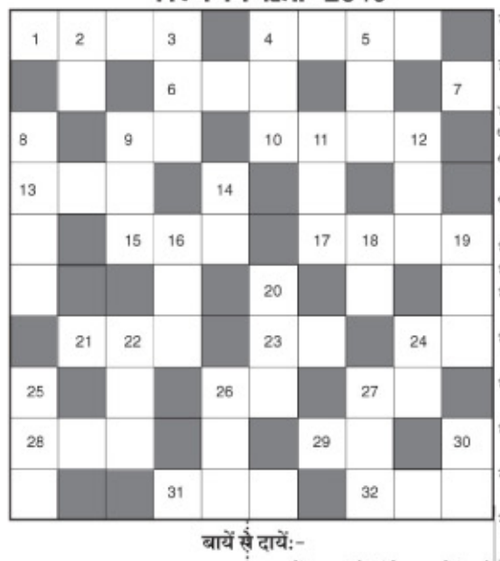

इस पर डाक्टर की बेटी ने शरमाकर कहा-''तब वह आपका नहीं, मेरा टेलीफोन रहा होगा, पिताजी !''

□ □ □

जज -'मुजरिम, तुमने झूठ बोलने की कोशिश की है.'

मुजरिम -'माई-बाप, वकील के होते मुझे क्या जरूरत पड़ी है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2640

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कहीं थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे ख्यालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका ?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६. संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्वाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2639

सूडोकु -2640

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2639 का हल

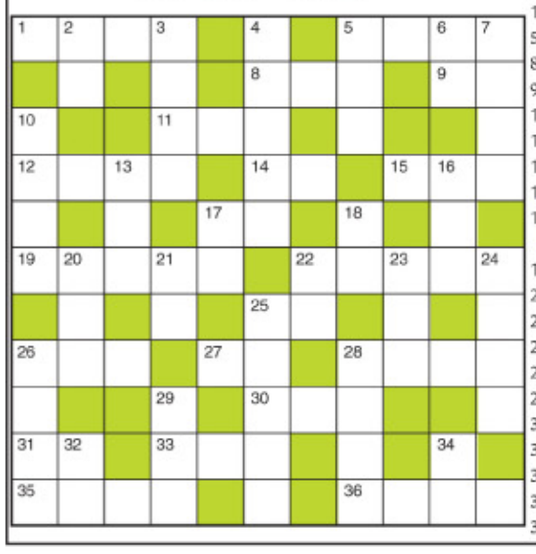

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 2640

बाएं से दाएं

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -2639 का हल

राज्यसभा के पूर्व सांसद गोपाल व्यास का निधन

एजेंसी

रायपुर । छत्तीसगढ़ से पूर्व राज्यसभा सांसद गोपाल व्यास का गुरूवार को निधन हो गया है। उन्होंने 93 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली है। अंतिम दर्शन के लिए उनके पार्थिव शरीर को विधायक कॉलोनी रायपुर के उनके निवास पर रखा गया है। श्री गोपाल व्यास का जन्म 15 फरवरी 1932 को हुआ। वे भारतीय जनता पार्टी के एक राजनीतिज्ञ और संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाले संसद के सदस्य रहे । वे जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के पूर्व छात्र रहे । वह 13 फरवरी 2019 को राज्यसभा से सेवानिवृत्त हुए। गोपाल व्यास आरएसएस के वरिष्ठ कार्यकर्ता थे। आपातकाल के दौरान वह 1975 से 1977 तक रायपुर की जेल में रहे।

झारखंड में चुनाव प्रचार करने जाएंगे चिराग पासवान

पटना । लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान झारखंड चुनाव में प्रचार करने जाएंगे। उन्होंने गुरुवार को कहा कि झारखंड में हम लोग चतरा की एक सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं और 10 और 11 तारीख को हम प्रचार के लिए वहां जाएंगे। चिराग पासवान ने कहा कि 23 तारीख को एनडीए के पक्ष में परिणाम आएगा। शारदा सिन्हा के निधन पर चिराग पासवान ने कहा कि कैसा संयोग है कि छठ के गीतों को घर-घर तक पहुंचाने वाली शारदा सिन्हा का निधन छठ के नहाय खाय के दिन हुआ। उन्होंने कहा कि उनके निधन से खाली हुए स्थान को कोई दूसरा नहीं भर सकता। उन्होंने कहा, मेरा और मेरे परिवार का उनसे एक अच्छा रिश्ता रहा। दो दिन पहले वह अस्पताल में थीं, मैं उनसे मिलने गया, बातचीत हुई। उसके ठीक एक दिन के बाद वह हम लोगों के बीच नहीं रहीं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले उनके पति का निधन हुआ था। अब उनका जाना, परिवार को झकझोर देने वाला है। भगवान इस दुख को बर्दाश्त करने की शक्ति परिवार को दें। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उनसे बहुत मजबूत संबंध है। पिछली बार जब वे चुनाव हारे थे, उसके बावजूद प्रधानमंत्री की दोस्ती उनके साथ रही है। ऐसे में जब इस बार जीते हैं, तो मैं मानता हूं कि अमेरिका से रिश्ते और मजबूत होंगे।

भाजपा ने महाराष्ट्र की राजनीति में जहर फैलाने का काम किया: संजय राउत

मुंबई । शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय राउत ने भाजपा पर महाराष्ट्र की राजनीति को दूषित करने का आरोप लगाया है। उनके मुताबिक महाराष्ट्र में संस्कारों के साथ सियासत की जाती है। पत्रकारों से बातचीत में संजय राउत ने कहा कि भाजपा ने महाराष्ट्र की राजनीति में जो जहर और गंदगी फैलाया है, देवेंद्र फडणवीस उसका नेतृत्व कर रहे हैं। महाराष्ट्र में संस्कार के साथ राजनीति करने की परंपरा रही है। यहां से लोकमान्य तिलक और बाबासाहेब अंबेडकर जैसे लोग निकले। महात्मा फुले, यशवंतराव चौहान, बाला साहब ठाकरे और शरद पवार जैसे धुरंधर नेता हुए, जिसमें भाजपा नेता का नाम कभी नहीं आता। उन्होंने आगे कहा कि इन बड़े नेताओं ने महाराष्ट्र की राजनीति में कभी अपना संयम नहीं खोया। भाषा का गलत इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने आलोचना तो की, लेकिन उसका किसी को दुख नहीं हुआ। लेकिन जब से देवेंद्र फडणवीस और केंद्र में मोदी जी के हाथ में राजनीति आई है, इन लोगों ने राजनीति को गटर बना दिया है। शरद पवार को राजनीति का भीष्म पितामह का जाता है, जिनको कभी-कभी मोदी जी भी अपना गुरु मानते हैं। मोदी सरकार ने पद्म विभूषण भी दिया। ऐसे नेता महाराष्ट्र से हैं और हम उनका आदर करते हैं। लेकिन देवेंद्र फडणवीस गलत भाषा का प्रयोग करते हैं।

रियासी जिले में कार खाई में गिरी, तीन लोगों की मौत

श्रीनगर । रियासी जिले के माहौर इलाके में गुरुवार को एक सड़क दुर्घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बोलेरो कार जम्मू से रियासी जा रही थी। माहौर इलाके में जियारत मोड़ पर कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और तीनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, पहाड़ी इलाके में चुनौतीपूर्ण सड़क की स्थिति के कारण जियारत मोड़ के पास ये हादसा हुआ है। वाहन के खाई में गिरने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। मरने वालों में एक आठ साल की बच्ची भी शामिल है। हादसे में जोन माहौर के रहबर-ए-खेल शिक्षक शाबिर अहमद को गंभीर चोटें आई हैं। जम्मू-कश्मीर रहबर-ए-खेल टीचर फोरम (जेकेआरकेटीएफ) ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। साथ ही शोक संतप्त लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और अहमद के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

शाहरुख खान को मिली जान से मारने की धमकी, आरोपी की तलाश में रायपुर गई मुंबई पुलिस

एजेंसी

मुंबई । बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान को कॉल पर जान से मारने की धमकी मिली है। इसके बाद अभिनेता की टीम ने बांद्रा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, धमकी रायपुर से आई है और आरोपी ने फिरौती की मांग की है। मुंबई पुलिस के अनुसार, मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 308(4) और 351(3)(4) के तहत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने कॉल को ट्रेस किया तो छत्तीसगढ़ के रायपुर का निकला। रायपुर निवासी फैजान नाम के शख्स ने धमकी भरी कॉल की थी। सूत्रों ने बताया कि मुंबई पुलिस की एक टीम जांच के लिए रायपुर गई है। शाहरुख खान पिछले कुछ समय से कड़ी सुरक्षा के घेरे में हैं। अभिनेता ने 2023 में कहा था कि उन्हें 'पठान' और 'जवान' की सफलता के बाद जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। अक्टूबर 2023 में शाहरुख को वाई प्लस सुरक्षा प्रदान की गई थी। तब से ही किंग खान सुरक्षा गार्डों के घेरे में हैं। इस साल, यह दावा किया गया कि शाहरुख ने सुरक्षा चिंताओं के कारण अपने घर मन्नत के बाहर अपने जन्मदिन पर अपने प्रशंसकों को बधाई देने से परहेज किया। हालांकि, शाहरुख की टीम ने इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की। वहीं शाहरुख खान ने अभी तक नई धमकी वाली कॉल की रिपोर्टों पर टिप्पणी नहीं की है। किंग खान अकेले ऐसे अभिनेता नहीं हैं जिन्हें हाल ही में जान से मारने की धमकियां मिली हैं। उनके दोस्त सुपरस्टार सलमान खान को भी हाल के महीनों में जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। काला हिरण शिकार मामले में फंसे अभिनेता को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह से धमकियां मिल रही हैं। कुछ दिन पहले भी उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। सलमान खान को वाई प्लस सुरक्षा भी दी गई है।

विज्ञापन के बाद भर्ती प्रक्रिया में नही किया जा सकता बदलाव : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि किसी पद के लिए विज्ञापन जारी होने के बाद भर्ती प्रक्रिया को बीच में नहीं बदला जा सकता। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की संविधान पीठ ने 'तेज प्रकाश पाठक बनाम राजस्थान उच्च न्यायालय' मामले में यह फैसला सुनाते हुए कहा कि उम्मीदवारों को आश्चर्य चकित करने के लिए नियमों को नहीं बदला जा सकता। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया के शुरू में अधिसूचित चयन सूची में रखे जाने के लिए पात्रता मानदंड को बीच में नहीं बदला जा सकता, जब तक कि मौजूदा नियम या विज्ञापन (जो मौजूदा नियमों के विपरीत न हो) इसकी अनुमति न दे।न्यायमूर्ति मिश्रा ने पीठ की ओर से फैसला सुनाते हुए यह भी कहा कि चयन सूची में रखे जाने के बाद उक्त पद के उम्मीदवार को नियुक्ति का अविभाज्य अधिकार प्राप्त नहीं होता, लेकिन सरकार या उसके तंत्र वास्तविक कारणों से रिक्तियों को नही भरने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि, यदि रिक्तियां मौजूद हैं, तो सरकार या उसके तंत्र चयन सूची में विचाराधीन क्षेत्र के किसी व्यक्ति को नियुक्ति देने से मनमाने ढंग से इनकार नहीं कर सकते। इस मामले को 'तेज प्रकाश पाठक और अन्य बनाम राजस्थान उच्च न्यायालय और अन्य' (2013) के मामले में तीन न्यायाधीशों की पीठ ने पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को भेजा गया था, जिसने कि 'मंजूश्री बनाम आंध्र प्रदेश राज्य और अन्य (2008)' के मामले में पिछले फैसले पर संदेह जताया था।

पोस्टर सियासत : 'बटेंगे तो गैस सिलेंडर 1200 रुपये में मिलेगा, अगर एक होंगे तो 400 रुपये में मिलेगा'

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चल रहे उपचुनाव के बीच रोजाना नए-नए पोस्टर लगाए जा रहे हैं। गुरुवार को फिर से सपा कार्यालय के बाहर लगा पोस्टर चर्चा में है। इस पोस्टर में एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे पर पलटवार किया गया है। पोस्टर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की तस्वीर लगाई गई है। इसमें लिखा है कि बटेंगे तो गैस सिलेंडर 1200 रुपये में मिलेगा, अगर एक होंगे तो 400 रुपये में मिलेगा। समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर कांग्रेस पार्टी के उत्तरी विधानसभा के पूर्व वार्ड अध्यक्ष अजीत कुमार मौर्य की तरफ से एक होर्डिंग लगाई गई है। इसमें कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सपा मुखिया अखिलेश यादव का साथ में फोटो लगा है। पोस्टर में लिखा है कि 'न बटेंगे न कटेंगे एक हैं और एक रहेंगे%। बटेंगे तो गैस सिलेंडर 1200 रुपये में मिलेगा अगर एक होंगे तो 400 रुपये में मिलेगा। पोस्टर में चारों धर्म के लोगों के चित्रों को भी दर्शाया गया है।इसके पास एक पोस्टर सपा प्रवक्ता अभिषेक बाजपेई की तरफ से लगाया गया है। इसमें लिखा है कि 'पीडीए की होगी जीत- एकता की होगी जीत'। 'गंगा-जमुनी, तहजीब को न ही बंटने देंगे ना ही समाज की एकता को कटने देंगे'। इससे पहले भी समाजवादी पार्टी के कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाए गए थे। इसमें सीएम योगी के नारे पर पलटवार किया गया था। इनके जरिये सपा की ओर से सीएम योगी को जवाब देत हुए लिखा गया था %न कटेंगे, न बंटेंगे, पीडीए के संग रहेंगे। दरअसल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार अपनी सभाओं में हिंदू समुदाय को एकजुट करने की बात करते हैं। हाल ही में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमले को लेकर उन्होंने नारा दिया था 'बटेंगे तो कटेंगे, एकजुट रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे।' ज्ञात हो कि यूपी में नौ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होना है। परिणाम की घोषणा 23 नवंबर को होगी। इस पोस्टरवार को उपचुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है।

यासीन मलिक की पत्नी का राहुल गांधी को पत्र - 'मेरे पति कश्मीर में ला सकते हैं शांति, उन्हें मौका दिया जाए'

एजेंसी

नई दिल्ली । जेल में बंद जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासीन मलिक की पत्नी मुशाल हुसैन मुलिक ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी को एक चिट्ठी लिखी है। उन्होंने पत्र लिखकर कांग्रेस नेता से संसद में उनके पति के लिए बहस शुरू कराने की अपील की। मुशैल हुसैन के मुताबिक केवल उनके पति ही जम्मू एवं कश्मीर में शांति ला सकते हैं।

मुशैल हुसैन का मानना ??है कि जम्मू-कश्मीर में चल रही शांति प्रक्रिया में यासीन मलिक की भूमिका महत्वपूर्ण है और उसकी दुर्दशा का तत्काल समाधान किया जाना चाहिए। मानवाधिकार और महिला सशक्तिकरण पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के पूर्व सहायक मुशैल ने लिखा, राहुल जी, यासीन मलिक जम्मू-कश्मीर में शांति के लिए एक ताकत बन सकते हैं, बशर्ते उन्हें उचित मौका दिया जाए। मुशैल ने पत्र में कहा, मेरे पति के साथ चल रहा व्यवहार किसी यातना से कम नहीं है और मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि उन्हें न्याय दिलाने में हमारी मदद करें। राहुल गांधी को लिखे पत्र में मुशैल ने अपने पति के खिलाफ चल रही कानूनी लड़ाई का जिक्र किया, विशेष रूप से दशकों पुराने राजद्रोह के मामले का, जिसमें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अब मृत्युदंड की मांग की ह।कश्मीर के अलगाववादी नेता यासिन मलिक ने टेटर फंडिंग के एक केस में मृत्युदंड की एनआईए की अपील को चुनौती दी है। एनआईए के आरोप 2017 में टेरर फाइनेंसिंग इन्वेस्टिगेशन से जुड़े हैं, जिसमें मलिक के साथ कई अन्य लोग शामिल थे। 2022 में मलिक को दोषी पाए जाने के बाद ट्रायल कोर्ट ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। हालांकि, मुशैल के अनुसार, मलिक की नजरबंदी और उसकी मौत की सजा की मांग %एक व्यापक राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा है। मुशैल ने दावा किया कि 2019 से भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार मलिक के साथ अमानवीय व्यवहार कर रही है और उनके खिलाफ मुकदमे %राजनीति से प्रेरित हैं। मुशैल ने पत्र में आरोप लगाया कि %मलिक पर 35 साल पुराने मामले में भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने का मुकदमा चल रहा है और अब, उन्हें फांसी की सजा देने के लिए मनगढ़ंत आरोप लगाए जा रहे हैं। मुशैल ने आगे कहा कि उनके पति, जो कभी सशस्त्र संघर्ष की वकालत करते थे, ने सालों पहले हिंसा का त्याग कर दिया था फिर अहिंसा और शांति का मार्ग अपनाया। उन्होंने कहा, %यासीन मलिक जम्मू-कश्मीर में वास्तविक शांति का साधन बन सकते हैं, न कि दिखावटी शांति जिसका वादा किया गया है। मुशैल ने यह भी बताया कि 2 नवंबर से मलिक जेल में अपने साथ हुए कठोर व्यवहार के विरोध में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। मुशैल ने मलिक के स्वास्थ्य के प्रति गहरी चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी कि लंबे समय तक भूख हड़ताल करने से उनकी जान को खतरा हो सकता है।

कांग्रेस के नेतृत्व में इंडी गठबंधन ने जम्मू कश्मीर में भारतीय संविधान का गला घोंटने का किया दुस्साहस : स्मृति ईरानी

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अनुच्छेद-370 को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन ने जम्मू कश्मीर में भारतीय संविधान का गला घोंटने का दुस्साहस किया है। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को आदिवासी,दलित और पिछड़ों का विरोधी बताते हुए कहा कि अब जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद-370 की वापसी कभी नहीं होगी। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि भारत के संविधान की कसमें खाते हुए, इंडी अलायंस ने कल जम्मू-कश्मीर में भारतीय संविधान का गला घोंटने का दुस्साहस किया। उन?होंने कहा कि? एक जागृत भारत कांग्रेस के नेतृत्व में इंडी गठबंधन द्वारा संविधान की धज्जियां उड़ाते हुए आदिवासी, दलितों और महिलाओं के अधिकारों का हनन करने के दुस्साहस को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन ने कल जिस प्रस्ताव को पारित किया, उसके अंतर्गत वो जम्मू-कश्मीर में भारत के संविधान के खिलाफ एक नई जंग लड़ते हुए दिखाई देते हैं। वह इंडी गठबंधन के नेताओं से पूछना चाहती हैं कि भारत की संसद और सुप्रीम कोर्ट का जो निर्णय सबको मान्य है। स्मृति ईरानी ने पूछा, उस निर्णय का अपमान और उसकी अवहेलना करने का अधिकार कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस को देश मे किसने दिया है ? जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद राज्य में आदिवासी समाज को जो अधिकार मिले हैं, क्या कांग्रेस और इंडी गठबंधन उन अधिकारों के खिलाफ है ? क्या ये महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के खिलाफ है ?उन्होंने पूछा कि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं का अनादर करने, भारत के सर्वोच्च न्यायालय और संसद की अवहेलना करने का अधिकार इंडी गठबंधन के नेताओं को किसने दिया ? स्मृति ईरानी ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर के विकास के लिए उठाए गए कई कदमों और पैकेज की जानकारी देते हुए यह भी दावा किया कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में नागरिकों की मृत्यु में 80 प्रतिशत और आतंकी घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है। जम्मू कश्मीर में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। उमर अब्दुल्ला सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे के माध्यम से एक चुनी हुई सरकार विकास के मुद्दों पर काम करने और भारत को जोड़ने की बजाय, भारत को तोड़ने की कोशिश कर रही है।

धनखड़ ने दी छठ पूजा की शुभकामनायें

एजेंसी

नयी दिल्ली । उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देशवासियों को छठ पूजा की शुभकामनायें दी है। श्री धनखड़ ने गुरुवार को जारी संदेश में कहा कि सूर्य देव की उपासना का यह विशेष पर्व न केवल हमारी सनातन परंपराओं को दर्शाता है, बल्कि प्रकृति के साथ हमारे गहरे रिश्ते का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा, हमारे देश का पावन त्योहार छठ पूजा आज हम सब के लिए मंगलमय हो। छठी माता की कृपा से हमारा राष्ट्र प्रगति और समृद्धि के पथ पर अग्रसर हो।

2014 से सात प्रमुख देशों ने देखा नेतृत्व परिवर्तन, भारत में पीएम मोदी का 'मैजिक' कायम

एजेंसी

नई दिल्ली । 2014 में केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनने के बाद से दुनिया के सात प्रमुख देश नेतृत्व परिवर्तन के गवाह बनें हैं। इस बीच प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में है और उनकी सत्ता कायम है। ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन के सीईओ अखिलेश मिश्रा ने एक्स पर एक ग्राफ शेयर किया। इसमें 2014 के बाद से दुनिया के सात देशों में हुए नेतृत्व परिवर्तन को दर्शाया गया। ग्राफ में भारत भी है जिसका नेतृत्व 2014 से पीएम मोदी के रूप में वर्तमान तक अपरिवर्तनीय है।

मिश्रा ने ग्राफ शेयर करते हुए लिखा, दुनिया कैसे बदलती है, जबकि मोदी स्थिर हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत में अभूतपूर्व स्थिरता। दरअसल अमेरिका को डोनाल्ड ट्रंप के रूप में अपना अगला राष्ट्रपति मिल गया। रिपब्लिकन नेता ने डेमोक्रेट और मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हरा दिया। 2014-24 तक अमेरिका में तीन शख्स राष्ट्रपति पद पर बैठे।

इनमें बराक ओबामा (2014 से 17 तक डेमोक्रेटिक पार्टी), डोनाल्ड ट्रंप (2017 से जनवरी 21 तक रिपब्लिकन पार्टी), जो बाइडेन (2021 से डेमोक्रेटिक पार्टी) शामिल हैं। ट्रंप अब जनवरी 2025 में दोबारा राष्ट्रपति पद को संभालेंगे। इसी तरह यूके में 2014-24 के बीच डेविड कैमरून, थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस, ऋषि सुनक, कीर स्टारमर (वर्तमान प्रधानमंत्री) पीएम पद पर रहे। ऑस्ट्रेलिया में 2014 से 2024 के बीच पीएम पद पर टोनी एबॉट, मैल्कम टर्नबुल, स्कॉट मॉरिसन, एंथनी अल्बानीज (वर्तमान प्रधानमंत्री) रहे हैं।फ्रांस में 2014 से 2024 के बीच दो लोगों ने देश के सर्वोच्च पद को संभाला। इसमें फ्रांस्वा ओलांद (2012-2017) और इमैनुएल मैक्रों (वर्तमान राष्ट्रपति) शामिल हैं। इटली में 2014 से 2024 के बीच पांच लोग पीएम पद पर बैठे। इनमें माटेओ रेन्जी, पाओलो जेंटिलोनी, ग्यूसेप कोंटे, मारियो ड्रैगी, जियोर्जिया मेलोनी (वर्तमान पीएम) शामिल है। जापान में 2014 से 2024 के बीच चार लोगों ने प्रधानमंत्री का पद संभाला। इनमें शिंजों अबे, योशिहिदे सुगा, फुमिओ किशिदा, शिगेरू इशिबा (वर्तमान पीएम) शामिल हैं। 2014 से 2024 के बीच पाकिस्तान में भी नेतृत्व परिवर्तन हुए। यहां- नवाज शरीफ (2014-15), शाहिद खाकन अब्बासी (2015-17), इमरान खान (2017-21), शहबाज शरीफ (2021-24) पीएम पद पर रहे।

पाताल में गया अनुच्छेद 370, वापस कभी नहीं आएगा : मुख्तार अब्बास नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने दावा किया है कि अनुच्छेद 370 अब बीते दिनों की बात हो चुका है। उनके मुताबिक कुछ अलगाववादी ताकतें जम्मू कश्मीर के हितों को ध्यान में रखे बिना इसकी बहाली की बात कर रही हैं। इसके साथ ही नकवी ने देश विदेश से जुड़े कई मसलों पर अपनी राय रखी।

मुख्तार अब्बास नकवी ने आईएएनएस को बताया कि जो लोग इस तरह की बेवकूफी कर रहे हैं, उनको भी पता है कि हमारे संविधान में विधानसभा के क्या अधिकार हैं और संसद के क्या अधिकार हैं? ऐसे में अगर वो संसद के अधिकार पर अतिक्रमण करने की बेवकूफी में लगे हों, तो उसका कोई फायदा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अब 370 पाताल में जा चुका है, जो कभी नहीं आ पाएगा। लेकिन उसके बावजूद अगर आप ऐसी हरकत कर रहे हैं, तो उसका मकसद यह है कि 370 के खात्मे के साथ जम्मू-कश्मीर के जिनके वे हितैषी हैं। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के नए राष्ट्रपति बने, जिस पर पीएम मोदी समेत कई बड़े नेताओं ने बधाई दी। लेकिन वहीं, यह नाटक कर रहे हैं। हम सब जानते हैं और नेशनल कॉन्फ्रेंस के लोग भी जानते हैं कि आर्टिकल 370 की जो कहानी है वह खत्म हो चुकी है।

65- 70 साल से जम्मू कश्मीर को यह तीन परिवार प्राइवेट लिमिटेड कंपनी जैसे चला रही थे। वह दिन चले गए हैं। यहां की सरकार आज जम्मू और कश्मीर के लोगों की उन्नति और प्रगति के लिए काम करे तो अच्छा होगा।

समस्याओं का समाधान हुआ है। सबने देखा कि चुनाव में लोगों ने अपने मतों का इस्तेमाल किया। लेकिन कुछ अलगाववादी ताकतें हैं, मणिशंकर अय्यर ने उनको चरित्रहीन बताया, इस पर भाजपा नेता ने अय्यर को विवादित इंसान कहा। उन्होंने कहा कि ऐसे हताश और निराश लोग समय-समय पर रंग में भंग डालने में माहिर होते हैं। उन्होंने इतिहास में कई विवादित बयान दिए हैं। दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र का दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र ने स्वागत किया है।जेपीसी के चेयरमैन जगदंबिका पाल ने सवाल किया है कि वो अकेले ही लोगों से मिल रहे हैं। इस पर नकवी ने कहा कि तर्कों की तंगी वाले कुर्तकों के हुड़दंगी बन गए हैं। विपक्ष के पास न तो लॉजिक है और न ही कोई तर्क है।

उनको बात करनी चाहिए, लेकिन वो बहिष्कार में लगे हुए हैं, जिससे कोई फायदा नहीं होने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि वक्फ के सिस्टम में संवैधानिक सुधार की जरूरत है और इस पर सांप्रदायिक हमला करके किसी को कोई फायदा नहीं मिलेगा। इस पर सैकड़ों साल से संवैधानिक सुधार की बात होती रही है, लेकिन हर सुधार पर सांप्रदायिक हमला होता रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी की दोस्ती से दुनिया को फायदा होगा: राजीव चंद्रशेखर

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जितने वाले डोनाल्ड ट्रंप की दोस्ती दुनिया के लिए फायदेमंद साबित होगी। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस के रवैए को निराशाजनक करार दिया। कांग्रेस नेता मणि शंकर अय्यर ने डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने पर निराशा जाहिर की। इस पर राजीव चंद्रशेखर ने कहा, मणि शंकर अय्यर और राहुल गांधी के राजनीतिक जीवन में सिर्फ निराशा ही निराशा है। क्योंकि वह चाहते हैं कि पाकिस्तान आगे बढ़े, चीन के साथ एमओयू हो। वह चाहते हैं कि हमारे लोकतंत्र के विरुद्ध जो ताकतें हैं, उनको आगे बढ़ाया जाए। अमेरिका के लोगों ने उनके लोकतंत्र के अनुसार अपने नेता को चुना है। लेकिन, राहुल गांधी और मणि शंकर अय्यर को पेट में दर्द हो रहा है। वह दर्द को कम करने के लिए दवाई खा सकते हैं। वहां के लोगों का हक है कि वह किसको चुने। मुझे लगता है कि हमें यह सब जानना चाहिए कि दुनिया के दो ताकतवर लोकतंत्र है भारत और अमेरिका। यहां दो लीडर हैं नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप। इनकी दोस्ती की वजह से दुनिया को इसका फायदा होगा। बीते तीन से चार साल से शांति अमन खो सी गई थी। मिडिल ईस्ट में युद्ध की वजह से हमें भी फर्क पड़ा है। पेट्रोल के दामों में बढ़ोतरी देखने को मिली। दोनों नेता मिलकर समस्या का समाधान निकालेंगे। जिससे दुनिया को फायदा होगा। मणि शंकर अय्यर और राहुल गांधी न तो पेट्रोल का दाम भरते हैं और न ही उन्हें इसकी खरीदारी करनी पड़ती है। जम्मू कश्मीर में धारा 370 को बहाल करने के लिए एक प्रस्ताव पास हुआ है। इस पर भाजपा नेता ने कहा, हम सब जानते हैं कि नेशनल कॉन्फ्रेंस उनके वोट बैंक के लिए

मोदी ने छठ पर्व के संध्या अर्घ्य की शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को छठ पर्व के संध्या अर्घ्य की शुभकामनाएं प्रेषित की। श्री मोदी ने इस अवसर पर शुभकामना संदेश में कहा, छठ के संध्या अर्घ्य के पावन-पुनीत अवसर पर आप सभी को मेरी असीम शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने कहा है, सादगी, संयम, संकल्प और समर्पण का प्रतीक यह महापर्व हर किसी के जीवन में सुख-समृद्धि और सौभाग्य लेकर आए। जय छठी मइया।

हर बच्चा अलग होता है, खास होता है और बेहद प्यारा होता है। अपने बच्चे की परवरिश के दौरान यह जरूर याद रखें। अपने बच्चे को अपनी तरह से जीने के लिए तैयार करें, ना कि किसी दूसरे के बच्चे की तरह। इससे वह भी खुश रहेगा और आप भी।

आपका बच्चा है सबसे खास

शिवानी बचपन में खासी जिद्दी थी। खाना खाने के नाम पर बिस्तर के नीचे घुस जाती। मां और दादी को खूब चिरौरी करके उसे खाना खिलाना पड़ता। अगर उसका स्कूल यूनिफॉर्म जरा सा भी मैला होता, तो वह स्कूल ही जाने से इनकार कर देती। चोटियों की रिबन एक लेवल पर बंधी होनी चाहिए, शूज के लेस अगर उन्नीस-बीस भी बंधे होते, तो वह खड़े-खड़े रोने लगती। शिवानी ने बाद के दिनों में अपनी जिद पर काबू पा लिया। खासकर जब उसकी बेटी रूही हुई, तो उसे लगा कि वह भी उसी की तरह जिद्दी होगी। पर नहीं। रूही जिद्दी नहीं थी, पर अपनी मां की तरह चुप नहीं बैठती थी। तरह-तरह की कहानियां बनाने का गजब का शौक था रूही को। एक दिन अपनी टीचर से कह आई कि मेरी मां रात को परी लोक चली जाती है और सुबह लौट कर आती है। उसने टीचर से यह भी कहा कि उसके घर में एक राक्षस रहता है। टीचर ने शिवानी को बुलवाया और जब उसे रूही की कहानी के बारे में बताया, तो शिवानी चौंक गई। स्कूल के बाल मनोविज्ञान विशेषज्ञ डॉक्टर सी.के. चंद्रा ने बताया कि हर बच्चा अलग होता है। यह जरूरी नहीं कि वह अपने पेरेंट्स की तरह हो। इसलिए हर बच्चे की परवरिश अलग तरह से होनी चाहिए। पेरेंटिंग का वैसे भी कोई तयशुदा फॉर्मूला नहीं होता। अगर बच्चा जिद्दी है, एग्रेसिव है, शर्मीला है या खाने से जी चुराता है, उसे समझाने के लिए आप एक तरह का रवैया नहीं अपना सकते। जरूरी बात तो यह है कि आप अपने बच्चे को वह जैसा है, वैसा ही अपनाएं। उसके मूल स्वभाव को बदलने की कोशिश ना करें। नौ साल की रंजिनी अच्छा गाती थी, पर दूसरों के सामने गाते समय वह हकलाने लगती थी। रंजिनी की मम्मी पायल चाहती थी कि उसकी बेटी संगीत के रियलिटी शो का हिस्सा बने। रंजिनी स्टेज पर पहुंच कर हकलाने लगी और जज ने उसका मजाक बना दिया। इस घटना का रंजिनी पर इतना बुरा असर पड़ा कि वह डिप्रेशन का शिकार हो गई। वह अब किसी से भी बिना हकलाए बोल नहीं पाती। डॉक्टर मधुमती कहती हैं, 'पेरेंट्स अपने बच्चे की तुलना दूसरे बच्चे से करते हैं। यह गलत है। बच्चों से उस बात की अपेक्षा करिए, जो उनकी पहुंच के अंदर हो। किसी भी तरह का अनावश्यक दबाव उन्हें या तो विद्रोही बना देता है या दब्बू।'

आपका बच्चा कैसे है खास?

जब पहली बार अपने मुंह से वह मां कहता है, आपकी जिंदगी बदल जाती है। आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका बच्चा कैसा दिखता है, आपके लिए वह संसार का सबसे अनमोल रत्न है। हर बच्चे की जरूरत अलग होती है। आपका बेटा दिन में सिर्फ दो बार दूध पीता है, बेटी चार बार पीती है। बेटा साइंस में कमजोर है और बेटी को भाषा संबंधी दिक्कतें ज्यादा होती हैं। उनकी जरूरतों और पसंद के हिसाब से आपको उनके भविष्य की तैयारी करनी होगी। दस साल तक के बच्चे लगभग हर बात के लिए पेरेंट्स पर निर्भर करते हैं और सबसे ज्यादा विश्वास अपने माता-पिता पर ही करते हैं।

बच्चों के साथ ये कभी ना करें

बच्चों की छोटी से छोटी समस्या की अनदेखी ना करें। हो सकता है वह आपको अपने से जुड़ी कोई बड़ी बात बताना चाह रहा हो। आपका बच्चा आपकी जिंदगी में रोशनी का काम करता है। पर आप उसका इस्तेमाल अपने स्वार्थ के लिए ना करें। आपका सपना आपका है, बच्चे का नहीं। अगर आप डॉक्टर नहीं बन पाए, तो बच्चे को इसके लिए फोर्स ना करें। वह अगर बनना चाहता है, उसकी दिलचस्पी है, तो उसे आगे बढ़ने में मदद करें। अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए बच्चों से राजनीति ना करवाएं। बच्चे को घर में दूसरे रिश्तेदारों के खिलाफ ना भड़काएं। वे इससे कन्फ्यूज्ड हो जाते हैं और अपना संतुलन खो देते हैं। बच्चे की सीमा को जानें। उस पर सीमा से आगे बढ़ने का दबाव ना डालें। अगर आपके बच्चे को कोई तन या मन से जुड़ी समस्या है, तो उसे स्वीकार करें। बच्चे बहुत सेंसिटिव होते हैं और मां-पिता की बेचारगी भांप लेते हैं।

पांच बातें जरूर रखें याद

अगर आपका बच्चा पढ़ाई से जी चुराता है, तो निश्चित ही वह ट्यूशन जाने से भी बचेगा। सबसे पहले यह जानने की कोशिश कीजिए कि उसे पढ़ना क्यों नहीं पसंद? कहीं वह डिस्लेक्सिक या स्लो लर्नर तो नहीं? अगर नहीं, तो वह जब पढ़ने बैठे तो उसके साथ बैठें और उसे आसान शब्दों में समझाने की कोशिश करें। हो सकता है इसकी तैयारी आपको पहले से करनी पड़े। शर्मीले बच्चों को उनकी खोल से निकालने के लिए उन्हें अपने साथ किसी क्लब में या बच्चों के ग्रुप में खेलने ले जाएं। शर्मीले बच्चे धीरे रिएक्ट करते हैं। लेकिन अपना काम बखूबी करते हैं। उनको स्पेस दें और उनके काम की तारीफ करें। आप जितना समय उनके साथ बिताएंगी, वे दूसरों के साथ उतनी जल्दी सहज होते जाएंगे। हाइपर एक्टिव बच्चे को हर वक्त किसी काम में लगाएं। उनको एक दिन पहले ही दूसरे दिन के काम के बारे में बता दें। कभी बागवानी, तो कभी क्राफ्ट, कभी पेंटिंग तो कभी खेल-कूद। इन बच्चों को अगर चुपचाप घर बैठने को कहेंगी, तो ये तोड़-फोड़ मचाना शुरू कर देंगे। इनकी एनर्जी सही जगह पर लगाएं। वैसे हाइपर बच्चे जल्दी ही किसी काम से बोर भी हो जाते हैं, पर जो भी काम करते हैं, दिल से करते हैं। झूठ बोलने वाले या ज्यादा गपबाजी करने वाले बच्चे अपनी दुनिया के शहंशाह होते हैं। इनकी बातों पर बहुत ध्यान ना दें, ना ही गंभीरता से लें। अगर आप रस लेकर उनकी बातें सुनेंगी, उनकी बातों को चटखारे लेकर दूसरों को बताएंगी, तो उनकी यह आदत बढ़ती जाएगी। बात-बात पर रोने वाले या घबरा जाने वाले बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होती है। घर का माहौल अगर स्वस्थ नहीं है, कोई बीमार है, झगड़ा ज्यादा होता है या पैसे की तंगी है, तो बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होने लगती है। बच्चे पर इनका असर ना पड़ने दें। बच्चे को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि उसकी स्कूल की फीस कितनी है, उसे घर और स्कूल में पढ़ाई का माहौल चाहिए। वह ऐसे लोगों के बीच रहना चाहता है, जहां वह अपने आपको सुरक्षित महसूस करता हो।

गर्भवती मां की सबसे बड़ी चिंता

भारत में लगभग 87 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं की सबसे बड़ी चिंता यह होती है कि गर्भधारण और बच्चे के जन्म के बाद वो कैसी दिखेंगी। 600 महिलाओं पर किए गए सर्वे के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। सर्वे में शामिल 76 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें कभी-कभी बहुत बुरा लगता है, क्योंकि आसपास के सभी लोगों का सबसे ज्यादा ध्यान होने वाले बच्चे पर होता है, जबकि शारीरिक बदलाव और दर्द के दौर से वो गुजर रही होती है। वहीं, 93 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि उन्हें लगता है कि उनके पति चाहते हैं कि बच्चे के जन्म के बाद उनका फिगर पहले जैसा हो जाए। 90 प्रतिशत महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चिंता प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाले स्ट्रेच मार्क्स होते हैं।

आपकी शादी को खास बनाती हैं ये सामग्री

भारतीय शादी से जुड़े रीति-रिवाजों की तुलना किसी अन्य देश के रीति-रिवाजों से नहीं की जा सकती। हर दिन इस्तेमाल में आने वाली आम चीजें, शादी की रीति-रिवाजों में खास हो जाती हैं। पान, सुपारी और हल्दी जैसी चीजें कैसे बनाती हैं आपकी शादी को खास।

खूबसूरत त्वचा के लिए हल्दी

शादी से जुड़ी सबसे आम रस्म है हल्दी लगाना। शादी से एक दिन पहले दूल्हा और दुल्हन को शादीशुदा महिलाएं हल्दी लगाती हैं। पारंपरिक रूप से हल्दी की इस विधि में दुल्हन पीले रंग का कपड़ा पहनती है। हल्दी के कार्यक्रम के बाद दूल्हा और दुल्हन को एक-दूसरे से मिलने की इजाजत नहीं होती है। हल्दी, बेसन और तेल को मिलाकर इस दिन के लिए उबटन बनाया जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण होता है, वहीं बेसन त्वचा को साफ करके उसमें चमक लाता है और तेल त्वचा को जरूरी नमी प्रदान करके उसकी खूबसूरती बढ़ाता है। कई बार इस उबटन में चंदन और केसर भी मिलाया जाता है ताकि त्वचा की खूबसूरती और बढ़ सके।

समृद्धि का प्रतीक है चावल

भारतीय खानपान में चावल का प्रमुखता से इस्तेमाल होता है और चावल के इसी गुण के कारण उसे शुद्ध और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। शुद्धता के इस प्रतीक का इस्तेमाल हमारे यहां के समारोह और रीति-रिवाजों में बहुलता से किया जाता है। हिंदू विवाह के दौरान नए जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए उनके ऊपर चावल छिड़का जाता है। ऐसी मान्यता है कि चावल नकारात्मक चीजों को दूर भगाता है, इसलिए विवाह के दौरान प्रज्वलित अग्नि में दूल्हे के द्वारा चावल भी डाला जाता है। घर की देवी को भी चावल अर्पित किया जाता है। शादी के बाद विदाई के वक्त दुल्हन अपने हाथों में चावल भरकर उसे अपने सिर के पीछे की ओर फेंकती है, वहीं अपने ससुराल पहुंचकर वह चावल से भरे बरतन को अपने पैरों से गिराकर घर में प्रवेश करती है। इन दोनों रिवाजों के माध्यम से दुल्हन यह प्रार्थना करती है कि उसके मायके और साथ ही साथ उसके ससुराल में समृद्धि हमेशा बनी रहे।

पान-सुपारी भी हैं खास

हर धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ-साथ शादी से जुड़े विभिन्न विधि-विधानों का अहम हिस्सा है पान और सुपारी। कई धार्मिक रीति-रिवाजों में तो सुपारी को देवी का प्रतीक भी माना जाता है। वहीं, पान का पत्ता ताजगी और समृद्धि का प्रतीक है। कई हिंदू विवाह में पान के पत्ते को दूल्हा और दुल्हन के सिर पर लगाया जाता है। दूल्हे के परिवार का स्वागत भी पान के पत्ते से किया जाता है और अमूमन शादी की हर विधि में पान के पत्ते का इस्तेमाल होता है। वहीं, पान का पत्ता और नारियल सभी मेहमानों को धन्यवाद के प्रतीक के रूप में भी दिया जाता है।

शुद्ध नदियों का प्रतीक पानी

शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में पानी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। पानी शुद्ध नदियों का प्रतीक है। इसे जिंदगी और जीवन चक्र का आधार माना जाता है। सभी धर्म और समुदाय में सफाई करने के लिए, सेहत को बेहतर बनाने के लिए, अच्छे भविष्य और समृद्धि के लिए शादी के रीति-रिवाजों में पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

इनका भी होता है इस्तेमाल

- आम, केला, नीम और तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल भी शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में किया जाता है। ये सभी पत्ते शुद्धता के प्रतीक हैं।
- जब दुल्हन गृह-प्रवेश करती है, उस समय गुड़ खिलाकर उसका स्वागत किया जाता है। शादी के बाद के विभिन्न रिवाजों में दही का इस्तेमाल भी होता है।
- घी को पवित्र माना जाता है और शादी के अमूमन सभी रिवाजों में घी का इस्तेमाल दीप जलाने के लिए किया जाता है।
- कई समुदायों में दुल्हन के पैर धोने के लिए दूध और नारियल पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

बस 5 मिनट और आप तैयार

वक्त कम है। ढेर सारा काम है। पर खूबसूरत तो दिखना ही है ना! सिर्फ पांच मिनट में कैसे तैयार हों, ताकि वक्त की कमी आपकी खूबसूरती को निखारने की राह में न आए।

- पांच मिनट के भीतर आप तैयार हो सकती हैं, बशर्ते आपकी आईब्रो सही शेप में हो, आपकी त्वचा भीतर से खूबसूरत हो, आपने वैक्सिंग करवा रखी हो और आपमें किसी भी लुक को अपना बनाने का आत्मविश्वास हो। त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए संतुलित और पोषक खाना खाएं और ढेर सारा पानी पिएं। वहीं अपने वॉर्डरोब में मिक्स-एंड-मैच करने वाले कपड़े रखें, ताकि कहीं बाहर जाने से पहले कपड़े तलाशने में आपको वक्त जाया न करना पड़े।
- मेकअप शुरू करने से पहले त्वचा पर प्राइमर लगाएं। प्राइमर त्वचा को नमी और पोषण देने के साथ-साथ उसे मुलायम भी बनाता है। प्राइमर को आप फाउंडेशन भी कह सकती हैं। मेकअप करने के लिए ग्लो अप प्राइमर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी त्वचा की रंगत एक जैसी दिखेगी और साथ ही उसमें चमक भी आएगी। ग्लो अप प्राइमर एक्ने और अन्य दाग-धब्बों के निशान को भी छुपा देता है। आंखों के लिए नियॉन रंग के आईलाइनर का इस्तेमाल करें। सी ग्रीन, ऑरेंज और एप्पल ग्रीन रंग के आईलाइनर आजकल चलन में हैं। इसके साथ आंखों में काजल, बड़ी बिंदी और लिपस्टिक आपके पूरे लुक को कई गुना बेहतर बना देंगे।
- एक सामान्य-सी ड्रेस को एक्सेसरीज की मदद से आप बेहद खास ड्रेस में तब्दील कर सकती हैं। ए लाइन सलवार-सूट पूरी तरह से आउट ऑफ फैशन हो चुके हैं। अनारकली सूट या मिक्स एंड मैच सलवार-सूट और उसके साथ एक साधारण-सी चोटी से आपको बहुत खूबसूरत लुक मिलेगा। अगर मौका कोई खास है और आप साड़ी पहनने की सोच रही हैं तो उसके साथ कमरबंध भी पहन सकती हैं। इसके अलावा आप अपनी साड़ी को बंगाली स्टाइल में पहनकर उसके साथ चाबी के छल्ले को एक्सेसरीज के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।
- आपके पूरे लुक का एक अहम हिस्सा है, हेयर स्टाइल। पर, जरूरी नहीं है कि जो हेयरस्टाइल आपकी मम्मी पर बहुत अच्छा लग रहा है, आप पर भी अच्छा लगे। इसलिए अपनी पर्सनैलिटी और लुक को ध्यान में रखते हुए ही अपना हेयरस्टाइल चुनें। फिश टेल चोटी, ढीली पोनीटेल, फ्रेंच जूड़ा और लो जूड़ा भी आप बना सकती हैं। इसके साथ गजरा या अन्य फ्लोरल एक्सेसरीज का इस्तेमाल करना न भूलें।
- जंक ज्वेलरी और डायमंड ज्वेलरी का चलन अब कम हो रहा है। सोने की ज्वेलरी फिर से चलन में है। अगर आपकी ड्रेस से मैच करती कुंदन ज्वेलरी आपके पास है, तो आप उसे भी पहन सकती हैं।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग : पंत और मिशेल की शीर्ष 10 में वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिशेल मुंबई में खेले गए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के तीसरे मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं। पंत, जिन्होंने पहली पारी में 60 और दूसरी पारी में 64 रनों की पारी खेली थी, पांच पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं, जो जुलाई 2022 में हासिल किए गए उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान से एक कम है। मिशेल, जो इस साल सितंबर में तीसरे स्थान पर थे, तालिका में नीचे खिसकने से पहले, 82 और 21 के स्कोर के बाद आठ पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। प्लेयर ऑफ द सीरीज विल यंग के 71 और 51 के स्कोर ने उन्हें करियर के सर्वश्रेष्ठ 550 रेटिंग अंकों के साथ 29 पायदान ऊपर 44वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है, जबकि ग्लेन फिलिप्स 45वें से 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं। शुभमन गिल के पहली पारी के 90 रन ने उन्हें 20वें से 16वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है, लेकिन भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर खिसक गए हैं और पूर्व कप्तान विराट कोहली दिसंबर 2014 के बाद पहली बार दुनिया के शीर्ष 20 टेस्ट बल्लेबाजों की सूची से बाहर हो गए हैं।

स्पेशल ओलंपिक्स भारत 9 नवंबर को राजधानी दिल्ली में करेगा रन फॉर इनक्लूज़न का आयोजन

नई दिल्ली। स्पेशल ओलंपिक्स भारत (एसओबी), जो बौद्धिक और विकासात्मक अक्षमताओं (आईडीडी) वाले एथलीटों के लिए खेल को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रीय खेल महासंघ है, 9 नवंबर 2024 को एक अनूठी दौड़, रन फॉर इनक्लूज़न आयोजित करेगा। यह दौड़ नई दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 18 से 23 नवंबर 2024 के बीच आयोजित होने वाली स्पेशल ओलंपिक्स एशिया पैसिफिक बोचे और बॉलिंग प्रतियोगिता की तैयारियों का हिस्सा होगी। यह भारत में अपनी तरह की सबसे बड़ी दौड़ है, जिसका उद्देश्य खेलों के माध्यम से समावेशन की ताकत का जश्न मनाना है, और यह चाणक्यपुरी स्थित सेंट्रल सिविल सर्विस ग्राउंड, नेहरू पार्क से शुरू होगी। दिल्ली एनसीआर से लगभग 10,000 प्रतिभागियों के इस 3 किलोमीटर दौड़ में शामिल होने की उम्मीद है, जो विशेष एथलीटों के समर्थन में भाग लेंगे। स्पेशल ओलंपिक्स भारत का लक्ष्य 100 से अधिक स्कूलों और कॉलेजों के लगभग 1000 विशेष एथलीटों (बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्ति) का स्वागत करना है, जो इस दौड़ में एकजुटता से हिस्सा लेंगे।

आईपीएल 2025 मेगा-नीलामी के लिए पंजीकरण कराने वाले पहले इतालवी क्रिकेटर बने थॉमस ड्रेका

नई दिल्ली। इटली के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज थॉमस ड्रेका आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मेगा नीलामी के लिए देश से अपना नाम पंजीकृत कराने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए हैं, जो 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में होने वाली है। ड्रेका ने 30 लाख रुपये के बेस प्राइस के साथ ऑलराउंडर की श्रेणी में अपना नाम दर्ज कराया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आईपीएल फ्रेंचाइजी आगामी मेगा नीलामी में तेज गेंदबाज को खरीदने के लिए अपना उत्साह दिखाती है या नहीं। इतालवी तेज गेंदबाज ने इस साल जून में लक्जमबर्ग के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, जहां उन्होंने अपने चार ओवरों में 2/15 के आंकड़े दर्ज किए थे। उनकी टीम ने यह मैच 77 रनों से जीत लिया। उन्होंने अब तक खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए चार मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 8 विकेट चटकाए हैं। इस तेज गेंदबाज ने हाल ही में ग्लोबल टी20 कनाडा 2024 में ब्रैम्पटन वॉल्व्स के लिए प्रतिस्पर्धा की और अपने असाधारण प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। ड्रेका ने छह मैचों में कुल 11 विकेट लेकर टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उनका औसत 10.63 और इकॉनमी रेट 6.88 रहा।

आईपीएल 2025 मेगा-नीलामी के लिए पंजीकरण कराने वाले पहले इतालवी क्रिकेटर बने थॉमस ड्रेका

नई दिल्ली। इटली के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज थॉमस ड्रेका आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मेगा नीलामी के लिए देश से अपना नाम पंजीकृत कराने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए हैं, जो 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में होने वाली है। ड्रेका ने 30 लाख रुपये के बेस प्राइस के साथ ऑलराउंडर की श्रेणी में अपना नाम दर्ज कराया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आईपीएल फ्रेंचाइजी आगामी मेगा नीलामी में तेज गेंदबाज को खरीदने के लिए अपना उत्साह दिखाती है या नहीं। इतालवी तेज गेंदबाज ने इस साल जून में लक्जमबर्ग के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, जहां उन्होंने अपने चार ओवरों में 2/15 के आंकड़े दर्ज किए थे। उनकी टीम ने यह मैच 77 रनों से जीत लिया। उन्होंने अब तक खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए चार मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 8 विकेट चटकाए हैं। इस तेज गेंदबाज ने हाल ही में ग्लोबल टी20 कनाडा 2024 में ब्रैम्पटन वॉल्व्स के लिए प्रतिस्पर्धा की और अपने असाधारण प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। ड्रेका ने छह मैचों में कुल 11 विकेट लेकर टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

भारत–दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज के दौरान कई रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं सूर्यकुमार यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार मैचों की टी20आई सीरीज के लिए तैयार है। इस सीरीज के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव कई रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सूर्यकुमार ने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अपना टी20आई डेब्यू किया, उसके बाद उन्होंने 74 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 169.48 की स्ट्राइक रेट से 2544 रन बनाए हैं। उनका औसत 42.40 है। 34 वर्षीय ने सबसे छोटे प्रारूप में चार शतक और 21 अर्द्धशतक लगाए हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने आखिरी बार बांग्लादेश के खिलाफ टी20आई सीरीज में मेन इन ब्लू का नेतृत्व किया था, जहां उन्होंने तीन पारियों में 37.33 की औसत से 112 रन बनाए थे। आगामी 20 ओवर की सीरीज में, सूर्यकुमार को भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20आई में अग्रणी रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए 107 रनों की आवश्यकता है। वर्तमान में, भारतीय कप्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात टी20आई मैचों में 175.63 की स्ट्राइक रेट से

346 रन बनाए हैं। उन्होंने 20 ओवर के प्रारूप में प्रोटियाज के खिलाफ एक शतक और चार अर्धशतक लगाए हैं। इस बीच, डेविड मिलर 21 मैचों में 156.94 की स्ट्राइक रेट से 452 रन बनाकर शीर्ष स्थान पर हैं। भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20आई में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के अलावा, 34 वर्षीय सूर्यकुमार को टी20आई में सबसे तेज़ 150 छक्के लगाने का मौका भी मिलेगा। 74 टी20आई मैचों और 71 पारियों में सूर्यकुमार ने 44 छक्के लगाए हैं। उन्हें यह उपलब्धि हासिल करने के लिए चार मैचों की टी20आई सीरीज़ में 6 छक्के लगाने होंगे। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज़ 8 नवंबर को डरबन के किंग्समीड क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा। गकेबरहा में सेंट जॉर्ज पार्क 10 नवंबर को दूसरे टी20 मैच की मेजबानी करेगा, जबकि तीसरा मैच 13 नवंबर को सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में होगा। श्रृंखला 15 नवंबर को वांडरर्स स्टेडियम में चौथे टी20 मैच के साथ समाप्त होगी।

भारत की टी20 टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार वैश्य, आवेश खान, यश दयाल।

नीरज चोपड़ा के कोच क्लॉस बार्टोनित्ज़ ने एथलेटिक्स से लिया संन्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने पुष्टि की कि उनके कोच क्लॉस बार्टोनित्ज़ एथलेटिक्स से संन्यास ले रहे हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में नीरज ने लिखा, कोच, आप मेरे लिए सिर्फ एक गुरु से कहीं बढ़कर हैं। आपने जो कुछ भी सिखाया है, उसने मुझे एक एथलीट और व्यक्ति के रूप में विकसित होने में मदद की है। आपने यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया है कि मैं हर प्रतियोगिता के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहूँ। चोट लगने के दौरान भी आप मेरे साथ खड़े रहे। आप उतार-चढ़ाव के दौरान भी मेरे साथ थे। आप स्टैंड में सबसे शांत लोगों में से एक थे, लेकिन जब मैं थ्रो करता था, तो आपके शब्द मेरे कानों में सबसे ज़ोर से गूंजते थे। मुझे हमारी शरारतें और हंसी-मज़ाक की याद आएगी, लेकिन सबसे बढ़कर, मैं एक टीम के रूप में आपको याद करूँगा। मेरी यात्रा का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद। मुझे अपनी यात्रा का हिस्सा बनने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद। हैप्पी रिटायरमेंट, कोच। 2019 में कोहनी की सर्जरी के बाद युवा खिलाड़ी के पुनर्वास और रिकवरी प्रक्रिया के दौरान

बार्टोनित्ज़ ने हमवतन और पूर्व विश्व रिकॉर्ड धारक भाला फेंक खिलाड़ी उवे होन से नीरज के कोच के रूप में कार्यभार संभाला था।नीरज ने बार्टोनित्ज़ के साथ कई पदक जीते जिनमें दो ओलंपिक पदक (स्वर्ण और रजत), दो विश्व चैम्पियनशिप पदक (स्वर्ण और रजत), एक एशियाई खेलों का स्वर्ण और एक डायमंड लीग खिताब शामिल हैं। 26 वर्षीय भाला फेंक खिलाड़ी ने आखिरी बार 75 वर्षीय जर्मन कोच के साथ ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल में प्रतिस्पर्धा की थी, जहां वह एंडरसन पीटर्स के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।

केसी कार्टी ने रचा इतिहास, वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में हराया, श्रृंखला 2–1 से जीती

एजेंसी

ब्रिजटाउन। कैरेबियाई बल्लेबाज केसी कार्टी गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय शतक बनाने वाले सिंट मार्टेन द्वीप पर जन्मे पहले वेस्टइंडीज खिलाड़ी बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि,बारबाडोस में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैच में हासिल की। वेस्टइंडीज ने यह मैच आठ विकेट से जीता। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने 3 मैचों की एकदिनी श्रृंखला 2-1 से जीत ली।

कार्टी ने 114 गेंदों पर नाबाद 128 रनों की पारी खेली, जिससे वेस्टइंडीज ने केंसिंग्टन ओवल में सात ओवर शेष रहते इंग्लैंड के 263/8 के स्कोर को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। यह कार्टी का वेस्टइंडीज के लिए 50वां अंतरराष्ट्रीय मैच था और उनका पहला शतक भी था, कार्टी ने अपनी पारी के दौरान 15 चौके और दो बड़े छक्के लगाए। मैच में टॉस जीतने के बाद वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट (108 गेंदों पर 74 रन, 4 चौके और 1 छक्का) ने थ्री लॉयन्स को शानदार शुरुआत दिलाई।

विकेटकीपर-बल्लेबाज इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। मध्य क्रम में, मेहमान टीम साझेदारी बनाने में विफल रही और स्कोरबोर्ड पर केवल 263/8 रन ही बना सकी। मैथ्यू फोर्ड ने कैरेबियाई गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई की और 35 रन देकर तीन विकेट चटकाए। रन चेज के दौरान, ब्रैंडन किंग (117 गेंदों पर 102 रन, 13 चौके और 1 छक्का) और केसी कार्टी (114 गेंदों पर 128 रन, 15 चौके और 2 छक्के) ने शानदार प्रदर्शन किया और विंडीज को आठ विकेट से जीत दिलाई। रीस टॉपली और जेमी ओवरटन ही ऐसे गेंदबाज़ थे जो इंग्लैंड के लिए विकेट लेने में कामयाब रहे।

प्रो पंजा लीग दिसंबर में करेगा मिजोरम मेगा मैचों का आयोजन

एजेंसी

आइज़ोल। प्रो पंजा लीग ने मिजोरम के खेल मंत्री लालंगिंगलोवा हमार की मौजूदगी में दिसंबर 2024 के दूसरे भाग में पहाड़ी शहर आइज़ोल में भारत भर के आर्मरेसलरों की एक विस्तृत सीरीज की विशेषता वाले एक मेगा इवेंट की घोषणा की है। मेगा मैचों की शुरुआत प्रसिद्ध मिजो आर्मरेसलर डेनिक लालरुअट्लुआंगा वांगछिया से होगी, जो एक अंतरराष्ट्रीय आर्मरेसलर के खिलाफ खेलेंगे। डेनिक ने हाल ही में एशियाई आर्मरेसलिंग कप में स्वर्ण पदक जीतकर और भारत को कजाकिस्तान के बाद उपविजेता बनाने में मदद करके सुर्खियाँ बटोरी हैं। प्रो पंजा लीग ने डेनिक को टूर्नामेंट का भारतीय खिलाड़ी भी चुना और उन्हें सम्मानित किया गया तथा 35,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। लालनघिंगलोवा हमार ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हम आइजोल विंटर फेस्टिवल में प्रो पंजा लीग मेगा मैच मिजोरम संस्करण की मेजबानी कर रहे हैं। इससे हमारे बेहतरीन मिजो

आर्मरेसलर्स को दुनिया के सामने लाने में मदद मिलेगी और यह मिजोरम में आर्मरेसलर्स की एक पूरी पीढ़ी को प्रेरित करेगा। प्रो पंजा लीग के संस्थापक परवीन डबास ने हमार को उनके समर्थन और लीग को मिजोरम में एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद दिया। परवीन ने कहा, ÷यह मिजोरम में होने वाले सबसे बेहतरीन और सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक होने जा रहा है। हम इस अवसर के लिए आभारी हैं और हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे कि यह आयोजन एक बड़ी सफलता हो।पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया (पीएएफआई) की अध्यक्ष प्रीति झंगियानी ने भी अपना उत्साह व्यक्त किया और कहा, ÷पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया एम को इस आयोजन का हिस्सा बनने पर गर्व है और हमें यकीन है कि यह यहाँ से और भी अधिक सफल होने जा रहा है। आयोजन की अंतिम तारीखें जल्द ही घोषित की जाएंगी।

दक्षिण भारतीय प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स और हैदराबाद एफसी रोमांचक भिड़ंत के लिए तैयार

एजेंसी

कोच्चि। दक्षिण भारतीय प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स और हैदराबाद एफसी आज शाम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में रोमांचक भिड़ंत के लिए तैयार हैं। केरला ब्लास्टर्स और हैदराबाद एफसी अपने पिछले मुकाबले क्रमशः मुम्बई सिटी एफसी और मोहन बागान सुपर जायंट से हारे हैं तथा अंक तालिका में 10वें और 11वें स्थान पर हैं। लिहाजा, यह मैच दोनों टीमों के लिए खामियां दुरुस्त करने और अपने-अपने अभियान को वापस पटरी पर लाने का मौका होगा।ब्लास्टर्स ने अपने पिछले 14 आईएसएल मैचों में प्रत्येक में गोल किया है। उनमें से आठ मुकाबलों में उन्होंने कम से कम दो बार गोल किया है। ब्लास्टर्स ने अपने पिछले 18 आईएसएल मैचों में कोई क्लीन

शीट नहीं रखी है। यह लीग में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे लंबा सिलसिला है।अपने पिछले अवे मैच में मोहम्मडन स्पोर्टिंग पर 4-0 से जीत से हैदराबाद एफसी को अनजान परिस्थितियों में मजबूत प्रदर्शन का हौसला मिलेगा, जो कि ब्लास्टर्स के खिलाफ काम आएगा। हैदराबाद एफसी ने घर से बाहर अपने पिछले नौ मैचों में से सात में कम से कम एक गोल खाया है और उन सभी मैचों में हारे हैं। लिहाजा, उसे तीन अंक हासिल करने के लिए रक्षात्मक अनुशासन बनाए रखना होगा। केरला ब्लास्टर्स एफसी के स्वीडिश हेड कोच मिकेल स्टेहरे के अनुसार, उनकी टीम को अधिक जागरूक होने और अंतिम सीटी बजने तक अपनी योजनाओं पर बने रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हमें मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ मैच में बने रहना चाहिए था। हमें निर्णायक पलों से सीखना होगा। जाहिर है कि हमें खुद को फाउल, येलो और रेड कार्ड से बचना है। हैदराबाद एफसी के हेड कोच थांगबोई सिंग्टो का मानना है कि इस समय अंक तालिका में कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है और इसलिए टीम को कुछ माकूल परिणामों के साथ तालिका में ऊपर आने को लेकर आशावादी रहना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य हर मैच में अपनी बेस्ट फुटबॉल खेलना है। अंक तालिका में ऊपर जाने के लिए, अगर आप जीत नहीं सकते, तो कम से कम आपको ड्रा करना होगा। आईएसएल में ये दोनों टीमें 11 बार भिड़ चुकी हैं, जिसमें केरला ब्लास्टर्स एफसी और हैदराबाद एफसी ने क्रमशः छह और चार मैच जीते हैं। एक मैच ड्रा रहा है।

हिमाचल ने विदर्भ के खिलाफ पहले दिन छह विकेट पर बनाए 263 रन

एजेंसी

धर्मशाला। नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन मैदान में बुधवार से शुरू हुए रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी के मैच में हिमाचल ने पहले दिन 6 विकेट पर 263 रन बना लिए हैं। हिमाचल के कप्तान ऋषि धवन 47 रन और मुकुल नेगी 38 रन बनाकर क्रीज पर हैं। इससे पूर्व आज विदर्भ ने टॉस जीता और हिमाचल को बल्लेबाजी का न्योता दिया। बल्लेबाजी के लिए उतरी हिमाचल की शुरुआत अच्छी नहीं रही और ओपनर शुभम अरोड़ा शून्य पर आउट हो गए। इसके बाद दूसरे ओपनर प्रशांत चोपड़ा ने अंकित कलसी के साथ पारी को संभाला। प्रशांत चोपड़ा ने 31 रनों का योगदान दिया जबकि अंकित कलसी 27 रन बनाकर आउट हुए। एकांत सेन ने 44 रनों की बढ़िया बल्लेबाजी की जबकि ए कुमार ने 32 रनों का योगदान दिया।

इसी तरह आकाश वशिष्ठ ने 33 रन बनाए। उधर विदर्भ की ओर से गेंदबाज एच दुबे ने हिमाचल के तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा जबकि ए वखारे ने दो और पी हिंगे ने एक विकेट लिया।

मुक्केबाज इमान खलीफ ने लिंग संबंधी रिपोर्ट पर की कानूनी कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने कहा कि ओलंपिक स्वर्ण जीतने के लिए अपनी लिंग योग्यता को लेकर उठे विवाद को दरकिनार करने वाली अल्जीरियाई मुक्केबाज इमान खलीफ, लीक हुए मेडिकल रिकॉर्ड के बारे में मीडिया रिपोर्टों पर कानूनी कार्रवाई कर रही हैं। इस सप्ताह फ्रांस में प्रकाशित रिपोर्टों में दावा किया गया कि 25 वर्षीय खलीफ में पुरुष गुणसूत्र हैं। अगस्त में पेरिस खेलों में लिंग विवाद तब शुरू हुआ जब खलीफ ने अपने शुरुआती मुकाबले में एंजेला कैरिनी को 46 सेकंड में हरा दिया, इतालवी खिलाड़ी बुरी तरह से नाक में चोट लगने के कारण रोने लगी और मुकाबला छोड़कर चली गई।इसके बाद विवाद पैदा हो गया, जिस पर इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से लेकर हैरी पॉटर की लेखिका जेके राउलिंग तक कई राजनेताओं और हस्तियों ने टिप्पणी की। आईओसी ने एक बयान में

कहा, हम समझते हैं कि इमान खलीफ ने ओलंपिक खेलों पेरिस 2024 के दौरान उनकी स्थिति पर टिप्पणी करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है, और नवीनतम रिपोर्टिंग के जवाब में मुकदमा भी तैयार कर रही है। जब तक कानूनी कार्रवाई चल रही है, या असत्यापित दस्तावेजों के बारे में मीडिया रिपोर्टों पर जिनकी उत्पत्ति की पुष्टि नहीं की जा सकती है, आईओसी टिप्पणी नहीं करेगा। आईओसी ने कहा कि खलीफ ने 2021 में टोक्यो ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) विश्व चैंपियनशिप और आईबीए-स्वीकृत टूर्नामेंटों सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में महिला वर्ग में कई वर्षों तक भाग लिया है। आईओसी ने कहा कि वह इमान खलीफ को वर्तमान में मिल रहे दुर्व्यवहार से दुखी है। ओलंपिक जीत के बाद अल्जीरिया लौटने पर खलीफ का नायक की तरह स्वागत किया गया था, उन्होंने पहले ही फ्रांस में ऑनलाइन उत्पीड़न के लिए शिकायत दर्ज कराई है।

उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों की तिथियों पर आईओए की मुहर

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में 38वें नेशनल गेम्स के आयोजन की तारीख पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अपनी मुहर लगा दी है। संघ ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को एक पत्र के माध्यम से यह सूचना दी है। अगले वर्ष 28 जनवरी से 14 फरवरी तक 38वें नेशनल गेम्स उत्तराखंड में आयोजित होंगे। आईओए ने इस आयोजन के लिए पांच कमेटियोंका भी गठन कर दिया है। दरअसल, बीते माह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा से मुलाकात कर राष्ट्रीय खेलों की तारीख घोषित करने का अनुरोध किया था। डॉ उषा ने उसी समय आयोजन की प्रस्तावित तारीखों पर सहर्ष स्वीकृति दे दी थी लेकिन अब आईओए ने नेशनल गेम्स की तारीखों पर औपचारिक मुहर लगा दी है। इसके साथ ही राज्य में 38वें नेशनल गेम्स की तारीखों का ऐलान हो गया। उत्तराखंड में अगले वर्ष 28 जनवरी से 14 फरवरी तक 38वें नेशनल गेम्स आयोजित होंगे। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पांच विभिन्न कमेटियों का गठन भी भारतीय ओलंपिक संघ ने कर दिया है। इनमें सुनैना की अध्यक्षता में गेम्स टेक्निकल कंडक्ट कमेटी, मधुकांत पाठक की अध्यक्षता एनएसएफ/एसओए कोऑर्डिनेशन कमेटी, विथल शिरगोंकार की अध्यक्षता में प्रोटोकॉल कमेटी, सुमन कौशिक की अध्यक्षता में सेफगार्डिंग कमेटी और आईएएस आरके सुधांशु की अध्यक्षता में प्रिवेंशन ऑफ मैनिपुलेशन ऑफ कंपीटिशन कमेटी गठित की गई है। इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कथा कि उत्तराखंड में 38वें नेशनल गेम्स बेहद सफल और ऐतिहासिक होंगे। इस राष्ट्रीय खेल महाकुंभ के लिए उत्तराखण्ड पूरी तरह से तैयार है।

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस क्वालीफायर के लिए युगांडा की टीम घोषित

एजेंसी

कंपाला। युगांडा क्रेन्स के मुख्य कोच पॉल पुट ने अपनी टीम की घोषणा की, जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महत्वपूर्ण ग्रुप के अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) 2025 क्वालीफायर से पहले तैयारियों में जुट जाएगी।

क्रेन्स, जो दस अंकों के साथ ग्रुप के में शीर्ष पर है, 15 नवंबर को कंपाला के मंडेला नेशनल स्टेडियम में दूसरे स्थान पर रहने वाली दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगी।कोच पुट की टीम एएफसीओएन 2025 के लिए क्वालीफाई करने के लिए ड्रॉ का जोखिम उठा सकती है, जो मोरक्को में होगा। दक्षिण अफ्रीका का सामना करने के बाद, युगांडा क्रेन्स चार दिनों में कांगो ब्राज़ाविल खेलने के लिए यात्रा करेगी। पुट ने सिन्हुआ को बताया, हमें अच्छी तरह से तैयारी करनी होगी क्योंकि हमें क्वालीफाई करने के लिए संभावित छह में से एक अंक की आवश्यकता है। यह बहुत कठिन काम होने वाला है क्योंकि हमारे प्रशंसकों के सामने दक्षिण अफ्रीका का सामना करने के लिए बहुत प्रयास करने होंगे। कोच ने युवा ट्रैविस मुत्याबा, जिन्होंने पिछले महीने फ्रांसीसी सेकेंड डिवीजन टीम गिरोन्डिन्स बोर्डो के लिए अनुबंध किया था, और चेक गणराज्य के दो डिफेंडर्स, इसाक मुलेमे और अब्दु अज़िकी कायोंडो को भी आमंत्रित किया है।

स्वीडन के स्ट्राइकर जॉन पॉल डेम्बे, जिन्होंने बीके हैकेन के लिए खेला और हाल ही में एएफसीओएन अंडर-17 सीईसीएएफए क्वालीफायर में शीर्ष स्कोरर के रूप में उभरे, को भी पहली बार राष्ट्रीय टीम में बुलाया गया है। युगांडा ने अपने अभियान की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ के साथ की और इसके बाद कांगो ब्रेज़ाविल के खिलाफ 2-0 से घरेलू जीत दर्ज की। युगांडा क्रेन्स ने पिछले महीने कंपाला में दक्षिण सूडान को 1-0 और जुबा में 1-0 से हराकर एएफसीओएन के लिए क्वालिफिकेशन की अपनी संभावनाओं को बेहतर बनाया।

युगांडा की टीम इस प्रकार है:

गोलकीपरः इसिमा वाटेंगा, नफियान अलियोनज़ी, चार्ल्स लुक्वागो, वेंडा एफसी, मुतवालिबी मुगोलोफा।

डिफेंडरः गेविन किजिटो मुगवेरी, केनेथ सेमाकुला, इसाक मुलेमे, अब्दु अज़ीज़ी कायोंडो, बेविस मुगाबी, टिमोथी अवनी, हलीदी लवलीवा, जेफ्री वासवा।

मिडफील्डरः खालिद औचो, बोबोसी बयारुहंगा, तादेदेव लवांगा, रोनाल्ड सेस्किगांडा, एलन ओकेलो, ट्रैविस मुत्याबा, सैदी मायांजा।

घरेलू दर्शकों के सामने खेलने को लेकर उत्साहित हूं : यूपी योद्धा सहायक कोच उपेंद्र मलिक

एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के रोमांचक मैच में यूपी योद्धा को जयपुर पिंक पैंथर्स के खिलाफ 33-30 के स्कोर से हार का सामना करना पड़ा। हार के बावजूद, यूपी योद्धा ने पूरे मैच में शानदार डिफेंसिव प्रदर्शन किया। जयपुर पिंक पैंथर्स के खिलाफ 33-30 की करीबी हार पर यूपी योद्धा के सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने कहा कि टीम ने खेल के शुरुआती मिनटों में शानदार प्रदर्शन किया। पीकेएल की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में उपेंद्र मलिक के हवाले से कहा गया, टीम ने खेल के शुरुआती मिनटों में शानदार प्रदर्शन किया। निर्णायक मोड़ सुमित और हितेश के असाधारण प्रदर्शन के कारण आया, जिन्होंने डिफेंस में उल्लेखनीय समन्वय दिखाया। हालांकि, महत्वपूर्ण क्षणों में कुछ छोटी डिफेंसिव गलतियों ने मैच की गति को बदल दिया। मैच के मुख्य आकर्षणों में जयपुर पिंक पैंथर्स के अर्जुन को आउट करने के लिए सुमित द्वारा किया गया शानदार सुपर टैकल शामिल था, जबकि भरत हुड्डा ने चार रेड पॉइंट और एक टैकल पॉइंट के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पहले हाफ में यूपी योद्धा ने 17-15 से बढ़त बनाई, जिसमें अटैक में गगन गौड़ा और डिफेंस में आशु सिंह का मजबूत साथ था। डिफेंडर सुमित ने टीम के प्रदर्शन पर कहा, कुल मिलाकर, हमने अच्छा खेला, लेकिन महत्वपूर्ण समय पर कुछ गलतियों ने निश्चित रूप से प्रभाव डाला। हमें अपने दृष्टिकोण को बेहतर बनाने की आवश्यकता है, और हम अगले मैच के लिए पहले से ही सुधार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम मजबूत वापसी करने की कोशिश करेंगे। अपनी रक्षात्मक रणनीति में, योद्धा जयपुर के खतरनाक रेडर अर्जुन को रोकने में उल्लेखनीय रूप से प्रभावी रहे, जिनके रेड ने पिछले मुकाबलों में अक्सर समस्याएँ पैदा की हैं। मलिक ने बताया, हमने विशेष रूप से अर्जुन पर ध्यान केंद्रित किया, और हमारी रणनीति अच्छी तरह से

काम आई। पिछले खेलों की तुलना में वह कम खतरनाक था, और उन्हें आगे बढ़ने के लिए बोनस अंकों पर निर्भर रहना पड़ा। अपनी मामूली हार को पीछे छोड़ते हुए, मलिक ने सकारात्मक पहलुओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा,इस मैच से बहुत कुछ सीखने को मिला। हमारे डिफेंस ने कुल मिलाकर अच्छा प्रदर्शन किया और हम उनके कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को रोकने में सफल रहे। अब हमें उन छोटी-छोटी गलतियों को कम करने पर काम करना होगा, जिनकी वजह से हमें नुकसान उठाना पड़ा। हम पहले से ही अगले मैच का विश्लेषण कर रहे हैं और अपने विरोधियों की ताकत पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, खासकर उनके डिफेंडर सुनील और परवेज, जो उनके लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं।अपने डिफेंसिव लाभ को आगे बढ़ाने और इस गेम से मिली सीख को जीत में बदलने के लिए, योद्धा नोएडा में अपने अगले होम लेग की तैयारी कर रहे हैं। कोच मलिक ने कहा, हम अपने होम लेग और अपने प्रशंसकों के समर्थन का इंतजार कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य अपने घरेलू दर्शकों के उत्साह का लाभ उठाकर भविष्य के गेम जीतना है। करीबी मुकाबले और कुछ अंकों से मामूली हार के बावजूद, यूपी योद्धा के डिफेंसिव समन्वय और रणनीति में काफी सुधार हुआ है, जो नोएडा में उनके अगले होम लेग के लिए अच्छा संकेत है। अब यूपी योद्धा अपने अगले गेम में और अधिक मजबूती के साथ यू मुंबा को हराने के लिए उत्सुक हैं।

देवी गंगा बनकर

रेचल गुप्ता

ने किया रैंप वॉक, थाईलैंड के डिजाइनर ने बनाया ये अनोखा ड्रेस

पंजाब के जालंधर की रेचल गुप्ता ने हाल ही में थाईलैंड में हुए मिस ग्रैंड इंटरनेशनल का ताज अपने नाम कर लिया है. दो साल पहले 'मिस सुपर टैलेंट ऑफ द वर्ल्ड' की विनर बनीं रेचल गुप्ता हमेशा से इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर अपने देश को रिप्रेजेंट करना चाहती थीं. मिस ग्रैंड इंटरनेशनल के नेशनल कॉस्टयूम राउंड में रेचल गुप्ता का पहना हुआ ड्रेस उनके लिए इस ब्यूटी पेजेंट का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ. इस राउंड में रेचल गुप्ता देवी गंगा बनी थीं.अपने कॉस्टयूम के बारे में बात करते हुए रेचल ने कहा- हिमालय दुनिया की सबसे बड़ी पर्वतमाला में से एक है. कहते हैं ये पर्वतमाला स्वर्ग को छूती है. दुनिया के सबसे शक्तिशाली भगवान यहां रहते हैं. इस हिमालय की बर्फीली चोटियों में से पवित्र नदी गंगा बहती हैं. गंगा वो देवी हैं जो अपने जल के आशीर्वाद से हमारे पूरे देश को समृद्ध करती हैं. बहुत साल पहले, गंगा केवल स्वर्ग में बहती थीं. लेकिन एक राजा की प्रार्थना के बाद, वो पृथ्वी पर आईं. मेरे कॉस्ट्यूम का नीला रंग गंगा की शुद्धता का प्रतीक है, जबकि सफेद रंग इस देवी की आध्यात्मिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है और मेरे इस ड्रेस का चमकीलापन आपको गंगा के चमचमते पानी की याद दिलाएगा.'

थाईलैंड के डिजाइनर ने स्टाइल किया इंडियन कॉस्ट्यूम

रेचल की इस ड्रेस का स्केच उनकी डिजाइनर दोस्त तान्या कोंटाला ने बनाया था. लेकिन तान्या और रेचल के इस अनोखी ड्रेस का सपना पूरा करने वाला डिजाइनर इंडिया का नहीं है. थाईलैंड के डिजाइनर अकराच फुसनफेंग ने ये इंडियन कॉस्ट्यूम बनाया है. देवी गंगा के रूप में रैंप वॉक करने वाली रेचल गुप्ता ने इस बीच 'स्वच्छ गंगा, ग्रैंड गंगा' का मैसेज भी दिया है.

ग्लोबल मिस यूनिवर्स का इंतजार

'मिस ग्रैंड इंटरनेशनल' में इंडिया के साथ 70 देश शामिल हुए थे. पिछले 11 सालों से थाईलैंड में हो रही इस प्रतियोगिता में 20 साल की रेचल ने अपना कमाल दिखाया है. नेशनल कॉस्ट्यूम राउंड के साथ इस ब्यूटी पेजेंट के फिनाले में बेस्ट स्विमसूट, बेस्ट इवनिंग गाउन, मिस पॉपुलर वोट और कंट्रीज पावर (देश की ताकत) इन 4 राउंड का आयोजन किया गया था और इन सभी राउंड में अपना कमाल दिखाते हुए रेचल गुप्ता ने 'मिस ग्रैंड इंटरनेशनल' का ताज जीत लिया है. 'मिस ग्रैंड इंटरनेशनल' के बाद अब तमाम देशवासियों की नजरें 'मिस यूनिवर्स' की तरफ हैं. गुजरात की रिहा सिंघा इस साल ग्लोबल मिस यूनिवर्स में इंडिया को रिप्रेजेंट कर रही हैं.

रणबीर कपूर

की 'रॉकस्टार' से काट दिया गया था इस एक्ट्रेस का सीन, 13 साल बाद छलका था दर्द

शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाली अदिति राव हैदरी ने साल 2006 में आई मलयालम फिल्म 'प्रजापति' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद उन्होंने तेलुगु और तमिल भाषा की फिल्मों में भी काम किया. साल 2006 में आई अभिषेक बच्चन की फिल्म 'दिल्ली 6' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में कदम रख दिया था.बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद अदिति ने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा और आज वो इंडस्ट्री का एक पॉपुलर चेहरा हैं. वो इम्तियाज अली और संजय लीला भंसाली जैसे बड़े डायरेक्टर्स के साथ काम कर चुकी हैं. साल 2011 में इम्तियाज के डायरेक्शन में 'रॉकस्टार' नाम की एक फिल्म आई थी. अदिति भी इस फिल्म का हिस्सा थीं. हालांकि, इस पिक्चर से उनके कुछ सीन भी काट दिए गए थे.

अदिति राव हैदरी का रोल

28 अक्टूबर को अदिति का बर्थडे है. वो 38 साल की हो चुकी हैं. इस मौके पर चलिए आपको बताते हैं कि 'रॉकस्टार' में सीन काटे जाने पर अदिति ने क्या कुछ कहा था. 'रॉकस्टार' में रणबीर कपूर और नरगिस फाखरी लीड रोल में नजर आए थे. वहीं अदिति ने शीना नाम की रिपोर्टर का रोल प्ले किया था.

फिल्म रिलीज होने के 13 साल बाद अदिति राव हैदरी ने इस फिल्म में अपने सीन काटे जाने के बारे में बात की थी. इसी साल मई में 'हीरामंडी' के नाम से संजय लीला भंसाली की सीरीज आई, जिसमें अदिति ने बिब्बो जान का अहम किरदार निभाया. इसी सीरीज के प्रमोशन के दौरान उन्होंने रॉकस्टार पर बात की थी.

सीन काटे जाने पर अदिति का रिएक्शन

बॉलीवुड लाइफ को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, जब मैंने 'रॉकस्टार' में काम किया तो उस समय मैं नई थी और आप जानते हैं कि आपके रोल काट लिए जाते हैं. मैंने अपना रोल जैसा सोचा था और जैसा मैंने पेपर पर देखा था, वो कट कर लिया गया था. मुझे उस समय काफी बुरा लगा था. उन्होंने ये भी कहा था कि उन्होंने मेकर्स के इरादे पर भरोसा किया था, क्योंकि हो सकता है कि किसी खास कारण से उनके सीन काटे गए. उन्होंने ये भी कहा था कि लोग आज भी उनके उस छोटे से रोल को याद करते हैं.

मैं हर धर्म से प्यार करती हूं लेकिन...एकता कपूर ने बताया हिंदू होने का मतलब

प्रोड्यूसर एकता कपूर सिर्फ टीवी की दुनिया तक सीमित नहीं हैं. वे ओटीटी पर भी राज करती है. इसके अलावा वे फिल्में भी बनाती रहती हैं. प्रोड्यूसर अब देश के बड़े मुद्दे पर फिल्म लेकर आ रही हैं. गुजरात का गोधरा कांड देश का एक ऐसा कांड है जिसे कोई नहीं याद रखना चाहता है. अब 22 साल पुराने इसी कांड पर फिल्म आ रही है. इसका ट्रेलर लॉन्च इवेंट बुधवार को रखा गया. इस दौरान कई एकता ने मीडिया के कई सारे सवालों के जवाब दिए, उनसे पूछा गया कि क्या जो फिल्म उन्होंने बनाई है वो एक प्रोपोगेंडा फिल्म है.मैं एक हिंदू हूं. हिंदू मतलब होता है सेक्युलर. मैं कभी भी किसी भी धर्म को लेकर ऐसा कोई कमेंट नहीं करूंगी क्योंकि मैं एक हिंदू हूं. मैं आपको ये बता देना चाहती हूं कि मैं हर एक धर्म का सम्मान करती हूं. आप फिल्म में देखेंगे कि मैंने किसी भी धर्म का विरोध किए बिना असली गुनहगारों का पर्दाफाश किया है. और यही एक अच्छे स्टोरीटेलर की पहचान होती है. जब आप स्टोरी बताते हैं तो आप बल देते हैं. मैं ऐसा ही करने के प्रयास में हूं.

क्या प्रोपेगेंडा फिल्म है साबरमती रिपोर्ट ?

फिर एकता कपूर से पूछा गया कि- कई सारी थ्योरी चलती हैं. कई किताबें लिखी गई हैं. क्या इस केस में कोई पॉलिटिकल पार्टी रिस्पॉन्सिबल थी. हमने इस फिल्म को सिर्फ कॉन्सपिरेसी थ्योरीज को टारगेट कर के नहीं बनाया है बल्कि डीप रिसर्च के बेस पर इसे तैयार किया है. जब आप ये फिल्म देखेंगे तो खुद ही इस बात से इत्तेफाक रखेंगे. फिल्म बनाने के दौरान एक समय तो मुझे ऐसा लगने लगा था कि पता नहीं शायद मुझे थेरिपी की जरूरत ना पड़ जाए. इतना ज्यादा रिसर्च था कि मैं खुद शॉक में आ गई थी. हमें तो कुछ आइडिया भी नहीं कि कैसे चीजें हुई है.

लेकिन फिल्म में सेफ्टी के लिए सिर्फ उन चीजों को ही शामिल किया गया है जो डाक्युमेंटेड हैं. इस दौरान किसी भी कॉन्सपिरेसी थ्योरीज को ध्यान में नहीं रखा गया है. इसे पूरी तरह से तथ्यों के आधार पर बनाया गया है. हमारे पास और भी जानकारियां थीं. लेकिन उन्हें आधार नहीं बनाया गया. हमने पूरी तरह से नॉलेज के बेस पर फैक्ट्स के बेस पर इसे बनाया है.

हमें प्राइवेट मोमेंट चाहिए:एल्विश यादव-मुनव्वर फारूकी का ब्रोमांस, 'केसरिया' गाने पर साथ किया डांस

यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 विनर एल्विश यादव और कॉमेडियन और बिग बॉस 17 के विनर मुनव्वर फारूकी का ब्रोमांस वायरल हो रहा है. दोनों सोशल मीडिया स्टार रिएलिटी शो 'प्लेग्राउंड 4' में साथ दिखाई दिए और रोमांटिक डांस भी किया. अब एल्विश और मुनव्वर के इस डांस वीडियो की खूब चर्चा हो रही है.

फैन्स वीडियो शेयर कर तरह तरह के कमेंट भी कर रहे हैं.वायरल हो रहे वीडियो में एल्विश एक संदेश पढ़ते हैं, जिसमें लिखा होता है, एक साथी के साथ रोमांटिक डांस करो. इस पर एक कंटेस्टेंट कहता है कि भाई मुनव्वर भाई के साथ डांस करो. इस पर मुनव्वर कहते हैं, हम लोग रोज़ नाच रहे हैं, रोज़ रील बन रही है. इतने में ही एल्विश मुनव्वर के साथ डांस करने के लिए तैयार हो जाते हैं.

ब्रोमांस वाला वीडियो वायरल

एल्विश यादव हंसते हुए कहते हैं, भाई हम मेंटर हैं, हमें प्राइवेट मोमेंट चाहिए. इसके बाद दोनों दूसरे रूम में जाकर ब्रह्मास्त्र के गाने 'केसरिया तेरा' पर रोमांटिक अंदाज़ में डांस करते हैं. शो के बाकी कंटेस्टेंट वहीं बैठे उन्हें टीवी पर लाइव देखते हैं. इस दौरान दोनों ही डांस करने की कोशिश करते दिखाई देते हैं. एक यूज़र ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, ऐसा डांस तो एल्विश ने किसी के साथ नहीं किया (पसंदीदा मर्द).

एक अन्य यूजर ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, विनर्स जानते हैं कि एक दूसरे को कैसे सम्मान देना है, जबकि लूजर्स एक दूसरे को गिराने में लगे रहते हैं. कंप्टीशन हमेशा ही रहता है. टकराव होता रहेगा, लेकिन सम्मान जरूरी है.

'बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड' जैसा रिश्ता

हाल ही में एल्विश यादव ने मुनव्वर से अपने रिश्ते को 'बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड' जैसा रिश्ता बताया था. उन्होंने कहा था, मेरा और मुनव्वर के साथ रिश्ता काफी बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड वाला है. उतार चढ़ाव से भरा. गौरतलब है कि एल्विश और मुनव्वर का रिश्ता हमेशा सुर्खियों में रहता है. दोनों अक्सर इवेंट्स और रिएलिटी शोज़ में दिखते हैं. पर कई बार मुनव्वर से अच्छा व्यवहार करना एल्विश को भारी पड़ जाता है और उनके फैन्स उन्हें ट्रोल कर देते हैं.